जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 17 सितम्बर, 2022

ओसवाल सोप ग्रुप

OSWAL SOAP GROUP • OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

6 करोड़ परिवारों का विश्वास | **जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल** | **क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला**

ओसवाल सोप	1kg डिशवॉश टब	1kg व्हाइट सोप	1kg वॉशिंग पाउडर	1kg डिटर्जेंट पाउडर	100g नहाने का साबुन
100g ग्लिसरिन बाथ सोप	250ml लिक्विड हैंड वॉश	500ml लिक्विड डिशवॉश	1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड	1Ltr. टॉयलेट क्लीनर	500ml ग्लास क्लीनर
550ml फ्लोर क्लीनर	1kg चाय पत्ती	250g डस्ट चाय	1kg देसी खांड	1kg बासमती चावल	800g पोहा
500g हल्दी पाउडर	1kg मिर्च पाउडर	500g धनिया पाउडर	1kg जीरा	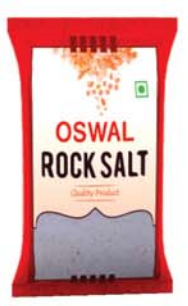 1kg सैंधा नमक	1kg काला नमक
1Ltr. 5Ltr. कच्ची घानी तेल	1Ltr. 5Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल	1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच	5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल	50g अगरबत्ती	घास की झाड़ू
1kg चना दाल	1kg मूंग दाल	1kg हरी मूंग दाल	1kg काबुली चना	1kg तूअर दाल	1kg उड़द धुली दाल

नियम व शर्तें लागू, ऑफर स्टॉक रहने तक मान्य, सभी ऑफर्स को सूचना दिये बिना बदला जा सकता है।

ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

Follow us on :

OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए

+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें

Marketed by Uttam Chand Desraj

नकली माल से सावधान

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद

स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।

GET IT ON Google Play

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 47 प्रभात जयपुर, शनिवार 17 सितम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

Scotland Along the Hooghly

Realization started dawning on her. With bated breath, her waiting father quickly bundled them into the compartment.

Overcrowded Animal Shelters

CAREER: Most In-Demand Workforce Skills | Cultivate critical soft skills that machines can't

इस वर्ष इंग्लैंड में दुर्लभ हैन हैरियर प्रजाति के लगभग 120 चूजों का जन्म हुआ है जो कि पिछली एक सदी में सर्वाधिक है। इंग्लैंड की एक संरक्षण एजेंसी, नैचुरल इंग्लैंड और उसके सहयोगियों ने डरहम काउंटी, कम्ब्रिया, लैंकशर, नॉर्थम्बरलैंड और यॉर्कशायर के ऊपरी भागों में हैन हैरियर के 119 चूजों की गणना की है, जिनमें से एक चूजा तो इतना बड़ा हो गया है कि स्वतंत्र रुप से उड़ान भरने को तैयार है। सौ साल में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक प्रजननकाल में इन पक्षियों की आबादी में 100 से ज्यादा सदस्यों की वृद्धि हुई है। लेकिन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि, संरक्षण का काम जारी रहना चाहिए ताकि इंग्लैंड के इस सर्वाधिक संकटग्रस्त परभक्षी पक्षी के अवैध उत्पीड़न से निपटा जा सके। यह पक्षी अपने बच्चों के भोजन के लिए रैड ग्राउस के बच्चों का शिकार करता है जिसकी वजह से कॉमर्शियल शूटिंग एस्टेट्स से इसका सीधा टकराव होता है। हैन हैरियर 50 के दशक से ही संरक्षित हैं। एजेंसी नैचुरल इंग्लैंड के चेयरमैन टोनी जूनियर ने कहा कि, ''इस वर्ष इस शानदार पक्षी की रिकवरी में जो प्रगति हुई है वह बहुत उत्साहवर्धक है, इससे इस प्रजाति की स्थिति सुधरी है। इस वर्ष की सफलता के बाद भी अभी हमें बहुत काम करना है तभी ये सही प्रकार से रिकवर हो पाएंगे।'' वर्ष 2013 में हैन हैरियर प्रजाति के प्रजनन योग्य पक्षियों की आबादी इतनी कम हो गई थी कि एक भी चूजे का जन्म नहीं हुआ। वर्ष 2016 में 6 चूजे जन्मे थे, लेकिन, उसके बाद से उत्तरोत्तर संख्या बढ़ रही है। ब्रिटेन के परभक्षी पक्षियों में हैन हैरियर ही ऐसे हैं, जिनका बेइन्तहा शिकार हुआ है। मुर्गियों का शिकार करने की इनकी पुरानी आदत के कारण इन्हें हैन हैरिअर नाम मिला है। शूटिंग के लिए उपलब्ध तीतरों की संख्या पर इन पक्षियों का प्रभाव, मनुष्य व हैन हैरियर के बीच वर्तमान संघर्ष का कारण है, जिसके कारण यू.के. के कुछ भागों में इनके अस्तित्व को ही खतरा है। हैन हैरिअर नर, जहाँ हल्के सलेटी रंग के होते हैं वहीं मादा और अवयस्क पक्षी भूरे रंग के तथा लम्बी पूंछ व सफेद वाले होते हैं।

कांग्रेस ने राजस्थान का ''प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर'' अचानक क्यों बदला?

क्या इसका कारण है, पुराने पी.आर.ओ. संजय निरुपम, मु.मंत्री का दवाब बर्दाश्त नहीं कर पाये, और अध्यक्ष के चुनाव में वोट करने वाले लोगों की लिस्ट में गहलोत समर्थकों का एकाधिकार सा हो गया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। राजस्थान में कांग्रेस के प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर (पी.आर.ओ.) संजय निरुपम ने इस्तीफा दे दिया है और उनके स्थान पर गुजरात से जिला प्रमुख, ए.पी.आर.ओ. राजिन्दर सिंह को पी.आर.ओ. बनाया गया है।

जहाँ निरुपम के जाने के कारण ज्ञात नहीं हैं, वहीं स्पष्ट रुप से यह तो पता है कि, निरुपम ऐसे वातावरण में पी.सी.सी. प्रतिनिधियों की संतुलित सूची सुनिश्चित नहीं कर सकते, जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हर किसी के साथ धेंगा धेंगी कर रहे हैं, खास तौर पर सचिन पायलट के साथ, जिनके समर्थकों को लिस्ट में स्थान नहीं मिला है और गहलोत ने सूची में अपने समर्थक भर दिए हैं।

रोचक बात है कि, पी.सी.सी. डैलिगेट्स, जो कांग्रेस अध्यक्ष के लिए वोट करेंगे, की लिस्ट ना तो पी.सी.सी. अध्यक्ष और ना ही सैन्ट्रल इलैक्शन अथॉरिटी ने जारी की है।

- **हालांकि, अभी इन पी.सी.सी. डैलिगेट्स की सूची अधिकृत रूप से जारी नहीं हुई है, तथा जिन्हें डैलिगेट नियुक्त किया गया है, उन्हें टेलीफोन से सूचना दी जा रही है।**
- **उदाहरण के लिये, मेवाड़, जहां 28 विधानसभा सीटें हैं, वहां से केवल एक पायलट समर्थक को ही डैलिगेट बनाया गया है।**

जिन लोगों को नियुक्त किया गया है उन्हें फोन पर सूचना दी जा रही है कि उन्हें प्रतिनिधि बनाया गया है। पी.सी.सी. डैलिगेट्स की एक मीटिंग कल जयपुर में बुलाई गई है, जहाँ उन्हें पहचान पत्र दिए जाएंगे, जिसके आधार पर वो वोट कर सकेंगे।

मेवाड़ क्षेत्र में, जहाँ 28 विधानसभा सीटें हैं, केवल एक पायलट समर्थक को पी.सी.सी. डैलिगेट बनाया गया है।

बाकी पूरी लिस्ट में अशोक गहलोत समर्थक एवं कुछ अन्य नेता हैं।

सोनिया एवं प्रियंका गाँधी आज सुबह इटली से वापस आ गईं। अब यह उम्मीद की जा रही है कि राजस्थान के मोर्चे पर कुछ एक्शन होगा, क्योंकि सोनिया गांधी को राज्य की गुत्थी सुलझानी होगी, जिसमें अशोक गहलोत किसी भी सूरत में पायलट के साथ सत्ता में साझेदारी करने को तैयार नहीं हैं।

राजस्थान में फैली अव्यवस्था और सत्ता के लिए गहलोत का लालच कांग्रेस पार्टी के लिए शुभ संकेत नहीं है, ऐसे में जबकि पार्टी लगातार नीचे की तरफ जा रही है और नेतृत्व राज्य इकाई में व्याप्त अवयवस्था से निपटने में असमर्थ है।

चीन व रूस के संबंधों में गर्माहट कुछ कम हुई

पर, भारत को कुछ लाभ ही हुआ, कुछ खोया नहीं समरकंद में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। समरकन्द शिखर सम्मेलन की मीटिंगों में भाग लेने वाले तीन प्रमुख भागीदारों- भारत, रूस और चीन के बीच कूटनीतिक संबंधों की बदली हुई रूपरेखाएं सामने आई हैं।

रूस और चीन के बीच के रिश्तों में कुछ-कुछ खटास आ गई है, जबकि चीन और भारत एक-दूसरे के प्रति अभी भी शंकाओं से भरे हुये हैं तथा एक-दूसरे के साथ सीधे सम्पर्कों से बच रहे हैं। इस बीच, भारत ने रूस को कह दिया है कि ''अब युद्ध के लिये कोई समय नहीं है।''

जो भी है, यूक्रेन युद्ध अब रूस के लिहाज से एक विनाशकारी रूप ले चुका है तथा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को यूक्रेन की उलझन से बचने का रास्ता पाने में मुश्किल आ रही है। लेकिन उन्होंने शान्ति-वार्ताओं की प्रक्रिया की पहल का भार यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर ज़ैलेन्स्की के सिर पर डाल दिया है तथा शिकायत के लहज़े में कहा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वार्ता आयोजित करने से बच रहे हैं।

रूस और चीन के बीच पहले वाला सौजन्य और सौहार्द, जो यूक्रेन पर रूसी हमले के पहले घोषित ''असीमित मित्रता'' के रूप में व्यक्त किया गया था, अब समाप्त हो चुका है। समरकन्द सम्मेलन से चीन और रूस के दूरी बनने का मौसम शुरु हो जायेगा तथा उनकी घोषित मित्रता के बीच उदासीनता एवं रूखापन दिखाई देने लगेगा।

शी जिनपिंग के साथ हुई मीटिंग के बाद, रूसी राष्ट्रपति ने खुलकर स्वीकारा कि ''वे समझते है कि यूक्रेन युद्ध तथा उसके परिणामों को लेकर चीन के मन में कुछ प्रश्न तथा चिन्ताएं हैं। रूस, चीन से वह समर्थन एवं सहयोग हासिल करने में विफल रहा है, जिसकी उसे इस समय सख्त जरूरत है।

दूसरी तरफ, चीन यह महसूस कर रहा है कि रूस को दिया गया उसका शुरुआती समर्थन एवं सहयोग एक अपात्र देश को दिया गया समर्थन था क्योंकि रूस अब वैश्विक परिदृश्य बिल्कुल अलग-थलग पड़ गया है तथा

- **रूस को निराशा है कि, चीन से वह समर्थन नहीं मिला जिसकी उसको अभी खास जरूरत थी।**
- **चीन मन मसोस रहा है कि, रूस से असीमित संबंधों के नारे के कारण वह यूरोपिय देशों से कट गया।**
- **इस कमजोरी के कारण चीन की साउथ चाईना सी, ताईवान व भारतीय सीमा पर धींगा मस्ती बंद हुई।**
- **पर, भारत राजनीतिक संबंधों में संतुलन बनाकर बिना कुछ खोये सकुशल लौट आया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपाध्याय को नोटिस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली भाजपा ने नेता तथा वकील अश्विनी उपाध्याय को उस जमीअत उलेमा-ए-हिन्द द्वारा दायर पी.आई.एल. पर नोटिस जारी किया। जमीअत ने उपाध्याय द्वारा वक्फ एक्ट की वैधता सवाल उठाने के लिए दायर की गई याचिका के खिलाफ याचिका दायर की गई है। इस पी.आई.एल. में माँग की गई है कि उपाध्याय की याचिका को, मिसाल के रूप में जुर्माना लगाते हुये, खारिज किया जाये क्योंकि उन्होंने गलत बयानों तथा गलत इरादों से अदालत को गुमराह किया है।

न्यायमूर्ति सतीश चन्द्र शर्मा तथा सुब्रमण्यम प्रसाद की डिविज़न बैंच ने उपाध्याय को निर्देश दिये हैं कि वे जमियत की अर्जी का जवाब 4 नवम्बर तक प्रस्तुत करें, जिस दिन होने

- **वक्फ एक्ट के खिलाफ याचिका दायर करने के कारण दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा के वकील अश्विनी उपाध्याय को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने यह नोटिस जमीअत उलेमा-ए हिंद की याचिका पर दिया है।**

वाली सुनवाई के लिये याचिका सूचीबद्ध की गई है।

जमीअत ने कहा कि ये वही उपाध्याय हैं जिन्होंने पहले भी सारहीन पी.आई.एल. लगाई हैं तथा उनका अभिप्राय गूढ़ एवं गुप्त है।

इस याचिका में कहा गया है कि ''कम से कम दो अवसरों पर, स्वयं माननीय सी.जे.आई. ने उन्हें सारहीन याचिकाएं दायर करने को लेकर फटकार लगाई है। याचिका में कहा गया है कि उन्होंने ऐसी अनगिनत याचिकाएं दायर की हैं, जिनमें भारत के मुस्लिमों से संबंधित लगभग सभी सिविल कानूनों को चुनौती दी गई है तथा उन्होंने याचिकाओं को मुस्लिम समुदाय को परेशान करने का साधन बना लिया है।

जमीअत ने दलील दी है कि उपाध्याय ने इस याचिका में यह गलत बात जानबूझकर कही है कि चाहे गये आदेशों से केन्द्र के भी प्रभावित होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक व तमिलनाडू में ई.डी. का बड़ा छापा

चालीस ठिकानों में एक साथ हुई इस रेड पर काफी राजनीतिक कयास बाजी हो रही है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। शराब या कहें शराब घोटाला, जो दिल्ली में शुरु हुआ था, अब दो तेलुगू भाषी राज्यों तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में पहुंच गया है। संयोग की बात है कि दक्षिण भारत के इन दोनों राज्यों में भाजपा अपने कदम जमाने की कोशिश कर रही है।

इन दोनों राज्यों से लोकसभा के 42 सांसद चुने जाते हैं और 2019 के लोकसभा चुनावों में यहां से भाजपा के मात्र चार सांसद चुने गये थे।

एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की टीमों ने चार राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडू में 40 पर जगहों सोमवार सुबह रेड की ओर तलाशी ली। इनमें वाय.एस.आर. कांग्रेस पार्टी के प्रभावशाली सांसद मागुन्ता श्रीनिवासुला रेड्डी से संबंधित परिसर शामिल हैं तथा टी.आर.एस. की एम.एल.सी. और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.सी.आर. की पुत्री के करीबी लोग शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार रेड और तलाशी देर रात तक जारी रह सकती है। शुक्रवार को जिनके यहां रेड डाली गई उनमें के.सी.आर. की पुत्री कविता का चार्टर्ड एकाउंटैंट भी शामिल है। अब कविता का नाम भी दिल्ली के शरब घोटाले में जुड़ गया है। कविता ने आरेपों से साफ इन्कार किया और कहा कि जो लोग

- **वाय.एस.आर. कांग्रेस के प्रभावशाली सांसद मगुन्ता रेड्डी के ठिकानों पर छापे का मकसद, भाजपा व तेलगु देशम पार्टी के बीच संभावित गठबंधन की पूर्व सूचना देना है।**
- **तेलंगाना के मु.मंत्री चन्द्रशेखर राव की पुत्री के प्रतिष्ठानों पर रेड को, दिल्ली की शराब नीति के घोटाले से जोड़ा जा रहा है।**
- **तेलंगाना व आंध्र प्रदेश से 42 सांसद निर्वाचित होते हैं, तथा भाजपा ने इनमें से कुल चार सीटें जीती थीं, 2019 के चुनाव में। भाजपा इन दोनों तेलगु भाषी प्रदेशों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिये काफी प्रयासरत है। क्या ये ई.डी. के छापे इसी प्रयास का अंग हैं?**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूरोप में दक्षिणपंथी हावी!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। स्वीडन में हुए संसदीय चुनावों में, बुधवार को दक्षिणपंथी पार्टियों के गठबंधन ने उल्लेखनीय जीत हासिल कर ली। इस मामूली सी जीत से यूरोपीय राजनीति में एक बदलाव आ गया।

- **एक के बाद एक, यूरोप के देशों में दक्षिणपंथी पार्टियां चुनाव में जीत हासिल कर रही हैं। हाल ही में स्वीडन में भी दक्षिणपंथी पार्टी, स्वीडन डैमोक्रैट्स दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है।**

स्वीडिश सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, जो सैन्टर-लैफ्ट पार्टी होने के साथ ही, वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन की प्रमुख पार्टी है, ने एक पार्टी के रूप में सर्वाधिक वोट प्राप्त किये, लेकिन उसे इतने वोट नहीं मिल सके कि सत्ता में बनी रहे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पी.सी.सी. डैलिगेट्स की सूची से सचिन पायलट समर्थकों को काटने और गहलोत समर्थकों को भरने का काम जमकर हुआ

जयपुर के 8 विधानसभा क्षेत्रों सहित पूरे राजस्थान में विधायक और विधायक प्रत्याशियों की मनमर्जी चली

जयपुर, 16 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के पीसीसी डैलिगेट्स को सीधे बताया जा रहा है कि उन्हें शनिवार को होने वाली पीसीसी की बैठक में आना है और सीधे तौर पर कोई सूची जारी नहीं की जा रही है। हालांकि अधिकांश नाम सबके सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद प्रदेश कांग्रेस की ओर से डैलिगेट्स की सूची जारी नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि, बड़े विवादों की स्थिति को देखते हुए इस सूची को जारी नहीं किया जा रहा है। वहीं दूसरा कारण यह भी बताया जा रहा है कि, कहीं किसी सदस्य ने यदि प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव लड़ने का मानस बना लिया, तो स्थिति अटपटी हो सकती है। इसी कारण पीसीसी की सूची को जारी करने के बजाय एक एक डैलिगेट को फोन करके सूचना दी गई है।

जो नाम निकल कर सामने आए हैं, उसमें एक बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि, इस बार सचिन पायलट समर्थकों को जहां से भी काटना था, वहां से काटने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे के लोगों को दूसरों के विधानसभा क्षेत्रों में अतिक्रमण करके डैलिगेट बनाया गया है। स्थिति यह रही कि, सचिन पायलट समर्थक राजेश चौधरी को भी टोंक जिले के उनियारा से पीसीसी डैलिगेट बनना पड़ा है, जबकि वह जयपुर ग्रामीण के झोटवाड़ा और फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के सशक्त दावेदार हैं। वहीं निर्दलीय विधायक खुद कांग्रेस के डैलिगेट नहीं बन सकते, इसलिए उन्होंने अपने परिवारजनों को पीसीसी डैलिगेट बनाकर एक ब्लॉक पर कब्जा बरकरार रखा है। टोंक जिले की चार विधानसभा क्षेत्रों की बात करें, तो टोंक और देवली-उनियारा को छोड़कर निवाई और टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र में भी सचिन पायलट समर्थकों को मौका नहीं मिल पाया है।

- **पी.सी.सी. ने सबसे सूची छुपाई, लेकिन डैलिगेट बनने वालों ने माला पहनकर बधाई पाई।**
- **जहां निर्दलीय विधायक हैं वहां कांग्रेस से चुनाव लड़ने वालों को भी मौका नहीं मिला।**

जहां तक जयपुर शहर के 8 विधानसभा क्षेत्रों की बात है तो, इनमें या तो विधायक और विधायक प्रत्याशी पीसीसी डैलिगेट बने हैं या उन्होंने अपने समर्थकों को मौका दिया है। जहां निर्दलीय विधायक बने हैं उन्होंने अपने परिवार के एक सदस्य को मौका दिया है तो दूसरे डैलिगेट के रूप में अपने कट्टर समर्थक को पीसीसी डैलिगेट बनाया है। एक विधानसभा क्षेत्र से 2 ब्लॉक में 2 डैलिगेट बनते हैं। जयपुर शहर के आठ विधानसभा क्षेत्रों में सांगानेर से पुष्पेंद्र भारद्वाज और मुमताज मुमताज मसीह, मालवीय नगर से अर्चना शर्मा और राजीव अरोड़ा, विद्याधर नगर से सीताराम अग्रवाल और नीमकाथाना से विधायक रहे रमेश खंडेलवाल, हवामहल से महेश जोशी और असगर अहमद, सिविल लाइन्स से प्रताप सिंह खाचरियावास और मनोज मुद्गल, आदर्श नगर से विधायक रफ़ीक़ खान डैलिगेट बने हैं। वहीं दूसरे ब्लॉक से उन्होंने बड़े व्यापारी मुकुंद गोयल को मौका दिया है। किशनपोल से विधायक अमीन कागजी और आर आर तिवाड़ी और बगरू से गंगा देवी और पूर्व राज्यसभा सांसद अश्क अली टाक पीसीसी डैलिगेट बने हैं।

जयपुर नगर निगम की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, सांगानेर से प्रत्याशी रहे सुरेश मिश्रा, पूर्व मंत्री और वर्तमान में खादी बोर्ड के अध्यक्ष ब्रजकिशोर शर्मा, राजस्थान बिहपुर बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा, विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुशील शर्मा और गिरिराज गर्ग को इस बार पीसीसी डैलिगेट के तौर पर जयपुर से कहीं भी मौका नहीं दिया गया है।

जहां तक जयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों की बात की जाए तो, आमेर से प्रशांत सहदेव शर्मा और जसवंत गुर्जर, झोटवाड़ा से अशोक शर्मा और रेखा कटारिया, चौमूं से पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी तथा ललित तुनवाल, फुलेरा से विद्याधर चौधरी और स्वर्णिम चतुर्वेदी, बस्सी से सुरेंद्र सिंह राजावत और गिर्राज शर्मा, दूदू से जितेश चौधरी और निर्दलीय विधायक बाबूलाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वैवाहिक बलात्कार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उन याचिकाओं पर केन्द्र को नोटिस जारी कर दिया, जिनमें दिल्ली उच्च न्यायालय के उस विखंडित फैसले को चुनौती दी गई थी जो उसने विवाहित दुष्कर्म के क्रिमिनलाइजेशन पर दिया

- **वैवाहिक बलात्कार को अपराध माने जाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से जवाब मांगा।**

था। इसकी अगली सुनवाई अगले वर्ष फरवरी में होगी।

दिल्ली उच्च न्यायालय के दो जजों- न्यायमूर्ति राजीव शकधर तथा सी. हरिशंकर ने परस्पर विरोधी फैसले दिये थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

त्योहारी सीजन में कारोबार को मिलेगी संजीवनी

देश में त्योहारी सीजन का आगाज़ शुरू हो चुका है। आगामी दिनों में एक के बाद एक त्योहार आने है। उम्मीद की जा रही है इस बार बाजार में दशहरा और दीपावली तक बेहतर रौनक बनी रहेगी। गणेश चतुर्थी पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की ब्रिकी से बाजार गुलज़ार हुआ है उससे साफ अंदाजा लगा सकते हैं कि आने वाले सभी त्योहारों पर खरीदारी के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं। इसी के साथ कारोबार ने रफ्तार पकड ली है। लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। दुकानें ग्राहकों से गुलजार होने लगी है। बाजारों में चहल पहल व भीड़-भाड़ देखने को मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढा हुआ है। दो वर्ष करोना से प्रभावित रहा। अब कोरोना लगभग खत्म हो गया है। सरकार ने भी बंदिश हटा ली हैं। कोविड की वजह से कारोबारियों को भारी नुकसान हुआ था, जिसकी भरपाई कारोबारियों को त्योहारी सीजन में होने की उम्मीद है। कोरोना से सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए केंद्र सरकार ने अपने प्रयास प्रारम्भ किए हैं। अगस्त महीने में सरकार को 1.43 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी कलेक्शन हुआ है जो कारोबार के लिए उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। कोरोना के कारण देश की अर्थव्यवस्था की हालत खराब है। यह डिमांड और सप्लाई, दोनों तरफ से प्रभावित है। ऐसे में डिमांड को बूस्ट करने के लिए सरकार की तरफ से छोटे-छोटे और प्रभावी उपाय किए जा रहे हैं। सौ साल में आई सबसे बड़ी महामारी के बीच भारत की अर्थव्यवस्था फिर से गति पकड़ रही है। यह हमारे आर्थिक फैसलों और हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद का प्रतिबिंब है। अब सरकार त्योहारी मौसम में अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खोलने और उसे बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है जो स्वागत योग्य है।

गणेश चतुर्थी से त्योहारी सीजन में बाजार में रौनक लौट रही है। इससे दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं। दो साल के कोरोना संकट के कारण आर्थिकमंदी से जूझ रहे बाजार में व्यापार की उम्मीद बढ़ी है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी सीजन की शुरुआत से इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, ऑटो मोबाइल, सराफा बाजार में ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। देशभर में पर्यटन क्षेत्र फिर से पटरी पर लौटने लगा है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की बढ़ती संख्या से न केवल इन स्थलों की रौनक बड़ रही है बल्कि अच्छा कारोबार होने से कारोबारियों के चेहरों पर चमक देखने को मिल रही है। पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

त्योहारी सीजन में हमारे देश में सुख दुःख की बयार एक साथ बहती है जिसमें डूब कर लोग परम पिता परमेश्वर से खुशहाली की कामना करते है। लोकमंगल के इस सीजन में बच्चे से बुजुर्ग तक खुशियां बांटते है। भारत त्योहारों का देश है। त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बुनियाद को मजबूत बनाने और समाज को जोड़ने का काम करते हैं।

अच्छा कारोबार होने से सभी कारोबारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा। नवरात्रि सहित इस त्योहारी सीजन में एक दर्जन बड़े त्योहार और व्रत आते है जिसमें देशवासी उमंग और उत्साह के साथ शामिल होकर अपनी खुशियों का इजहार करते है।

यह त्योहारी सीजन हालाँकि महंगाई की मार से उपभोक्ताओं को राहत भरा नहीं है। त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ही बाजार और ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स पर ऑफर्स की बहार आ गई है। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं।

सरकारी बैंकों सहित कई कम्पनियाँ और निर्माता उपभोक्ताओं को लुभावनी छूट से भी लाभान्वित कर रहे है। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए ये सेल शुरू हुई है। दुकानदारों ने भी आकर्षित ढंग से दुकानों को सजाना शुरू कर दिया है, ताकि अच्छा व्यापार हो सके। खुदरा व्यापारी ऑनलाइन सेल का विरोध कर रहे है और अपने व्यापार के चौपट होने की दुहाई दे रहे है मगर उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे है। उन्हें बाजार की धकमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

त्योहारी सीजन धोखे और ठगी से अछूते नहीं है। साइबर क्राइम भी चरम पर है। आये दिन लोगों के बैंक खातों से पैसे निकल जाने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। चोर उचके भी त्योहारी सीजन का इंतजार करते है। लोग त्यौहार की खरीददारी में व्यस्त हो जाते है तो ऑनलाइन ठग भी अपनी कारिस्तानी से बाज नहीं आते जिसमें न चाहते भी लोग थोड़े से लालच में आ कर फंस जाते है। इसलिए कहा जाता है सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इसी दुर्घटना से बचने के लिए समझदारी और सजगता की जरुरत है।

कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स के मुताबिक गणेशोत्सव से दीपावली तक देशभर में 9 से 10 हज़ार करोड़ रूपये के खुदरा कारोबार की उम्मीद है। इसमें ऑनलाइन बिक्री के आंकड़े शामिल नहीं है। इस दौरान अर्थव्यवस्था में भी आशानुरूप उछाल देखने को मिला है। वर्ष 22 - 23 की प्रथम तिमाही में देश की जीडीपी की ग्रोथ रत 13.5 प्रतिशत ब्रह्य है अर्थव्यवस्था में मज़बूती से बाजार को सुदृढ़ीकरण की आश जगी है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के बाज़ारों के गुलज़ार होने की उम्मीद है।

त्योहारी सीजन में हमारे देश में सुख दु:ख की बयार एक साथ बहती है जिसमें डूब कर लोग परम पिता परमेश्वर से खुशहाली की कामना करते है। लोकमंगल के इस सीजन में बच्चे से बुजुर्ग तक खुशियां बांटते है। भारत त्योहारों का देश है। त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बुनियाद को मजबूत बनाने और समाज को जोड़ने का काम करते हैं। गरीब से अमीर तक त्योहारों की खुशियों में खो जाते है। अब त्योहारी सीजन शुरू हो गया है तो देशवासी महंगाई की बेरहम मार के बावजूद त्योहारों को हंसी खुशी से मनाने में जुट गए है। लोगों को उम्मीद है कारोबार को पंख लगने से देश की अर्थव्यवस्था भी सुधरेगी।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

राशिफल शनिवार 17 सितम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, रोहिणी नक्षत्र दिन 12:21 तक, सिद्धि योग रविवार प्रात: 6:33 तक, बव करण दिन 2:51 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:44 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 12:21 तक है। रवियोग दिन 12:22 तक बना रहेगा। द्विपुष्कर योग दिन 12:21 से दिन 2:15 तक है। आज आश्विन संक्रांति सूर्य कन्या में प्रवेश प्रात: 7:22 पर करेगा। पूण्य काल दिन 1:46 तक है। आज रोहिणी व्रत है और महालक्ष्मी व्रत समाप्त होंगे। आज कालाष्टमी, विश्वकर्मा पूजा है और चेहलम मु. है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:48 से 9:19 तक, चर 12:21 से 1:53 तक, लाभ-अमृत 1:53 से 4:55 तक।
राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:26

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक अड़चनें अभी बनी रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यक्तिगत कार्य के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

(17 सितंबर - रामास्वामी पेरियार जयंती)

गरीबों, शोषितों एवं दलितों के मसीहा थे राष्ट्रवादी राजनेता ई.वी. रामास्वामी पेरियार

ई.वी. रामास्वामी पेरियार तमिल राष्ट्रवादी राजनेता, समाज सुधारक, गरीबों, शोषितों एवं दलितों के मसीहा थे। उनके प्रशंसक उन्हें आदर के साथ 'पेरियार' संबोधित करते थे। उन्होने 'आत्म सम्मान आन्दोलन' प्रारंभ किया जिसे 'द्रविड़ आन्दोलन' कहा जाता है। उन्होंने जस्टिस पार्टी का गठन किया जिसे 'द्रविड़ कड़गम' पार्टी कहा जाता है।

पन्नलाल मेघवाल

ई.वी. रामास्वामी पेरियार का पूरा नाम इरोड वेंकट नायकर रामास्वामी पेरियार था। उनका जन्म 17 सितंबर 1879 को इरोड, तमिलनाडु में एक परम्परावादी सम्पन्न हिन्दू परिवार में हुआ। उनके पिता वेंकतप्पा नायडू एक धनी व्यापारी थे। वे सन् 1885 में इरोड प्राथमिक विद्यालय में पाँच साल की प्राथमिक शिक्षा के बाद पिता के व्यवसाय से जुड़े। उन्होंने इरोड के नगर निगम के अध्यक्ष पद पर कार्य करते सामाजिक उत्थान कार्यों को बढ़ावा दिया।

रामास्वामी पेरियार सन् 1904 में काशी यात्रा के दौरान एक दिन भूख लगने पर ब्राह्मणों के लिए नि:शुल्क भोजन पंडाल पर गए। वहां उन्हें धक्का मारकर निकाला और अपमानित किया। उसके बाद में वे रुढ़िवादी हिन्दुत्व के घोर विरोधी हो गए। इसके बाद उन्होंने किसी भी धर्म को नहीं स्वीकारा और आजीवन नास्तिक रहे।

■ ब्राह्मणों के निःशुल्क भोजन पंडाल से धक्का मारकर निकालने पर वे रुढ़िवादी हिन्दुत्व के घोर विरोधी हो गए

उन्होंने सन् 1916 में राजनैतिक संस्था 'साउथ इंडियन लिबरेशन एसोसिएशन' की स्थापना की। इसका उद्देश्य था ब्राह्मण समुदाय के आर्थिक एवं राजनैतिक शक्ति का विरोध तथा गैर-ब्राह्मणों का सामाजिक उत्थान करना। यह संस्था बाद में 'जस्टिस पार्टी' बन गयी।

सन् 1919 में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की पहल पर वे कांग्रेस के सदस्य बने। उन्होंने असहयोग आन्दोलन में भाग लिया और गिरफ्तार हुए। सन् 1922 के तिरुपुर सत्र में वे मद्रास प्रेसीडेंसी कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बने। उन्होंने सरकारी नौकरियों एवं शिक्षा क्षेत्र में आरक्षण की वकालत की। सन् 1925 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी।

केरल कांग्रेस नेताओं के आग्रह पर पेरियार ने वैकोम आन्दोलन का नेतृत्व किया। यह आन्दोलन मन्दिरों की ओर जाने वाली सड़कों पर दलितों के चलने पर रोक के विरुद्ध था। इस आन्दोलन में उनकी पत्नी और मित्रों ने भी उनका साथ दिया।

पेरियार और उनके समर्थकों ने समाज से असमानता कम करने के लिए अधिकारियों और सरकार पर सदैव दबाव डाला। 'आत्म सम्मान आन्दोलन' का मुख्य उद्देश्य गैर-ब्राह्मण द्रविड़ों को उनके सुनहरे अतीत पर अभिमान कराना था। पेरियार ने 'आत्म सम्मान आन्दोलन' के प्रचार-प्रसार पर पूरा ध्यान केन्द्रित किया। आन्दोलन के प्रचार के लिए सन् 1925 में तमिल साप्ताहिकी 'कुडी अरासु' एवं सन् 1928 में अंग्रेजी जर्नल 'रिवोल्ट' का प्रकाशन प्रारंभ किया।

ई.वी. रामास्वामी पेरियार

सन् 1944 में पेरियार ने जस्टिस पार्टी का नाम बदलकर 'द्रविड़ कड़गम' कर दिया। द्रविड़ कड़गम का प्रभाव शहरी लोगों और विद्यार्थियों पर था। ग्रामीण क्षेत्र भी इसके सन्देश से अछूते नहीं रहे। हिंदी-विरोध और ब्राह्मण रीति-रिवाज़ और कर्म-कांड के विरोध पर सवार होकर द्रविड़ कड़गम ने तेज़ी से पाँव जमाये। द्रविड़ कड़गम ने दलितों में अश्पृश्यता के उन्मूलन के लिए संघर्ष किया और अपना ध्यान महिला-मुक्ति, महिला शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर केन्द्रित किया।

ई.वी. रामास्वामी आजीवन रुढ़िवादी हिन्दुत्व का विरोध करते रहे। उन्होंने बाल विवाह एवं देवदासी प्रथा का विरोध किया वहीं विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया। उन्होंने महिलाओं एवं दलितों के शोषण तथा जाति व्यवस्था का खुलकर विरोध किया। उन्होंने भारतीय समाज के गरीब, शोषित एवं दलित वर्ग के लिए आजीवन कार्य किया।

उन्होंने तर्कवाद, आत्म सम्मान एवं महिला अधिकारों के लिए जीवन भर संघर्ष किया। वे जाति प्रथा के घोर विरोधी थे। उनके कार्यों से भारतीय समाज खासतौर पर तमिल समाज में बहुत परिवर्तन आया और जातिगत भेद-भाव बहुत हद तक कम हुआ।

यूनेस्को ने एक उद्धरण में उन्हें अज्ञानता, अंधविश्वास एवं रूढ़िवादिता का विरोधी, नए युग का पैगम्बर, दक्षिण पूर्व एशिया का सुकरात एवं समाज सुधार आन्दोलन का पितामह कहा था।

- पन्नलाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

लम्पी से मरी गाय को गरीब मजदूर ने खुद के खर्चे से दफनाया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। ग्राम पंचायत रामसिंहपुरा के गांव नासरपुर में लंपी बीमारी की चपेट से गरीब मजदूर संजय नायक की गाय सरकारी इलाज के बिना मर गई । विकास अधिकारी बहरोड़ को सूचना देने पर बोले ओलंपिक में बिजी हूं कागजों पर हस्ताक्षर कर रहा हूं कहकर फोन काट दिया तथा सेक्रेटरी पंचायत समिति बहरोड़ व पशु चिकित्सा विभाग की तरफ से भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा।

लंबे समय से निरंतर परेशान होने के बाद गरीब मजदूर ने साहूकार से 2000 उधार लेकर लंपी रोग से मरी गौमाता का रीति रिवाज अनुसार ही

■ प्रशासन को सूचना के बाद भी कोई नहीं पहुंचा

परिजनों के साथ मिलकर अपने खर्चे से ही जेसीबी बुलाकर जोहड में गड्ढा खुदवाकर दबाया गया। गौरतलब है कि 16 सितम्बर को ही चिकित्सा मंत्री राजस्थान सरकार को ज्ञापन के माध्यम से मर रही गरीब मजदूरों की गायों के मुआवजे के लिए उपखंड अधिकारी बहरोड को अवगत कराया गया है।

ग्राम नासरपुर में संक्रमित गाय को दफनाते मजदूर परिवार।

साठ लाख की लागत से बनी पानी की टंकी 30 साल से नकारा

सूरौठ, (निसं) । तहसील के निकटवर्ती ग्राम पंचायत जटवाड़ा मुख्यालय पर 3 दशक पूर्व सरकार के द्वारा साठ लाख खर्च करके बनाई गई15000 लीटर की क्षमता वाली पेयजल टंकी की सुविधा से ग्रामीण 30 वर्ष बाद भी वंचित हैं।

गांव के राजगिरीश सहारिया पूर्व सरपंच शांति देवी शर्मा सत्येंद्र गंधार सौरभ सहारिया संजय डागुर ओम चौधरी राजेश गंधार आदि ग्रामीणों ने बताया है कि 3 दशक पूर्व सिद्धेश्वर

■ विभाग की लापरवाही की वजह से पाइप लाइनों से घरों को नहीं जोड़ा गया

की पहाड़ी की तलहटी में बनाई गई पेयजल की टंकी को विभाग की लापरवाही की वजह से पाइप लाइनों से घरों को नहीं जोड़ा गया जबकि पूरी गांव के प्रमुख मार्ग में अंडर ग्राउंड सीमेंटेड पाइप लाइन बिछाई गई और टंकी को भरने के लिए नलकूप लगवाए गए ।

30 वर्ष बाद भी नल से जल टपकने का सपना ग्रामीणों का आज तक साकार नहीं हो पाया है। गौरतलब है कि हालांकि पेयजल टंकी को ग्रामीणों द्वारा प्रतिदिन पानी से भरा जाता है लेकिन आमजन को टंकी के पानी की सुविधा नहीं मिल पा

रही है वर्तमान स्थिति में ग्रामीणों के द्वारा निजी खर्चे से अपने घरों से लेकर टंकी तक लोगों की छतों एवं पेड़ों में अधर हवा में नली बांधकर पानी की अस्थाई सुविधा कर रखी है ।

ग्रामीणों ने पिछले 30 सालों से लग रहे प्रशासन गांव के संग अभियानों में एवं पूर्व सांसद और वर्तमान सांसद पूर्व विधायक वर्तमान विधायक एवं ग्राम पंचायत से लेकर मुख्यमंत्री तक इस समस्या की शिकायत की है लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है ।

बुहाणा की बेटी मंजुला उत्तर प्रदेश की हायर जुडिशियल सर्विस एग्जाम को टॉप कर जज बनी

बुहाना, (निसं)। तहसील क्षेत्र के ढाणी भालोठ गांव की बेटी मंजुला भालोठिया ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा में टॉप किया व पहला स्थान प्राप्त कर जज बनीं। मंजुला इस समय हरियाणा रोडवेज के जींद डिपो में बतौर एडीए कार्यरत हैं। 12 सितंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा घाषित परिणाम के 31 अभ्यार्थियों की सूची में मंजुला का नाम टॉप में है। मंजूला की शादी हरियाणा में हुई है और उन्होनें यूपी में टॉप किया है।

यूके से एमबीए किया:- मंजुला भालोठिया वैसे तो जयपुर में ही पली-पढ़ी हैं। मंजुला ने 2003 में साफिया कॉलेज अजमेर से इकोनॉमिक्स ऑनर्स से किया। वह वहां से पढ़ने के लिए लंदन चली गई। जहां उन्होंने 2005 में लीड्स बिजनेस स्कूल से एमबीए किया। 2009 में उनकी मुलाकात सुमित अहलावत से हुई। दोनों ने शादी कर ली। इसके बाद उन्होंने राजस्थान से

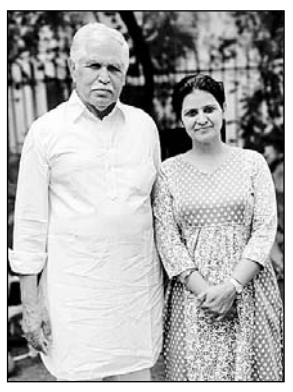

पिता के साथ बेटी मंजुला

एलएलबी की पढ़ाई की। शादी के बाद मंजुला भगत सिंह फूल सिंह विश्वविद्यालय खानपुर सोनीपत से एलएलएम की है।

पिता धर्मसिंह भालोठिया बताते हैं कि मंजुला पढ़ाई में शुरू से ही अव्वल रहती थी। वर्ष 2009 में शादी करने के बाद भी पढ़ाई नहीं छोड़ी।

घरों में कैद है गुगन की ढाणी का मेघवाल समाज

शिमला, (निसं)। बुहाना की गुगन की ढाणी का मेघवाल समाज घरों में कैद हैं। मेघवाल समाज के लोगों के लिए घर से बाहर निकलने तक का रास्ता नहीं है। 70 साल से प्रचलित रास्ते को रसूखदार किसान ने बंद कर दिया जिसे लोग आने जाने के लिए उपयोग कर रहे थे।

वृद्ध श्योराम सिंह ने बताया कि आजादी के बावजूद भी हम खुली सांस नहीं ले पा रहे है। कहीं से भी कोई साधन आना तो दूर की बात पैदल चलकर आना भी संभव नहीं है। समाज के लोगों ने सरपंच से लेकर जिला कलेक्टर व मुख्यमंत्री तक गुहार लगाई लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। यही नहीं इस ढाणी में प्राथमिक स्कूल भी है। जिसमें बच्चे अध्ययनरत हैं। लेकिन उस स्कूल में जाने का भी कहीं कोई रास्ता नहीं है। बच्चे व अध्यापक नुकीले तारों की बाड़ में से निकल कर के स्कूल बड़ी मुश्किल से पहुंचते हैं।

स्कूल के शिक्षक एवं छात्र तथा पोषाहार एवं पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो रही है। इस ढाणी के लिए 23 वर्ष पूर्व सरकार ने राजकीय

दलित परिवार के घर जाने का आम रास्ता जिसे कटीले तार लगाकर बंद कर दिया गया है।

प्राथमिक विद्यालय खोला था। जिसका रास्ता बुहाना से ढाणी के लिए प्रचलित रास्ता आवागमन के लिए प्रयोग में था। इस बारे में शिक्षकों ने सीबीईओ बुहाना एवं तहसीलदार बुहाना को कई बार अवगत करवाया परंतु स्थित जस की तस बनी हुई है।

23 वर्ष पूर्व गुगन राम मेघवाल के पुत्र रामकुमार ने भूमि राज्य सरकार को विद्यालय के लिए दान की थी। जिसका राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हो गई। परंतु विद्यालय का रास्ता काटानी में नहीं बदला। जिससे यह नासूर बन गया। पूर्व सैनिक श्योराम मेघवाल, वीरेंद्र मेघवाल, विजय, सत्यवीर

■ 70 साल से प्रचलित रास्ते को रसूखदारों ने किया बंद

तुंदवाल, शैलेंद्र, अमित, जयवीर, रतिराम, अजय, श्रीराम, महेश, योगेश, रघुवीर, धनपति, बसंती, धापली, सरिता, मंजू, विजेता, उर्मिला, सोनू, उर्मिला देवी, पूजा, चांदनी, एकता, रेखा, प्रिया, मनीषा आदि ने बताया कि हमारे पूर्वज 70 साल से यहां बस रहे हैं। हमारे बुहाना आने जाने का यही रास्ता प्रचलित था जो अब बंद हैं। अगर ढाणी में कोई बीमार हो जाए तो उसको ले जाने के लिए कोई वाहन नहीं लाया जा सकता चाहे वह दम तोड दे। इस बारे में बुहाना एसडीएम एवं तहसीलदार को कई बार अवगत करवाया जा चुका है। परंतु कोई फायदा नहीं हुआ। अगर रास्ता नहीं खुलेगा तो संपूर्ण मेघवाल बस्ती के लोग जिला कलेक्ट्रेट पर आमरण अनशन शुरू करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों को लूटने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

खुद को सीआईडी में बताकर लोगों पर रौब जमाते और मारपीट कर नकदी छीनते थे

जयपुर (कासं)। पुलिस की वर्दी पहनकर मानसरोवर, प्रताप नगर और खोह नागोरियान में वारदात करने का प्रयास करने वाले शातिर चार बदमाशों को भांकरोटा पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस पकड़े गए बदमाशों से अन्य वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

डीसीपी (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया कि जयपुर शहर में कई जगह नकली पुलिस बनकर घरों में घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट व लूटपाट करने और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने के मामले सामने आए थे। इस पर पुलिस ने एडिशनल डीसीपी रामसिंह के नेतृत्व में टीम बनाई। इस टीम ने कार्रवाई करते हुए रतलाम मध्यप्रदेश निवासी भूरानाथ, अर्जुन नाथ, हेमन्त नाथ और उज्जैन मध्यप्रदेश निवासी दीपक नाथ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से 4 पुलिस बैच, मोनोग्राम लगी वर्दियां और दो बाइक बरामद की हैं।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में परिवादी कमलेश चौधरी ने थाने में मामला दर्ज करवाया। उसने बताया कि वह पुलिस मित्र भी है। 4 व्यक्ति राजस्थान पुलिस की वर्दी पहनकर सिरसी रोड पर उसकी चाय की दुकान पर आए। कमलेश ने जब उनसे पोस्टिंग के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि सीआईडी में हैं।

शक होने पर आरोपी वहां से भाग गए। इस पर उसने भांकरोटा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने पीछा कर नकली पुलिस बने चारों आरोपियों को दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी भूरा कालबेलिया पिछले 6-7 वर्षों से जयपुर में रहता है, उसकी जयपुर में गोनेर मोड पर झुग्गी है। आरोपी अर्जुन कालबेलिया वाटिका रोड रिंग रोड पर झुग्गी में रहता है। दीपक कालबेलिया अपने गांव धर्म बलड़ा म.प्र से 6-7 दिन पहले ही भूरानाथ के पास आया था और चौथा आरोपी हेमन्त भूरानाथ के साथ ही रहता है। वह गैस चूल्हा मरम्मत करने और कुर्सी कम्बल बेचने का काम करता हैं।

भांकरोटा थाना पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर घूम रहे चार बदमाशों को दबोचा।

पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि रुपयों की तंगी होने के कारण भूरानाथ ने साथी हेमन्त के साथ वर्दी खरीदी तथा अर्जुन और दीपक के साथ मिलकर पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों से रुपए ऐंठ लेने की प्लानिंग बनाई। जिसके लिए लगातार जयपुर शहर में पिछले 5-6 दिन तक सक्रिय होकर विभिन्न इलाकों में कई जगह रुपए भी ऐंठ लिए। बदमाशों ने योजना बनाकर पुलिस के बैच और मोनोग्राम लगे खाकी रंग की वर्दी पहनकर ऐसे घरों की जानकारी जुटाई, जहां महिलाएं अकेली रहती है। दिन में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक पुलिस की वर्दी पहनकर मोटरसाईकिलों पर सवार होकर तय शुदा घरों पर जाते और घर जाकर महिला जो घर पर मिलती, उसको सीआईडी पुलिस बताते।

लोगों से पूछताछ करते और उन्हें डर दिखाते। पूरे घर की तलाशी लेने का झांसा देकर महिलाओं से पैसे हड़प लेते। अगर कोई महिला विरोध करती तो वहां से भाग जाते। कई जगह आस-पडौसी व्यक्ति आ जाता तो उसे बहुरूपिया होने का नाटक कर देते। आरोपी पुलिस की वर्दी पहनकर कई जगह से रुपए ऐंठने का काम कर चुके है।

- सिरसी रोड पर चाय की थड़ी पर पहुंचे तो पुलिस मित्र ने पोस्टिंग के बारे में पूछा तो फंसे, भांकरोटा पुलिस ने पीछा कर दबोचा
- सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रैकी कर उन मकानों को चिन्हित करते, जहां महिलाएं अकेली होती

मंगलम सिटी में घुसे फर्जी पुलिसकर्मियों का 3 दिन बाद भी सुराग नहीं

जयपुर (कासं)। करधनी स्थित मंगलम सिटी में नकली पुलिसकर्मी बनकर महिला पर पिस्टल तानने वाले तीनों बदमाश अभी भी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। भांकरोटा पुलिस ने नकली पुलिसकर्मी बनकर घूम रहे जिन चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, उनका करधनी की वारदात से कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है। ऐसे में 3 दिन बाद भी करधनी पुलिस नकली पुलिसकर्मी व उसके तीन फरार साथियों को तलाशने में जुटी है। करधनी थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि नकली पुलिसकर्मी व अन्य बदमाशों को तलाश रहे है। दूसरे पुलिस थानों को भी अपडेट किया है। भांकरोटा पुलिस ने जिन चार फर्जी पुलिसकर्मियों को पकड़ा है, उनमें से कोई भी करधनी की वारदात में शामिल नहीं था।

सीवरेज के पानी से भरा हुआ टैंकर लेकर जेडीए मुख्यालय पहुंचे अशोक लाहोटी

सांगानेर क्षेत्र की जर्जर सड़कें और सीवरेज-ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने का प्लान 15 दिन में पेश करें जेडीए अधिकारी

सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने जेडीसी रवि जैन से मिलकर सांगानेर क्षेत्र की समस्या बताई।

जयपुर (कासं)। सांगानेर क्षेत्र की सीवरेज और ड्रेनेज समस्या से तंग आकर विधायक अशोक लाहोटी शुक्रवार सुबह जेडीए मुख्यालय में सीवरेज सेफ्टी टैंकर लेकर पहुंचे। लाहोटी और उनके समर्थकों ने करीब आधे घंटे तक जेडीए परिसर में नारेबाजी की और इसके बाद जेडीसी रवि जैन से मुलाकात कर अपने क्षेत्र की समस्या को जल्द से जल्द निस्तारित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी है कि 15 दिन के अंदर इस समस्या को कैसे ठीक किया जाए, इसका प्लान बनाकर जेडीए अधिकारी पेश करें, अन्यथा बड़ा आंदोलन करेंगे।

विधायक अशोक लाहोटी ने बताया कि सांगानेर में रामपुरा फाटक से मुहाना रोड केसर चौराहे तक मुख्य सेक्टर रोड (रामपुरा रोड) और उसके आसपास बसी करीब एक दर्जन कॉलोनियों की सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। इन कॉलोनियों में सड़कें, सीवरेज सुविधा और ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने से थोड़ी सी बरसात में सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता है। रोड पर इतना पानी भरा होता है कि लोगों का पैदल निकला तो दूर टू व्हीलर चलाना भी मुश्किल होता है। बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी होती है। लोग इसको लेकर कई बार जेडीए और नगर निगम के अधिकारियों को ज्ञापन देकर अपनी समस्या बता चुके है, लेकिन सरकार में उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। इससे परेशान होकर आज स्थानीय लोग यहां प्रदर्शन करने पहुंचे। विधायक ने बताया कि जेडीसी रवि जैन और इंजीनीयरों से मुलाकात करके उन्हें 15 दिन का समय दिया है। इस समय में इन एरिया की सड़कों को ठीक करने और ड्रेनेज सिस्टम को विकसित करने का प्लान बनाकर पेश करेंगे। मैं विधायक कोष से 50 लाख रु. देने के लिए तैयार हूं। इसके बाद भी अगर अफसरों ने लोगों की समस्या का समाधान नहीं किया तो वे अगले महीने एक नहीं बल्कि 10-15 टैंकर लेकर जेडीए पहुंचेंगे।

- मैं विधायक कोष से 50 लाख रुपए देने को तैयार हूं। अगर जेडीए के अफसरों ने हालात नहीं सुधारे तो अगले महीने 10-15 टैंकर लेकर जेडीए पहुंचेंगे : अशोक लाहोटी

सीकर-अजमेर-दिल्ली हाईवे को जाम करने वाले 84 लोग पुलिस हिरासत में

गुरूवार रात 12 बजे सैनी-माली व कुशवाह समाज के सैकड़ों लोगों ने 14 नंबर चौराहे पर किया था प्रदर्शन

जयपुर (कासं)। सीकर-अजमेर-दिल्ली हाईवे पर गुरूवार रात 12 बजे से लेकर शुक्रवार सुबह 4 बजे तक ट्रेफिक जाम करके बैठे रहे 84 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। जिन्हें दौलतपुरा, हरमाड़ा और विश्वकर्मा थाने में रखा गया है।

शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे लाठीचार्ज के बाद सैनी माली और कुशवाह समाज के लोग मुख्य मार्गो से हटा दिया गया। इससे पहले रात करीब 3 बजे तक समझाने का दौर चला, लेकिन समाज के लोग माने नहीं। उन्होंने रास्ता खोलने से मना कर दिया।

लोग सडक पर ही बिस्तर लगाकर सो गए। हालात बिगड़ते देख एडिशनल कमिश्नर अजयपाल लांबा और कैलाश विश्नोई भी देर रात मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने की कोशिश की। सुबह करीब साढे 4 बजे तक जब प्रदर्शनकारी नहीं माने तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ। इसमें सरकारी और निजी वाहनों को भी नुकसान पहुंचा।

ज्ञात रहे कि दरअसल सैनी-माली और कुशवाह समाज और राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड के हजारों कार्यकर्ता गुरुवार रात 11 सूत्री मांगों को लेकर जयपुर में सड़क पर उतर आए। सैकड़ों लोगों ने 14 नंबर चौराहे पर जाम लगा दिया।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई लाठी-भाटा जंग में कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए।

इससे सीकर, अजमेर-दिल्ली हाईवे जाम कर दिया। रात करीब साढ़े 12 बजे हाईवे पर वाहन थम गए। सूचना मिलने पर रिजर्व लाइन से दो बटालियन मौके पर भेजी गई। पुलिस देर रात तक लोगों को हटाकर ट्रेफिक क्लीयर कराती रही।

"अजियो" की सेल 16-25 सितंबर तक

जयपुर (कासं)। भारत का ऑनलाइन फैशन ई-रिटेलर 'अजियो' की ऑलस्टार सेल 16 से 25 सितंबर तक चलेगी। इसमें 3500 से ज्यादा टॉप इंडियन और इंटरनेशनल ब्रांड्स के 10 लाख से अधिक स्टाइल्स पर ग्राहकों को 50 से 90 प्रतिशत तक डिस्काउंट मिलेगा। अजियो मोबाइल एप पर पहली बार साइन अप करने वाले नए ग्राहकों को तत्काल 500 रुपये की छूट मिलती है। गूगल प्ले स्टोर व अन्य एप स्टोर से अजियो एप डाउनलोड किया जा सकता है। कंपनी अपने ग्राहकों को सुपर फास्ट डिलीवरी, डोर स्टेप रिफंड और ईजी एक्सचेंज जैसी सुविधाएं भी मुहैया कराती है। ज्ञात रहे कि 'अजियो' वेस्टर्न वियर, डेनिम, स्नीकर्स, एथलीजर और एथनिक वियर से जुड़े आइकॉनिक ब्रांड्स का डेस्टिनेशन है। इसके स्टार-स्टडेड ब्रांड लाइनअप पर एडिडास, नाइकी, सुपरड्राई, स्टीव मैडेन, लिवाइस, मार्क्स एंड स्पेंसर, अरमानी एक्सचेंज, मावी, रितु कुमार, डब्ल्यू, मसाबा और मुजी के प्रोडक्ट्स मिलेंगे। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर, वाणी कपूर, जिम सर्भ और बादशाह लेटेस्ट अजियो कैंपेन के स्टार कास्ट हैं, जो कि टीवी और डिजिटल मीडिया पर इस सेल का प्रमोशन कर रहे हैं।

जलदाय कर्मचारियों ने भैंस के आगे बीन बजाकर प्रदर्शन किया

नई भर्ती करने, ओवर टाइम बढ़ाने व नियमितिकरण जैसे मुद्दों को उठाया

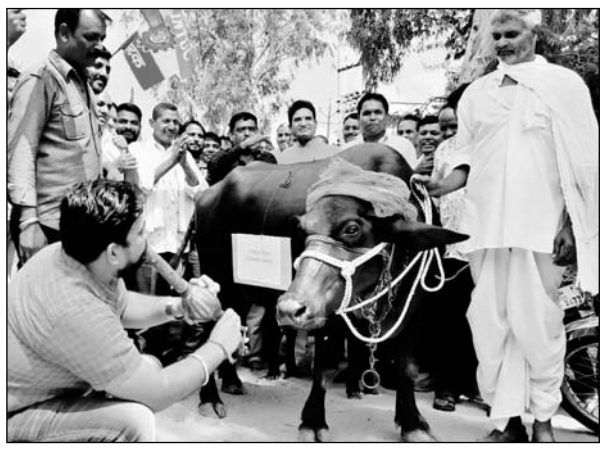

प्रांतीय नल-मजदूर यूनियन इंटक से जुड़े जलदाय कर्मचारियों ने भैंस के आगे बीन बजाकर विरोध-प्रदर्शन किया।

जयपुर (कासं)। प्रांतीय नल-मजदूर यूनियन इंटक से जुड़े जलदाय कर्मचारियों ने भैंस के आगे बीन बजाकर विरोध-प्रदर्शन किया। नई भर्ती, वर्कचार्ज कर्मचारियों के नियमितिकरण, ओवरटाइम राशि में बढ़ोतरी और पंप हाऊसों पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग प्रमुख थी।

जयपुर के परकोटे स्थित ब्रह्मपुरी स्थित एक्सईएन ऑफिस पर संगठन के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत और अन्य कार्मिकों ने भैंस के आगे बीन बजाई। इससे पहले भैंस को पहले साफा भी पहनाया और उसके बाद भर्ती की मांग को पोस्टर लगाया। इसके बाद एक्सईएन को ज्ञापन देकर समस्याओं को दूर करने की मांग उठाई।

संजय सिंह शेखावत ने बताया कि कर्मचारियों की लंबित मांगों के संबंध में जयपुर के प्रत्येक डिविजन स्तर पर विरोध-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे जा चुके है और आज भी यही किया है। जलदाय विभाग में कर्मचारियों की भर्ती नहीं होने से मौजूदा कर्मचारियों पर वर्कलोड बढ़ रहा है। सरकार न तो कर्मचारियों की भर्ती कर रही और न ही वर्कचार्ज कर्मचारियों को नियमित कर रही। इस कारण विभाग के कार्मिकों में राज्य सरकार के प्रति नाराजगी है।

सार-समाचार

जिलाध्यक्ष चुनाव में सामोता विजयी

जयपुर। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के जयपुर शहर जिला अध्यक्ष के चुनाव में महिपाल सामोता विजयी हुए हैं। जिला अध्यक्ष चुनाव के लिए गुरूवार को हुए मतदान में नर्सेज ने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मतगणना में महिपाल को 857 वोट मिले। वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंदी उम्मीदवार बने सिंह बंशीवाल को 430 मत प्राप्त हुए। समोता ने बंशीवाल को 427 मतों से हराया। जीत के बाद नवनिर्वाचित जयपुर जिला अध्यक्ष महिपाल सामोता ने सभी नर्सेज का धन्यवाद ज्ञापित किया। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम मीणा एवं अनुशासन समिति के चेयरमैन अशोक सपोटरा द्वारा शांतिपूर्वक मतदान के लिए जयपुर नर्सेज का आभार प्रकट किया। साथ ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री पवन सिंह जादौन, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बहादुर फौजदार आत्माराम मीणा, अजमेर जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष बत्ती लाल मीणा, महेंद्र कुडी, प्रहलाद मीणा, वेद प्रकाश वर्मा, उपाध्यक्ष राम रूप मंडलावत, लोकेश सिमडा, प्रदेश महासचिव सुभाष जाट व वरिष्ठ सलाहकार प्रमोद बजानिया सहित सैकड़ों नर्सेज मौजूद रहे।

रिश्वत लेते स्वास्थ्य निरीक्षक गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जयपुर ग्रेटर नगर निगम के स्वास्थ्य निरीक्षक को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। यह रिश्वत पूर्व में अनुपस्थित रहे कर्मचारी की उपस्थिति दिखाकर पूरे माह का वेतन बनाने और इस माह की अनुपस्थिति पर नोटिस दिलवाकर इस कार्रवाई को सर्विस बुक में इन्द्राज नहीं करने की एवज में ली जा रही थी। एसीबी अब उसके आवास और अन्य ठिकानों की तलाशी ले रही हैं। एसीबी महानिदेशक बी.एल.सोनी ने बताया कि एसआईडब्ल्यू इकाई जयपुर को परिवादी ने शिकायत दी थी। पीड़ित का कहना था कि उसके पूर्व में अनुपस्थित रहने के उपरान्त उपस्थिति दिखाकर पूरे माह का वेतन बनाने और इस माह की अनुपस्थिति पर नोटिस दिलवाकर इस नोटिस पर हुई कार्रवाई को सर्विस बुक में इन्द्राज नहीं करने की एवज में ग्रेटर निगम के वार्ड 46 का स्वास्थ्य निरीक्षक प्रहलाद टोपिया 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। इस पर एसीबी के उप महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ललित शर्मा ने शिकायत का सत्यापन कराया। शुक्रवार को उप अधीक्षक चित्रगुप्त और पुलिस निरीक्षक मीना वर्मा ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रहलाद टोपिया पुत्र शंभुलाल खोडापाड़ा, लालसोट (दौसा) का रहने वाला है।

मृतक के परिजनों की तलाश

जयपुर (कासं)। श्याम नगर इलाके के स्वामी विहार में 5 दिन पहले द्रव्यवती नदी के किनारे मिली युवक की लाश का अब तक कोई वारिस नहीं मिला है। श्याम नगर थाना पुलिस शव को सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाकर मृतक के परिजनों को तलाशने में जुटी है। थानाधिकारी के मुताबिक 11 सितंबर को सुबह पुलिस कंट्रोलरूम से सूचना मिली कि स्वामी विहार में द्रव्यवती नदी के किनारे 30 वर्षीय युवक की लाश पड़ी है। इस पर थाने की टीम मौके पर पहुंची और मृतक के बारे में आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ भी की। काफी प्रयास के बावजूद पुलिस को मृतक के बारे में कोई जानकारी मिली। यहां तक कि मृतक की जेब में भी पहचान संबंधी कोई कागजात नहीं मिले। इस पर पुलिस ने शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और उसके परिजनों की तलाश शुरू की।

इंद्रा स्मृति पार्क से अतिक्रमण हटाया

जयपुर (कासं)। हैरिटेज निगम के आदर्श नगर जोन ने शुक्रवार को आगरा रोड पर सुदामापुरी में इंद्रा स्मृति पार्क की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को हटाया। कॉलोनीवासी आर.सी.वर्मा ने बताया कि कुछ लोगों ने वार्ड 90 में सुदामापुरा स्थित इस पार्क की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा था। जिसे भारी पुलिस जाप्ते के बीच निगम टीम ने जेसीबी से हटाया।

क्रेन ने बुजुर्ग को कुचला, मौत

जयपुर। राजधानी के झोटवाड़ा इलाके में खिरणी फाटक के पास शुक्रवार को क्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शाम को उसकी मौत हो गई

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को खिरणी फाटक के पास एक क्रेन का चालक क्रेन को तेज गति में चला रहा था।

निठारा गांव निवासी 75 वर्षीय श्रवण सिंह ऑटो से जयपुर क्लासिक होटल के पास रुके थे। जिसके बाद वह अपने घर के लिए निकल रहे थे।

इसी दौरान गोकुलपुरा फाटक की ओर से खिरणी फाटक की ओर आ रही क्रेन ने उन्हें टक्कर मार दी। क्रेन के चालक ने पीछे के टायरों से उनके दोनों पैरों को कुचल दिया। गंभीर घायल श्रवण सिंह के लिए

मौके पर 108 और पुलिस को बुलाया गया, लेकिन पुलिस और 108 मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद स्थानीय लोगों ने निजी वाहन से घायल श्रवण सिंह को एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में पहुंचाया।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि तेज स्पीडिंग में चल रही क्रेन का कंट्रोल चालक खो चुका था जिसके कारण बुजुर्ग व्यक्ति के पैरों पर से टायर गुजर गया।

घटना को देखते हुए लोग एकत्रित हुए लेकिन उसी दौरान क्रेन चालक मौके से फरार हो गया। डॉक्टरों का कहना है कि दोनों पैर की हड्डियां बुरी तरीके से कुचल गई। शाम को घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई।

स्पैरो कंपनी ने पार्षद ऑफिस में बने कमरे पर जमाया कब्जा

कंपनी ने 15 माह बाद भी कमरा खाली न किया तो पार्षद अंकित वर्मा ने ताला जड़ा

जयपुर (कासं)। नगरीय विकास कर (यूडी टैक्स) की वसूली करने वाली स्पैरो सॉफ्टेक प्राइवेट लिमिटेड ने पार्षद कार्यालय में बने एक कमरे पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया।

मामला ग्रेटर नगर निगम के वार्ड 107 का है। क्षेत्रीय पार्षद अंकित वर्मा ने इस बारे में जोन उपायुक्त ममता नागर को पत्र लिखकर कमरा खाली करवाने को कहा, जब उपायुक्त ने नहीं सुनी तो पार्षद ने कमरे पर ताला जड़ दिया। जबकि, पहले से फर्म ने कमरे पर ताला लगा रखा है। अब कमरे के गेट पर दो-दो ताले लटके हुए है। उधर जैसे ही उपायुक्त ममता नागर को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने पार्षद द्वारा ताला लगाने को अनाधिकृत बताते हुए इसे खोलने के लिए कहा दिया। इसके पीछे दलील भी दी कि जो कमरा स्पैरो कंपनी को दिया है, उस पर आप द्वारा ताला लगाने से यूडी टैक्स वसूली का काम प्रभावित हो रहा है।

पार्षद अंकित वर्मा ने बताया कि ग्रेटर निगम प्रशासन ने करीब 15 माह पहले स्पैरो को यह कमरा 3 माह के लिए दिया गया था। जो कि गलत तरीके से आवंटित किया था, क्योंकि कंपनी को जोन कार्यालय में कमरा देना होता है, लेकिन जोन में पर्याप्त जगह न होने कारण पार्षद कार्यालय में स्पैरो कंपनी का ऑफिस खोल दिया। यह कमरा पार्षद कार्यालय का हिस्सा है और निगम कर्मचारियों के काम आता है, लेकिन निगम प्रशासन ने निजी कम्पनी को दे दिया। वहीं जोन उपायुक्त ममता नागर का कहना है कि अनुबंध के मुताबिक कम्पनी को कार्यालय निगम को देना है। जोन कार्यालय में जगह न होने की वजह से पार्षद कार्यालय में छोटा कमरा दिया गया है। पार्षद को आपत्ति है। ऐसे में कोई दूसरी जगह देखेंगे।

सूत्रों की मानें तो नगर निगम प्रशासन कम्पनी को यूडी टैक्स की वसूली को लेकर आई है, लेकिन कम्पनी न तो कर की वसूली कर पा रही है और न ही अनुबंध के मुताबिक प्रॉपर्टी का सर्वे कर पाई है। लगातार कम्पनी को निगम प्रशासन की ओर से नोटिस जारी किए जा रहे हैं। कुछ कर्मचारियों को एसीबी ने भी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है।

कॉम्पलेक्स की मिट्टी ढही

जयपुर। शहर में शुक्रवार शाम हल्की सी बारिश में नारायण सिंह सर्किल से त्रिमूर्ति सर्किल के बीच मैन रोड पर बन रहे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के बाहर मिट्टी ढह गई। कमर्शियल प्रोजेक्ट के होर्डिंग समेत मिट्टी का रैम्प भरभराकर बेसमेंट के लिए खोदे गए हिस्से में गिर गया।

अलवर और हनुमानगढ़ में करोना से 2 लोगों की मौत

प्रदेश में शुक्रवार को 195 नए संक्रमित मिले हैं

जयपुर। प्रदेश के अलवर और हनुमानगढ़ जिले में करोना संक्रमण से शुक्रवार को दो संक्रमितों की मौत हो गई है। इसके साथ ही अब तक राज्य में इस बीमारी से 9632 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 195 नए संक्रमित मिले हैं, जबकि 214 मरीज ठीक भी हुए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को 24 जिलों में 195 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को इनकी संख्या 192 रही थी। इधर आज राजधानी जयपुर में 43 नए संक्रमित मिले हैं।

इसके अलावा अलवर में 26, सीकर में 18, जोधपुर में 13, सीकर में 12, सिरोही में 10, प्रतापगढ़ में 9, कोटा में 8, चितौड़गढ़ व डूंगरपुर में 7-7, पाली में 6, नागौर व भीलवाड़ा में 5-5, सवाई माधोपुर, अजमेर, बीकानेर व उदयपुर में 4-4, बूंदी में 3, दौसा में 2 तथा बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, श्रीगंगानगर औरा हनुमानगढ़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 15 हजार 508 सैम्पल लिए गए। राज्य में शुक्रवार को 214 संक्रमित ठीक हुए हैं। प्रदेश में नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 1317 रह गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 342 मरीजों का इलाज राजधानी जयपुर में चल रहा हैं। वहीं अलवर में 108 जबकि जोधपुर में 98 मामले बचे हैं। जयपुर में शुक्रवार को भी 21 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 9 नए मरीज सांगानेर इलाके में सामने आए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 5, जगतपुरा में 4, बस्सी में 3, दुर्गापुरा, मालवीय नगर, मानसरोवर, मुरलीपुरा व सोड़ाला में 2-2 तथा आदर्श नगर, अजमेरी गेट, आमेर, बरकत नगर, चांदपोल, गलता गेट, गोपालपुरा, गोविंदगढ़, कोटपूतली, शास्त्री नगर और सीकर रोड इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

- जयपुर में सबसे ज्यादा 43 नए मरीज सामने आए हैं।
- राज्य में पिछले चौबीस घंटों में दो सौ से ज्यादा मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 1317 रह गए हैं।

ARBiT
it happens here...

International Coastal Clean-up Day

Every year thousands of tons of garbage winds up in the oceans, with at least 60% of that being composed of plastic material. Plastics, especially, last a very long time in the ocean and are in such abundance that there are 46,000 individual pieces of plastic litter for every square mile of ocean! This is a dire situation for the health of the earth's oceans, which directly impacts the health of its people. It's time to celebrate International Coastal Clean-up Day and help make the planet a cleaner, happier place for humans, plants, and animals.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
17 September 2022
A-B

#CAREER

Most In-Demand Workforce Skills

Want to make yourself indispensable to future employers?

It's not just technical skills you need to cultivate. As we move into the new industrial revolution and the pace of change continues to accelerate, the skills you need to thrive in the workplace are shifting, as well.

We will also need to cultivate critical soft skills so we can do the things machines can't.

Let's take a look at some of the skills that will be in demand by employers in the next ten years.

Digital Literacy

Digital literacy encompasses the skills to learn, work and, navigate everyday life in our digital world. These skills involve the ability to use devices, software, and apps safely and with confidence. People with strong digital literacy skills can communicate and collaborate easily using digital tools, and they keep on top of new technologies and understand how they might impact their job and their business.

Data Literacy

For most companies, data is now one of their most important and valuable business assets, which means organizations will want to employ people that are able to take data and use it effectively. In the average business context, data literacy means being able to access appropriate data and work with it confidently. To cultivate data literacy, working on extracting meaning from data and communicating data-based insights to others. With data literacy, you'll also be able to question the integrity and validity of any data you are working with rather than just blindly following the information you are given.

Critical Thinking

In this era of fake news, social media bubbles, and information overload, critical thinking is at the top of the list of the most vital skills to cultivate for success. Thinking critically means analysing issues and situations based on evidence rather than hearsay, personal opinions, or biases. When you are practicing critical thinking, you can question the validity of evidence and figure out what's true and what's not in a variety of situations.

Emotional Intelligence

Emotional intelligence is the ability to express and control our emotions. An emotionally intelligent person is aware of how their emotions influence their own behaviors and impact others around them and can manage those emotions accordingly. I believe empathy - the ability to see the world from someone else's perspective - is a key component of emotional intelligence.

Creativity

Have you ever wondered what creativity really is? One way to define it is "the act of turning imaginative ideas into reality." Creativity will be one of the most desirable skills in the future workplace, especially as we hand more and more routine tasks over to machines. Creative thinking, like coming up with new ideas, problem-solving, imagining beyond the status quo, and implementing ideas to fix issues and make things better, will be critical in the workplace of the future.

Collaboration

The nature of collaboration and teamwork is changing as teams evolve to include hybrid workers, fully remote workers, contractors, and other employees who flow between projects and teams. In this changing workplace, you will need to be able to effectively collaborate and communicate with a variety of colleagues and co-workers.

Flexibility

Are you open to change? In the workplace of the future, change is going to be even more of a driving factor than it is today. We'll have to continually contend with new technologies, rising automation, the rapidly evolving pace of work, and vast business disruptions. We must all develop the mental resilience to thrive in times of constant change. Adaptability - the ability to adjust to new conditions - is key to developing flexibility. Adaptable people are open-minded, curious, and willing to learn new things because they focus on opportunities, not obstacles.

Leadership Skills

Good leadership is about bringing the best out of other people and making sure they can thrive. And if you think leadership skills are only necessary for those at the top of the ladder, think again. Factors like distributed teams, increasing diversity, the gig economy, and more fluid organizational structures mean that leadership skills will be important for every individual throughout the company - whether they are leading a project, a team, or an entire department.

Time Management

Whether you work from home, work full-time in an office, run your own business, or work for an organization, the ability to manage your time effectively is essential for your workplace performance. Remember that time management is about working smarter rather than harder. Putting in extra hours isn't necessary for people who are great at managing their time.

#CALCUTTA

Salil Dutt
Hospitality and Travel Raconteur

"After our stay at the Gleneagles Club and Castle, a high-end country estate in Auchterarder, a part of the PGA golf circuit; our travelling partners from London – the Todiwalas, OBE, drove us through picturesque small towns, encircling the Loch Earn. We ate the popular "haggis" in quaint restaurants, visited the distilleries at The Famous Grouse, and the Tullibardine. Notable visits were to the Edinburgh Castle atop a hill overlooking the old city, and a luncheon of a bucketful of mussels at "Moules" with loaf bread and crisp dry white wine. We walked in the parallel road behind the High Street in Callander, a small town close by, famous for its very beautiful shops selling brushed cotton shirts, twills, woollens, homemade fresh breads, local souvenirs……. and the Loch Lomond".

Scotland Along the Hooghly

Gourepore Jute Mill (...2)

The schooling years progressed. Sulakshana had yet to appear for her matriculation. The deep-rooted conservative customs of her community, followed strictly by Harry's family elders, cut short her budding education. Being the eldest son, the reluctant yet obedient Harry, had to bow before the strong will of his tradition bound father. Sulakshana was married off to the scion of a large Brahmin zamindar family in their native village, far from the secure surroundings she grew up in, along the river. Her heart wrenched when she had to leave her home, barely into her teens, torn from her loving family, away from the friends she studied and played with. Her life changed overnight from a progressive thinking environment, to a more cloistered and traditional one in the large joint family of her in-laws. Her schooling stopped, deprived of the books she loved to read. She became the youngest member among the women folk, joining them in their household duties. Gradually her care free, fun-loving nature transformed with new domestic responsibilities.

But ill fortune befell Sulakshana. Her young husband, a medical officer, was suffering from a congenital disorder. This condition was concealed from her parents before her marriage. In less than two years, her husband died while on out-station duty. Sulakshana was numbed when the sad news was broken to her. In shock she passed out. Being in an advanced stage of pregnancy, she gave birth to a child – a son.

Conservative Customs

When the news reached Gourepore, there was a sense of deep shock and grief. With a small baby in her arms, her life changed again to one of despair, gloom, and uncertainty. Her distraught parents, far away from the village she was living, were shattered. Harry was devastated. He became a shadow of himself. It affected his life. His bosses were sympathetic, but how long could he continue with his daughter's misfortune, unwittingly (mis)guided by the elders in his family, and feeling cheated by Destiny.

Sulakshana's life changed for the worse. She was perceived as unlucky among the elders of her in-law's family. Her days seemed destined in the village without much hope or meaning. Her in-laws, would not allow her to leave the house unless accompanied by family members. She was restricted to the inner domestic realms like a prisoner.

Harry decided to bring his daughter back to Gourepore, and rebuild her life from where it was disrupted. He must give her courage, and education to rekindle her purpose in life. And for that he had to rejuvenate himself. Harry planned to bring his daughter back to Gourepore, without arousing any suspicion. He did so by arranging for the unsuspecting Sulakshana to meet him and her sick mother in the train they were travelling. Sulakshana was gently told by her grandmother to accompany her to the local station, to meet her parents "who were passing through the village". Her dogmatic in-laws did not suspect anything.

Unaware of what was afoot and lest her in-laws became alert, her grandmother took the precaution of telling her to come as she was. There was no time to change. Though it would only take an hour to the station and back, still Sulakshana could not leave without taking her infant son with her. She wrapped him in a soft blanket, tucked him close to her heart, and as the rickshaw sped towards the railway station with her grandmother and her; little did she know that it was the last she was seeing of the village of her late husband. It was only when she reached the platform, and saw her anxious father, that realization started dawning on her. With bated breath, her waiting father quickly bundled them into the compartment.

As the train chugged away from her village station, her eyes welled up with happiness being reunited with her parents again. The secure feeling with them, made her sob inconsolably. There would be no more looking back for her. Much later, when she regained her composure, she realized – was it only maternal instinct, that reflexively made her take her baby with her - an inseparable part of her? What would have happened otherwise?

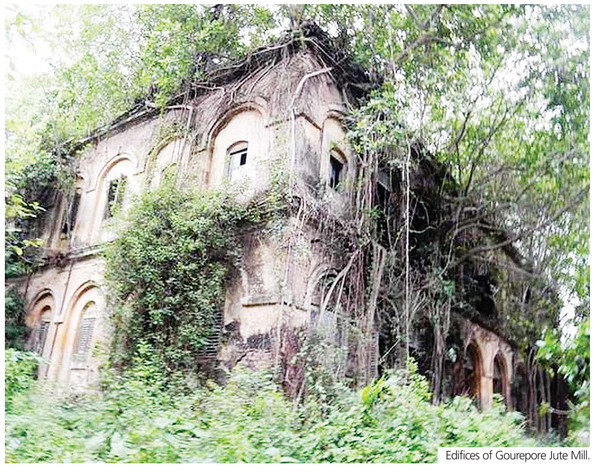

Edifices of Gourepore Jute Mill.

Resuming Normal Life

Sulakshana was a beautiful girl with a pleasing temperament. She had a lot of courage and was determined to complete her graduation well. Picking up the pieces from where she had left them, she added reading the works of the great social reformists of Bengal, the inspiring stories by Sarat Chandra Chatterjee, Bankim Chandra Chatterjee and Rabindra Nath Tagore. She graduated from Calcutta University and started teaching in a local Harijan school for the backward. Her old friends in Gourepore Jute Mill rejoiced to have her back amidst them.

Sulakshana's son, the little boy from Gourepore, started going to kindergarten school, ferried in the same row boat by a happy Sadhu Baba, who had earlier ferried his mother. His steps through the garden walkway in front of Neechu Kothi to the waiting "nauka" boat, were small but definite. He was dressed in his spotless white school uniform, followed by an attendant. He never looked back ..... and it was something he would never do in all his years later.

Sulakshana started her Mahjong sessions with the other ladies of her age group in the club. She was back to her normal life, after a gap of two years. Her happiness returned. For her play school son, the only parents in the household were his grandparents. Like parents to the others three siblings, they became "Daddy and Mamma" to him. Through the entire process, Harry stood like a solid pillar, a support, a guide, and a constant inspiration to his daughter apart from being a man rejuvenated.

In the interim, much had changed in the mill. The Superintending Manager Mr. Robertson, returned to Dundee with his family, as did the other British, Scottish and Irish staff. The ownership changed over to a traditional Indian business entity. The old professionalism started fading, and labour problems started increasing, as profit became the only criteria for the new owners. Many facilities were withdrawn. As time went by, Sulakshana weighed the options before her and a future for her 5-year-old son. She contemplated teaching in a good residential school in the hills. She applied in a few places. Her indomitable spirit and courage, prompted her to plan for an independent life, for a better future for her innocent child.

The British Management gradually changed over to Indian replacements even before they got married. Sulakshana's child, the little boy from Gourepore, witnessed the rituals with wonder.

The next year, Sulakshana bore a daughter. Decades passed as her two children grew to become independent young professionals. They excelled in academia, and now lead successful lives overseas.

Years passed as Sulakshana kept in touch off and on. She often found herself looking back on her pristine growing years in Gourepore. Since then, many mills once owned by the Sterling group of companies, had changed hands to multiple Indian business houses. Jute mills of yore are a bygone story, most moving from glory to decadence. Many have become ghost houses, left to ruins. They have become a sad reflection of archaic government policies, inability to find solutions to litigations, union lockouts and closures. The healthy trees that once shaded many passers-by, have spread their roots deep into the factory edifices. Thousands of workers and their families are left to the mercy of disputing parties. They have been seeking salvation since long, in the corridors of Justice. Assets worth crores have vanished due to corruption. The once beautifully landscaped gardens and the living atmosphere of happiness, prosperity, and healthy activity, had disappeared leaving behind painfully distressing memories.

Years later Sulakshana asked her father about the Gourepore Jute Mill. Harry's eyes moistened with a far melancholic look. His silence spoke volumes – never to visit the jute mill in Gourepore again.

The Scottish Managers, have gone back to their land, leaving behind beautiful memories in the minds of their successors, like Harry and his colleagues. Stanley Clarke passed away in 2008 at 83, survived by his son Jeff, seen in the photo with him. Their children, like the 5 years old Sulakshana (kneeling in the pic next to Mrs. Robertson), and her 2-year-old brother (standing against Mr. Campsie); meet their old friends from Gourepore in Calcutta. They reminisce those wonderful years that have become a past dream, knowing that those halcyon years would never return. A few Anglo-Indian families have migrated to Canada, Europe or Australia. Most of the Bengal Jute mills are in dispute, have closed down or faded into oblivion.

Edifices of Gourepore Jute Mill.

The author, with Cyrus Todiwala – at Dundee in 2011.

The Verdant Works Museum at Dundee.

> The once beautifully landscaped gardens and the living atmosphere of happiness, prosperity, and healthy activity, had disappeared leaving behind painfully distressing memories. Years later Sulakshana asked her father about the Gourepore Jute Mill. Harry's eyes moistened with a far melancholic look. His silence spoke volumes.

Tail piece - Dundee

As she recounted to me years later, Sulakshana had to fulfil her father's unfinished dream to visit Dundee, the epicentre of the Jute mills of the Sterling group of Companies - to see "The Verdant Works". The group had converted this brick red factory and warehouses into a jute museum complete with the jute history,..... and everything about the jute mills of undivided India all along the Hooghly river. There it was, the Titaghur, Hooghly, Hukum Chand, and Shyamnagar Jute Mills..... till her eyes read the letters - Gourepore Jute Mill.

Having understood her long journey in the jute mills, I realized how nostalgic this must have been for her to narrate. Visiting the Heritage Jute museum was completion of a full circle. Inside the museum, she sat down on a wooden bench in one of the dimly lit rooms surrounded by old maps and photographs, absorbing all, her thoughts transported to a different time, connecting her to so many memories of the past, and her late father, who stood like a strong pillar in her journey. Her eyes grew moist and she cried silently in the dark, in memory of her beloved father "Harry" Hari Shankar.

Harry passed away in 2000. His dream of visiting this Mecca of international jute trading, was fulfilled by his daughter.

In 2011, I chanced to visit Dundee with friends. It was only curiosity that made me seek the Jute Museum at Dundee that Sulakshana spoke about.

"After our stay at the Gleneagles Club and Castle, a high-end country estate in Auchterarder, a part of the PGA golf circuit; our travelling partners from London – the Todiwalas, OBE, drove us through picturesque small towns, encircling the Loch Earn. We ate the popular "haggis" in quaint restaurants, visited the distilleries at The Famous Grouse, and the Tullibardine. Notable visits were to the Edinburgh Castle atop a hill overlooking the old city, and a luncheon of a bucketful of mussels at "Moules" with loaf bread and crisp dry white wine. We walked in the parallel road behind the High Street in Callander, a small town close by, famous for its very beautiful shops selling brushed cotton shirts, twills, woollens, homemade fresh breads, local souvenirs……. and the Loch Lomond".

Hari Shankar had spent the better part of his career, mentored by the expat officers, and guided by his Indian seniors and colleagues. The former were the last of the Colonial masters who had moved into the Indian subcontinent. He was an honest and hardworking young man when he shifted from his village in Siwan district of Bihar - to Calcutta, to make his fortune. Harry's story is symbolic of the many pioneers in his generation, who gifted their children a beautiful future, one with Courage and Hope.

The glorious period in the life in jute mills along the Hooghly, and the many stories of people like Harry, lie buried in the pages of Time.

The story of "Harry" Hari Shankar was collated through innumerable snippets and conversations with members of Harry's family, spread over the years. Photo pics of the characters, have been dug out from dusty albums wrapped in cloth from under the steel trunk of Harry's son. Names of the main characters have been changed to protect their identity, except the expat Managers mentioned.

I came by two beautiful accounts on Gourepore Jute mills - "A touch of Scotland" and "Ghost by the Hooghly" written by a senior journalist Soumitra Das. Few pictures of the derelict mill structures, are extracted from his accounts, photographed by Prabir Biswas.

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

Operator at the Dundee Museum, demonstrating jute sack weaving in an old machine model.

#COVID-19

Overcrowded Animal Shelters

Along with veterinarian and staff shortages, the missing surgeries are contributing to widespread overcrowding at pet shelters.

Progress made over decades to control overpopulation of dogs and cats through high-volume spay-neuter surgeries is now at risk thanks to the ongoing pandemic, researchers say.

The impact-felt both at community shelters and veterinary clinics-includes sharp declines in spay-neuter surgeries after the initial pandemic-triggered lockdowns, followed by staffing shortages in clinics and shelters, overcrowding, and lagging pet adoption rates.

All of these problems are compounded by a nationwide shortage of veterinarians, which has been felt even more acutely in shelters and spay-neuter clinics, according to the study in Frontiers of Veterinary Science.

The study focused on the effect of the COVID-19 pandemic on the volume of surgical procedures performed by spay-neuter clinics, says lead author Simone Guerios, a clinical assistant professor of shelter medicine at the University of Florida.

The team drew its research from 212 clinics nationally, all of which make use of the cloud-based clinic management software program Clinic HQ, which is specifically designed for facilities that focus on spay-neuter and preventive health care services.

"The high level of spay-neuter achieved over the past five decades is the single most important driver of reduced pet overpopulation and euthanasia in animal shelters," Guerios says. "The rise in subsidized spay-neuter access helped drive the euthanasia of shelter pets in the United States from an estimated 13.5 million in 1973 to 1.5 million in 2019." Using 2019 as a baseline, the researchers aimed to determine the impact of the pandemic on the volume of spay-neuter procedures performed in 2020-2021 at the 212 clinics, which collectively performed more than 1 million surgeries per year and were on track to increase surgeries by 5% over the previous year.

But in the 24 months from January 2020 through December 2021, 190,818 fewer surgeries were performed at the clinics studied than expected had 2019 levels been maintained, the researchers found.

"If a similar pattern was experienced by other spay-neuter programs in the United States, it would suggest there is a deficit of more than 2.7 million spay-neuter surgeries that animal welfare organizations have yet to address," says co-author Julie Levy, professor of shelter medicine education. All the impacts of the pandemic combined have the potential to undermine progress made in controlling pet populations and euthanasia in shelters, Levy adds.

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

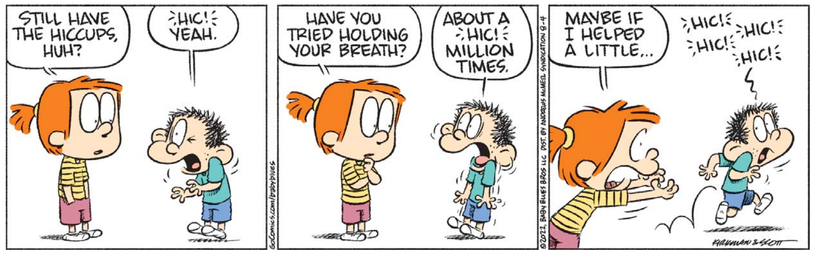

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

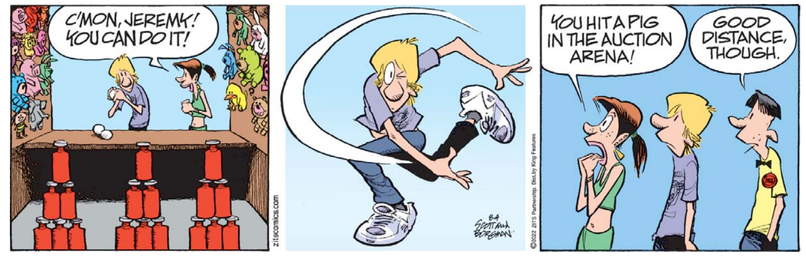

मनोनयन निरस्त नहीं करने पर कार्यकर्ता देंगे सामूहिक इस्तीफा

जिले में विकास कार्य भी अधिकारी मनमर्जी से लागू कर रहे हैं

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में जहां कांग्रेस वर्तमान सरकार के कार्यकाल से पूर्व ही कई भागों में विभक्त होकर लगातार वागड अंचल में अपना जनाधार खो- रही है। और इसी गुटबाजी के चलते प्रशासनिक तंत्र इस कदर हावी हो गया है कि जिले में विकास कार्य भी अधिकारी अपनी मनमर्जी से लागू कर रहे हैं।

इसका खामियाजा जिले की जनता को भुगतना पड रहा है, ऐसे में बिखरती कांग्रेस को एक करने के बजाय अभी भी कुछ नेता अपनी मनमर्जी से मनोनयन का कार्य करवा कर कांग्रेस में बिखराव की स्थिति पैदा कर रहे हैं और इसी के चलते पीसीसी में सदस्यों में मनोनयन के लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आसपुर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गये और शुक्रवार को हुई बैठक में एक सदस्य का मनोनयन निरस्त नहीं करने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आसपुर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सामूहिक इस्तीफा देने का निर्णय ले लिया है।

आसपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक में पीसीसी सदस्य के मनोनयन का विरोध करते कार्यकर्ता।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से पीसीसी सदस्यो की घोषणा होने के बाद डूंगरपुर जिले में विरोध शुरू हो गया है। जिले के चौरासी विधानसभा क्षेत्र के चिखली ब्लॉक अध्यक्ष मनोहरसिंह को आसपुर से पीसीसी सदस्य बनाया गया है जिसको लेकर आसपुर ब्लॉक के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध जताया है। आसपुर ब्लॉक के अध्यक्ष करणसिंह ने बताया कि कल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से 400 पीसीसी सदस्य बनाये गए हैं। जिसके तहत डूंगरपुर जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से दो-दो पीसीसी सदस्य बनाये गए हैं।

इसमें आसपुर ब्लॉक के कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज करके चिखली ब्लॉक के अध्यक्ष मनोहरसिंह को आसपुर से पीसीसी सदस्य बनाया गया है। जो कि न्यायोचित नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के इस फैसले से आसपुर ब्लॉक के कार्यकर्ताओं में निराशा हुई है। ऐसे में आसपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने आसपुर के ही किसी कार्यकर्ता को पीसीसी सदस्य बनाये जाने की मांग की है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करणसिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह खरोडिया, वरिष्ठ नेता पूर्व पीसीसी सदस्य कमल मेहता,सुभाष उपाध्याय नानूराम कलाल दिगपालसिंह चौहान, रमेश भाई सुथार, गौतम भाई यादव, दुर्जनसिंह फतेहपुरा विनोद मालवी, मणीलाल जोशी, केसरसिंह वाडा कुंडली, देवेंद्र सिंह वसुंदर प्रकाश डबरावत, शिवसिंह फतेहपुरा, लोकेश पाटीदार, हेमेंद्रसिंह टोकवासा, दीपक मीणा, प्रवीण कोठारी ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहां कि पीसीसी बाहरी सदस्य का मनोनयन निरस्त नहीं किया तो ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सभी कार्यकर्ता एक साथ अपना इस्तीफा देंगे।

तत्कालीन तहसीलदार सहित पांच के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

रूदावल, (निसं)। रूदावल थाना पुलिस मेंगांव मोरोली डांग निवासी एक जने की ओर से तत्कालीन तहसीलदार चन्द्रपालसिंह, हल्का पटवारी रूपसिंह मीणा, लक्ष्मणप्रसाद शर्मा, सुनीता शर्मा सहित पांच जनों के खिलाफ धोखाधडी कर फर्जी समर्पणनामा तैयार करने एवं दूसरे की खातेदारी की जमीन को हड़पने के लिए फर्जी कागजात तैयार करने का मामला इस्तगासा के माध्यम से दर्ज कराया है।

रूदावल थाना प्रभारी प्रेमसिंह भास्कर ने बताया कि गांव मोरोली डांग निवासी दिलीप कुमार पुत्र राधेश्याम ब्राह्मण की ओर से इस्तागासा के माध्यम से मामला दर्ज कराया है कि अभियोगी की मां ने 1998 में रूदावल पहाडपुर सडक मार्ग से लगी हुई खसरा नम्बर 142/1 रकबा 14 विस्वा कोबनवारी पुत्र परसराम ब्राह्मण मोरोली डांग से रजिस्टर्ड बिक्रय पत्र के जरिए खरीद किया था एवं खरीद के समय से लगातार काबिज है एवं हरे पेड एवं कमरा निर्माण के लिए नींव भरी हुई है एवं गैतवाडा बना हुआ है। इसी जमीन के दक्षिण में गांव मोरोली डांग निवासी लक्ष्मण पुत्र शिवचरन ब्राह्मण की ओर से 2017 में बनवारी से जमीन खरीद की गई। बनवारी को उसकी पुस्तैनी जमीन के अलावा खसरा नम्बर 142 रकबा 14 विस्वा अलॉटमेंट हुआ था।

इसी रकबा में अन्य 10-11 लोगों को भी अलॉटमेंट हुआ था। यह सभी लोग अपनी जगहों मौके पर काबिज है। आरोपित लक्ष्मण प्रसाद शर्मा ने सच्चाई छुपाते हुए 153, 157, 158 को अभियोगी के खसरा नम्बर 609/142 की जगह पर दर्शाते हुए अपनी जगह तक रोड से सम्पर्क दिखाते हुए गलत रूप से समर्पणनामा पत्र दिनांक 22.05.2017 को तत्कालीन हल्का पटवारी रूपसिंह मीणा, तत्कालीन तहसीलदार चन्द्रपाल सिंह से षड्यंत्र करते हुए तथाकथित दस्तावेज तैयार किया एवं तहसील कार्यालय रूपवास में पंजीयन करबाया है।

उक्त समर्पणनामा के आधार पर आरोपित लक्ष्मणप्रसाद प्रशासन को गुमराह करते हुए अभियोगी की खरीद की गई एवं 20-22 साल से कब्जेशुदा जमीन को हडपना चाहता है। आरोपित लक्ष्मण की ओर से उक्त तथाकथित दस्तावेजों के आधार पर प्रशासन गांव के संग शिविर में प्रार्थना पत्र देकर अभियोगी के कब्जे को हटवाना चाहता है। उक्त आरोपितों की ओर से तथाकथित दस्तावेज तैयार कर धोखाधडी कर अभियोगी को परेशान किया जा रहा है।

रावण के पुतले में लगेगी अतिरिक्त अतिशबाजी, तुरंत नहीं होगा दहन

कोटा मेला समिति ने मेला परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

कोटा, (निसं)। इस बार मेला दशहरा 2022 में रावण के पुतले का दहन अतिशबाजी के पूरे मनोरंजन के बाद ही होगा। मेला समिति अध्यक्ष मंजू मेहरा ने शुक्रवार को पुतला निर्माण कर रहे कारीगरों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हर बार पुतले का दहन तुरंत हो जाता है। जिससे रावण दहन देखने के लिए आने वालों का पूर्ण मनोरंजन नहीं हो पाता है। मेला समिति सदस्यों के साथ निरीक्षण करते हुए अध्यक्ष मंजू मेहरा ने कहा कि इस बार पुतले में अतिरिक्त अतिशाबाजी रखी जाए। विशेषकर सिर के निर्माण में अधिक देर तक चलने वाली अतिशाबाजी हो। मेला समिति सदस्यों के साथ अध्यक्ष मंजू मेहरा ने पुतला दहन स्थल, श्रीराम रंगमंच, बाह्य रंगमंच, बैठक स्थल समेत विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

उन्होंने साथ चल रहे अधिशासी अभियंता को व्यवस्थाओं को लेकर निर्देश दिए। इससे पहले कमरा नंबर 102 में मेला समिति के सदस्यों ने विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान मेला समिति अध्यक्ष ने बताया कि मेला परिसर का तकरीबन 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं रावण का पुतला भी 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस अवसर पर मेला समिति सदस्य सोनू, पवन, अनिल, अजय, चेतना, अनूप, इसरार, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता मौजूद रहे।

अवैध बजरी के खिलाफ इंडोली पुलिस की कार्रवाई तीन बजरी से भरे डम्पर जब्त

बूंदी, (निसं)। हिंडोली थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन खनन एवं भंडारण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 3 अवैध बजरी से भरे हुए डंपर को जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने जिले मे हो रहे अवैध बजरी खनन/ परिवहन व भण्डारण के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतु समस्त वृताधिकारियो के निर्देशन मे समस्त थानाधिकारियो को कार्यवाही करने के निर्देश पर हिंडोली थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने हिण्डोली रात्री गस्त एंव अवैध कार्य चैकिंग के दौरान अवैध बजरी खनन/ परिवहन व भण्डारण के खिलाफ कार्यवाही करते

जब्त बजरी के डंपर के साथ पुलिस टीम।

हुये अवैध बजरी से भरे हुये तीन डम्पर को डिटेन कर थाना परिसर मे खडा करवाकर अवैध बजरी के संबध में नियमानुसार कार्यवाही की।

चैक अनादरण मामले में आरोपी को सजा सुनाई

ब्यावर, (निसं)। चैक अनादरण के मामले में अति. न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 1 (प्रथम वर्ग) ब्यावर ने दोषी अंकित गन्ना को 1 वर्ष 6 माह के साधारण कारावास से दंडित किया। इसके साथ ही 2,00,000/- का जुर्माना प्रतिकर के रूप परिवादी को बतौर क्षितपूर्ति देने का आदेश सुनाया।

अंकित गन्ना अरिहंत ज्वेलर्स लोढा मार्केट ने खन्ना कॉलोनी ब्यावर निवासी राजकुमार जैन से अपनी घरेलू आवश्यकता के लिए 1,50,000/- उधार लिये थे। जिसके पुनर्भुगतान स्वरूप अपनी बैंक के खाते का एक चेक 13 अप्रेल 2012 को राशि 1,50,000/- रु भरकर यह विश्वास एवं भरोसा दिला कर सौंपा जिसे बैंक में प्रस्तुत करने पर उक्त राशि का भुगतान प्राप्त हो जाएगा लेकिन परिवादी राजकुमार जैन ने अपने बैंक में प्रस्तुत करने पर इनसफिसिएंट अकाउंट के रिमार्क के कारण बिना भुगतान चेक अनादरित होकर लौट आया। इस पर परिवादी राजकुमार जैन ने अपने एडवोकेट के माध्यम से अभियुक्त को नोटिस भिजवाया। बावजूद इसके चेक की राशि का भुगतान नहीं होने पर न्यायालय में परिवाद दर्ज करवाया। जिसमे परिवादी के एडवोकेट यज्ञेश कुमार शर्मा ने पैरवी की। शर्मा के तर्क और दलीलों से सहमत होते हुए न्यायालय ने अभियुक्त अंकित गन्ना पर रु 2,00,000/- का जुर्माना प्रतिकर लगाया एवं 1 वर्ष 6 माह की सजा सुनाई।

अशोक गहलोत ने व्हिसल बजाकर कबड्डी मैच की शुरूआत की

भीलवाड़ा/ मांगलगढ़, (निसं)। बीगोद कस्बे में ग्रामीण ओलंपिक प्रतियोगिता के समापन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहुंचे। मुख्यमंत्री गहलोत के साथ हेलीकॉप्टर में मंत्री अशोक चांदना, प्रताप सिंह खाचरियावास, महेन्द्र सिंह डोटासरा भी रहे। वही मंच पर राजस्व मंत्री रामलाल जाट, बीज निगम मंत्री धीरज गुर्जर के साथ जिलेभर के नेता मौजूद रहे।

समापन समारोह को संबोधित करते सीएम गहलोत ने कहा कि इतने बड़े आयोजन में सबने शानदार काम किया है। इन खेलों में किसी तरह की राजनीति नहीं हुई है। सभी जाति बिरादरी के लोग शामिल हुए है। । मांडलगढ़ प्रधान सतीश जोशी की मांग पर मुख्यमंत्री गहलोत ने हाथों हाथ शिवचरण माथुर महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की स्वीकृति प्रदान की।

बीगोद कस्बे में मैच का शुभारम्भ करते सीएम गहलोत।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया । कार्यक्रम को संबोधित करते खेल मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि ग्रामीण खेलों को लेकर जो माहौल बना है उससे ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं में निखार आएगा।

- शहीद गांधी परिवार पर छापे तथा उद्योगपतियों पर कोई कार्रवाई नहीं : गहलोत

बीज निगम अध्यक्ष धीरज गुर्जर ने कहा कि ग्रामीण खेलों से उभरकर कई खिलाड़ी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में भी हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि मोदी सरकार के राज में लोग गरीबी व महंगाई से लड़ रहे हैं। सीएम ने खुद व्हिसल बजा कर मैच की शुरुआत की। इसके बाद वह बूंदी जिले के नैनवा के लिए रवाना हो गए।

जिले में ग्रीन पटाखे ही अनुमत होंगे

कोटा, (निसं)। दीपावली के पर्व पर जिले में 24 से 26 अक्टूबर तक आतिशबाजी के अस्थाई अनुज्ञापत्र जारी किए जायेंगे तथा अस्थाई अनुज्ञापत्रों का नवीनीकरण किया जायेगा जिसमें केवल ग्रीन पटाखों के क्रय-विक्रय की अनुमति होगी। 19 से 30 सितम्बर तक लाइसेंस के लिए आवेदन किए जा सकेंगे। अतिरिक्त कलक्टर शहर बृजमोहन बैरवा ने बताया कि राज्य में इस बार दीपावली के अवसर पर केवल ग्रीन आतिशबाजी की अनुमति रहेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की आदेशों की पालना में ग्रीन आतिशबाजी अस्थाई लाइसेंस जारी किए जाने के लिए नगरीय क्षेत्र में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर कोटा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित उपखण्ड अधिकारी को अधिकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि 19 सितम्बर से 30 सितम्बर की अवधि में स्थाई लाइसेंसों के नवीनीकरण एवं अस्थाई लाइसेंस जारी करने के लिए आवेदन लिए जायेंगे।

गायों को लंपी रोग से बचाने के लिए राजलदेसर से चूरू तक पैदल यात्रा

चूरू, (कासं)। लंपी रोग से ग्रसित गायों को बचाने हेतु ठोस कदम उठाए जाने की मांग करते हुए गो भक्तों ने राजलदेसर से चूरू तक पैदल यात्रा निकालकर कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को ज्ञापन सौंपा है। बजरंग दल के जिला सह संयोजक हेमंत बजरंगी ने बताया कि जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजे गए 4 सूत्री ज्ञापन में लंबी रोग से गाय की मौत होने पर उस पशुपालक को 50000 रुपए मुआवजा देने की मांग की गई है। साथ ही प्रत्येक गौशाला को अनुदान राशि बढ़ाकर 250 रुपए प्रतिदिन किए जाने की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। ज्ञापन में लिखा है कि प्रत्येक गौशाला में एक पशु चिकित्सक और दो पशुधन सहायक नियुक्त किए जाएं। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के नरेश राठौड़, आजाद ग्रुप गौ रक्षक दल के प्रदीप पांडे, सांवरमल ढाका, भगत सिंह ग्रुप के श्रवण सैनी आदि मौजूद रहे। यहां एडवोकेट योगेन्द्र सिंह शेखावत सहित कई जनों ने गौ भक्तों से मुलाकात की और उनके द्वारा गायों को बचाने के लिए किए जा रहे संघर्ष की सराहना की। पैदल यात्रा में राजलदेसर व आसपास के गांवों के निवासी एवं गौ भक्त शामिल रहे।

- गौशाला में पशु चिकित्सक और पशुधन सहायक नियुक्त करने की मांग

टिकट चेकिंग का विशेष अभियान

कोटा, (निसं)। रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के निर्देशानुसार कोटा मण्डल ने टिकट जांच और उचित यात्रा टिकट लेकर सफर करने हेतु मंडल रेल प्रबंधक, कोटा के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशन में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें वाणिज्यिक, लेखा और सुरक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी शामिल होंगे। इस अभियान का उद्देश्य टिकट की उपलब्धता में आसानी सुनिश्चित करना, टिकट के साथ यात्रा करने के लिए यात्रियों को जागरूक करना, अनारक्षित टिकटों और वर्तमान आरक्षण के लिए मोबाइल ऐप के उपयोग के बारे में जागरूकता लाना एवं एटीवीएम के उपयोग पर विशेष जोर दिया जाना है। अभियान के दौरान पूरे मण्डल पर गहन टिकट जांच की जाएगी। इस दौरान प्लेटफॉर्म टिकट उपलब्ध कराने में आसानी और चेकिंग में वृद्धि की जाएगी। रेल प्रशासन ने उचित टिकट लेकर यात्रा करने की सलाह दी।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर शिक्षक को गिरफ्तार करने की मांग

डूंगरपुर, (निसं)। महिलाओं और उनके व्रत-त्योहार पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले सरकारी स्कूल के टीचर भंवर लाल परमार के खिलाफ अब महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। उन्होंने भंवर लाल के बयानों पर कड़े शब्दों में आपत्ति जताते हुए उसे सस्पेंड करने की मांग रखी। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं पर गलत बयानबाजी करने की एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की है।

विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के दिन शहर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में सरकारी टीचर भंवर लाल परमार ने महिलाओं के साथ ही उनके व्रत त्योहार पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके खिलाफ महिलाओं में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। जिलेभर से आई महिलाएं शुक्रवार को शहर के नया महादेव मंदिर परिसर में इकट्ठी हुई। इसके बाद ये महिलाएं टीचर भंवर लाल परमार के खिलाफ नारे लगाते हुए कलेक्ट्री पहुंची।

उपजिला प्रमुख सुरता परमार के नेतृत्व में हंसा देवी कोटवाल निवासी बिछीवाडा, नर्मदा देवी देवल, रेखा कलासुआ जालुकुआ समेत कई महिलाओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने बताया की भंवर लाल परमार सरकारी टीचर रहते हुए आदिवासी महिलाओं ओर स्कूल में पढ ने वाली लडकियों के खिलाफ गलत बातें बोल रहा है, जिससे आदिवासी महिलाओं का अपमान हुआ है। भंवरलाल ने आदिवासी समाज में बरसों से चले आ रहे मनसा वाचा व्रत कथा को लेकर भी गलत बयानबाजी की। महिलाएं ही नहीं पुरुष भी कई पीढियों से ये व्रत करते आ रहे हैं, लेकिन भंवर लाल ने व्रत को लेकर गुमराह करने का प्रयास किया। जिससे उनकी आस्था को गहरी ठेस लगी है।

महिलाओं ने कहा की जो टीचर गलत बातें बोलता हो वह स्कूलों में कैसे अच्छी शिक्षा दे सकता है। भंवरलाल के आपत्तिजनक बयानों के वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर हुए हैं। महिलाओं ने टीचर भंवर लाल को तुरंत सस्पेंड करने की मांग की। वहीं, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की है।

सूरजगढ़ में 5 ई-मित्रों पर कार्रवाई

सूरजगढ़, (निसं)। आमजन को बेहतर ई-गवर्नेंस की सुविधा देने के लिए ई-मित्र कियोस्कों पर पाई जाने वाली कमियों को दूर करने के लिए सूरजगढ शहर में संचालित कुल 23 ई-मित्र कियोस्कों का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण में कुल 5 ई-मित्र कियोस्कों पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित रेट लिस्ट नहीं पाए जाने व ई-मित्र कियोस्क का अपने निर्धारित स्थान पर कार्य नहीं करने पर प्रत्येक ई-मित्र पर 1000 रुपए की पेनल्टी आरोपित की गई। सूरजगढ प्रोग्रामर गोपाल सिंह खीचड ने बताया गया कि कियोस्क धारक रवि सैन, शिवम ई-मित्र सूरजगढ पर जाति प्रमाण पत्र की सेवा में अधिक वसूली पाई गई व कोबांडेड बैनर चस्पा नहीं पाया गया।

एसपी इन्टरप्राइजेज बालाजी कॉम्पलेक्स सूरजगढ द्वारा ई-मित्र सेवाओं की रसीद ग्राहकों को नहीं देना, अपने निर्धारित स्थान पर कार्य नहीं करना व जाति व मूल निवास में अधिक वसूली पाई गई। उपरोक्त कियास्क धारकों को नोटिस जारी कर नोटिस पश्चात कियोस्कों पर नियमानुसार 1000 रुपए की पेनल्टी आरोपित की गई। निरीक्षण दल में अजीत सिंह धायल, यादराम सैनी, जोगेन्द्र सिंह सहायक प्रोठाामर, मोहल लाल जांगिड सूचना सहायक सम्मिलित थे।

पोटाश के खनन को लेकर मंत्री प्रमोद भाया जर्मनी से सीख रहे हैं तकनीक

मंत्री प्रमोद जैन भाया अधिकारियों के दल के साथ इस सप्ताह जर्मनी दौरे पर हैं

अंता, (निसं)। सामरिक महत्व के पोटाश खनिज जिसका वर्तमान में भारत आयात करता है। इसका देश में खनन तथा उत्पादन आवश्यक है। इस कार्य को आगे बढाने के लिए, इस खनिज के महत्व को देखते हुए राज्य के खान मंत्री प्रमोद जैन भाया उच्च स्तरीय अधिकारियों का दल लेकर इसके खनन की तकनीक हासिल करने के लिए इस सप्ताह जर्मनी दौरे पर हैं।

पोटाश खनिज के सामरिक महत्व को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा इसकी खोज करने के लिए विशेष प्रयास किए गए। इसके परिणाम स्वरूप राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में इसके प्रचुर मात्रा में भंडार होने के संकेत मिले हैं। इस कार्य को खान मंत्री प्रमोद भाया ने एक चुनौती के रूप में लिया और 3 वर्ष में ही भारत सरकार के उपक्रम एमईसीएल से एक त्रिपक्षीय समझौता कर इसकी खोज का विशेषज्ञों से अध्ययन का काम पूरा कर एक रिपोर्ट

खनन से सम्बन्धित जानकारी लेता भारतीय दल।

तैयार करवाई, प्रारंभिक अध्ययन से यह पता चला है कि हनुमानगढ़ जिले में जमीन की गहराई में यह खनिज उपलब्ध है और इसे जमीन में ही घोल बनाकर सॉल्युशन तकनीक से निकाला जा सकता है।

उक्त तकनीक की संभाव्यता व उत्पादन की व्यवहारिकता को आगे बढ़ाकर इसके खनन के लिए आवश्यक तकनीक हासिल करने के लिए खान मंत्री प्रमोद भाया ने दिनांक 15 को नामचीन सलाहकार कंपनी डीएमटी, डीप केबीबी अमेरिका की ख्यातनाम कंपनी रेस्पेक के विशेषज्ञों से चर्चा की और राजस्थान के प्रतिनिधि मण्डल में शामिल खान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अठावाल और अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। विदेषी विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण देखकर, प्रयोगशाला देखी और राजस्थान की ड्राफ्ट रिपोर्ट पर विषेषज्ञों से विचार-विमर्श किया।

इस पूरे कार्यक्रम के पीछे प्रमोद भाया की इच्छा यह रही है कि राजस्थान के यषस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो राज्य को खनन व सामरिक महत्व की दृष्टि से बहुत ऊंचा ले जाने का सपना देखा है उस सपने को पूरा करने के लिए उच्च तकनीक हासिल कर निकटतम भविष्य में पोटाश का उत्पादन राज्य व देश में किया जा सके। इसी क्रम में भाया ने जर्मनी में विचार-विमर्श किया। इस विचार-विमर्श परिदृष्य के चित्र पूरी परिस्थिति का वर्णन करते है।

सैकडों डॉक्टर्स के पास 20 साल बाद भी पीजी की ओरिजिनल डिग्री नहीं

दरअसल 2007 से पहले राजस्थान यूनिवर्सिटी ही मैडिकल की परीक्षा करवाती और डिग्री भी जारी करती थी

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर सहित प्रदेश में ऐसे सैकड़ों डॉक्टर हैं जो 15 से 20 साल पहले पीजी कर स्पेशलिस्ट डॉक्टर बन गए। हॉस्पिटल्स में नियुक्त हो गए। प्रोफेसर और सीनियर प्रोफेसर के पद तक पहुंच गए लेकिन अब तक उनके पास पीजी की ओरिजिनल डिग्री नहीं है। वे अब तक एक प्रोविजनल डिग्री से काम चला रहे हैं। जहां भी ओरिजिनल की डिमांड होती है यह लिखकर देना पड़ता है कि अब तक मिली नहीं है। इसके साथ ही नेशनल मेडिकल काउंसिल या राज्य काउंसिल से मिला संबद्धता का प्रमाण-पत्र देकर छूट लेते हैं।

दरअसल वर्ष 2007 से पहले राजस्थान यूनिवर्सिटी ही मेडिकल की परीक्षा करवाती और डिग्री जारी करती थी। वर्ष 2007 में आरयूएचएस का गठन होने के बाद यह काम उसके जिम्मे आ गया। ऐसे में जिन्होंने पहले यहां से यूजी-पीजी कर ली उनकी डिग्री लंबे समय तक अटक गई। हालांकि यूनिवर्सिटी ने बाद में इसे जारी करने का क्रम शुरू किया लेकिन अब भी कई सालों की डिग्रियां अटकी हैं। इतना ही नहीं अब आवेदन करने पर जो डिग्री जारी की जा रही है उसे ओरिजिनल नहीं कहा जा सकता।

- 2007 में यह काम आरयूएचएस के पास आ गया
- जिन्होंने पहले यूजी-पीजी कर ली उनकी डिग्री अटक गई

वजह, राजस्थान यूनिवर्सिटी अपनी डिग्री हिन्दी में जारी करती थी। अब जो दे रही है उसमें लिखा होता है इंग्लिश वर्जन ऑफ हिन्दी डिग्री। ऐसे में यह भी ओरिजिनल होने की वजह उसका अंग्रेजी वर्जन ही है।

एमबीबीएस की डिग्री एक साथ जारी की आवेदन करो, अब तो एमएनआईटी तक की डिग्रियां दे रहे हैं। तक्षक राजस्थान यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार नलिनी तक्षक का कहना है, आधार कार्ड के साथ आवेदन करने पर डिग्री मिल जाएगी। पहले मेडिकल सहित एमएनआईटी की डिग्री भी यहीं से मिलती थी। ऐसे में अब उसकी डिग्रियां भी जारी कर रहे हैं। इंग्लिश वर्जन अभी दे रहे हैं। प्रयास करेंगे कि जल्द हिन्दी में पहले जैसी डिग्री उपलब्ध करवाएं।

बीकानेर के एसपी मेडिकल कॉलेज में वर्ष 2019 में एमबीबीएस की डिग्रियों का बंडल पहुंचा। इसमें भी लगभग 10 साल पहले तक एमबीबीएस कर चुके डॉक्टर्स की डिग्रियां थी। परेशानी क्या। इंटरनेशनल जनरल में रिसर्च पेपर भेजने, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस अटेंड करने सहित प्रदेश से बाहर नियुक्ति के समय पड़ती है जरूरत 2007 तक मेडिकल की परीक्षाएं राजस्थान यूनिवर्सिटी के अधीन होती थी, इसके बाद यह आरयूएचएस के अधीन हो गई, ऐसे में मेडिकल की डिग्रियां अटक गईं।

सूचना लीक होने पर एसीबी सीआई निलंबित

हनुमानगढ़, (निसं.)। ट्रैप कार्यवाही से पूर्व ही सूचना लीक होने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो महोनिदेशक बीएल सोनी ने हनुमानगढ़ एसीबी चौकी प्रभारी सुभाषचंद्र ढि ल निरीक्षक को निलंबित किया है। साथ ही हनुमानगढ़ एसीबी चौकी प्रभारी का अतिरिक्त चार्ज श्रीगंगानगर एसीबी के डीवाईएसपी भूपेंद्र सोनी को दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक गत दिनों श्रीगंगानगर में रिश्वत रकम लौटाते रिवर्स ट्रैप हुए डॉक्टर के मामले में सूचना लीक करने की शिकायत पर निलंबित किया गया है।

जयपुर एसीबी की टीम की ओर से सीएचसी प्रभारी डॉ. रोहित चौधरी को पहले पीलीबंगा में ही पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया था, एक दिन पहले सूचना लीक होने के कारण प्रभारी श्रीगंगानगर चला गया था और रुपए लौटाने के लिए परिवादी को होटल बुला लिया था और तभी पकड़ा गया। स्थानीय स्तर पर सूचना लीक होने के कारण उनको निलंबित किया गया है। पीलीबंगा में यह खबर पहुंच गई थी जिस कारण जयपुर की टीम पीलीबंगा में ट्रेप नहीं पकड़ पाई और श्रीगंगानगर तक पीछा करना पड़ा।

आईआईटी, एनआईटी ज्वाइंट काउंसलिंग 2022-प्रथम मॉक सीट आवंटन 18 सितम्बर को

कोटा, (निसं)। देश के 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपलआईटी, 33 जीएफटीआई की 54477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग जारी है। विद्यार्थी 21 सितम्बर 5 बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन व कॉलेज ब्रांचेंज की च्वाइसेज भर सकते हैं।

इस वर्ष विद्यार्थियों को आईआईटी-एनआईटी व ट्रिपलआईटी मिलाकर 112 कॉलेजों की 763 कॉलेज ब्रांचेंज की च्वाइस को भरने का विकल्प मिला है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि ज्वाइंस सीट काउंसलिंग का प्रथम मॉक सीट अलोकेशन 18 सितम्बर, रविवार को सुबह 11.30 बजे जारी किया जाएगा। मॉक सीट अलॉकेशन में 17 सितम्बर शाम 8 बजे तक जो विद्यार्थी अपनी कॉलेज च्वाइस भरेंगे, उनके आधार पर यह प्रथम मॉक सीट अलॉकेशन जारी किया जाएगा।

विद्यार्थी इन मॉक सीट आवंटन से अपनी कॉलेज ब्रांच मिलने का अनुमान लगा सकते है और उसके अनुरूप ही अपनी भरी हुई कॉलेज ब्रांच प्राथमिकता सूची में बदलाव भी कर सकते है। प्रथम राउंड का सीट आवंटन 23 सितम्बर को सुबह 10 बजे जारी किया जाएगा। यह काउंसलिंग प्रक्रिया 16 अक्टूबर तक छह चरणों में संपन्न होगी।

एएटी का परिणाम 17 सितम्बर को-एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया आईआईटी रूड़की ,खडगपुर और बीएचयू की आर्किटेक्चर ब्रांच के लिए करवाए गए एएटी परीक्षा: का परिणाम 17 सितम्बर को जारी किया जाएगा। विद्यार्थी इस तिथि के बाद ही इस परीक्षा को क्वालीफाई कर इन तीनों आईआईटी के लिए जोसा काउंसलिंग में आर्किटेक्चर ब्रांच को अपनी कॉलेज चॉइस की प्राथमिकता सूचि में भर सकते है

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। लोक सभाध्यक्ष ओम बिरला आज दोपहर में जोधपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका मंत्री शेखावत सहित राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, महापौर वनिता सेठ, ज़िला अध्यक्ष देवेन्द्र जोशी, देहात अध्यक्ष मनोहर पालीवाल, जगराम विशनोई सहित अनेक भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष बिरला शुक्रवार इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, नई दिल्ली से मध्याह्न 12.55 बजे प्रस्थान कर दोपहर 2.15 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे। जहां से वे सीधे सर्किट हाऊस पहुंचे। अपराह्न 3 बजे वे अमृतम् पैलेस में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में भाग लिया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला का मंत्री शेखावत सहित कई नेताओं ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया।

अमृतम पैलेस में आयोजित जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की नेशनल यूथ कॉन्क्लेव में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आजादी के बाद जो विकास कार्य हुए, उसमें जैन समाज का बहुत बड़ा योगदान है। दुनिया में कितनी बड़ी चुनौती आ जाए, हम हर आपदा से निपटने में सक्षम है। वे आज जीतो के यूथ कॉन्क्लेव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया में परिवर्तन की ताकत आपने देखी है। हर देश और वहां की बड़ी कंपनी में भारत के नौजवान प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत में 100 साल का भारत कैसा होगा इस विजन के साथ काम किया है। शाम को वे सालवाकलां के समीप पिलार बालाजी पहुंचे।

पीएचसी वार्ड बॉय के भरोसे

निवाई, (निसं)। राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरस में चिकित्सक व एएनएम का पद रिक्त होने से मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

सरपंच शिवजीराम जाट सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि चिकित्सा विभाग की अनदेखी के चलते स्वास्थ्य केन्द्र पर असुविधा बनी हुई है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त चिकित्सक का स्थानांतरण हो

- तबादले के छह माह बाद भी नहीं लगाया दूसरा डॉक्टर

जाने के 6 महीने बाद भी दूसरा चिकित्सक नहीं लगाया गया है। इसकी वजह से मरीजों को टोंक या निवाई जाना पड़ता है। पूर्व में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एक कंपाउंडर के भरोसे ही चल रहा था। जिसका भी एक माह पहले ट्रांसफर हो जाने से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरस अब वार्ड बॉय (चतुर्थ श्रेणी) कर्मचारी के भरोसे चल रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक लगाने के बजाय कार्यरत कम्पाउण्डर का भी ट्रांसफर करने के आदेश कर दिए हैं जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया है। स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम का पद भी 18 माह से रिक्त चल रहा है। जिसकी वजह से प्रसव पीड़ित महिलाओं को दूर-दराज में अन्यत्र ले जाना पड़ता है।

कार्यालय नगर पालिका लालसोट (दौसा)

Email ID : lalsot.jaipur@yahoo.com

क्रमांक-न.पा.ला./कृ.भू.रू./2022/3511 दिनांक-16/9/22

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका में निम्न आवेदकों द्वारा कृषि भूमि में पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है, यदि उक्त आवेदन पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	खसरा नं., कस्बा व कॉलोनी का नाम	वर्गगज	प्रयोजन
1	यश चौधरी पुत्र मोहनलाल चौधरी लालसोट	2179, 2195, 2209, 2210, 2189, 2187, 2193, 4397/2178, 2191, 2190, 2194, 2213 माधव नगर द्वितीय लालसोट	133.33	आवासीय
2	यश चौधरी पुत्र मोहनलाल चौधरी लालसोट	उपरोक्त	133.33	आवासीय
3	यश चौधरी पुत्र मोहनलाल चौधरी लालसोट	उपरोक्त	133.33	आवासीय
4	यश चौधरी पुत्र मोहनलाल चौधरी लालसोट	उपरोक्त	133.33	आवासीय
5	उषा देवी पत्नी मोहनलाल गुप्ता लालसोट	उपरोक्त	111.11	आवासीय
6	उषा देवी पत्नी मोहनलाल गुप्ता लालसोट	उपरोक्त	111.11	आवासीय
7	उषा देवी पत्नी मोहनलाल गुप्ता लालसोट	उपरोक्त	111.11	आवासीय
8	उषा देवी पत्नी मोहनलाल गुप्ता लालसोट	उपरोक्त	111.11	आवासीय
9	उषा देवी पत्नी मोहनलाल गुप्ता लालसोट	उपरोक्त	111.11	आवासीय
10	चमेली देवी पत्नी हजारीलाल सेठी झोटवाडा	उपरोक्त	133.33	आवासीय
11	राजेन्द्र कुमार पुत्र हजारीलाल सेठी झोटवाडा	उपरोक्त	133.33	आवासीय

उक्त आपत्ति आज दिनांक 16.9.22 को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

अध्यक्ष, नगरपालिका लालसोट अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका लालसोट

नहीं लगा लूटरों का सुराग

पावटा, (निसं)। वार्ड न. 6 नई सब्जी मंडी में सुगना देवी को गोली मारने व उसके बडे बेटे संतोष गुप्ता से मारपीट कर घायल कर लाखों रुपये के गहनो की लूट मामले में पुलिस 17 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लगा पाई है।

पुलिस इस मामले में अंधेरे में तीर चलाकर आरोपियों को गिरतार करने का प्रयास कर रही है। प्रागपुरा पुलिस को शक है कि कोई बहुत समय से रेकी कर रहा था। जिसके चलते पुलिस ने आस-पास में अंदर व बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली लेकिन फुटेज में भी कोई ऐसा सुराग हाथ नहीं लगा है कि किसी संदिग्धों पर शक जाहिर किया जा सके।

पुलिस हर घटना के बाद आरोपियों को जल्द पकडने का दावा करती है कि लेकिन गत वर्षों के दौरान हो रही चोरी, लूटपाट, फायरिंग के एक भी मामले का पुलिस खुलासा नहीं कर सही है। वृत्ताधिकारी वृत्त कोटपुतली डॉ. संध्या यादव ने बताया कि इस मामले में पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

ऑनलाइन भरना होगा आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त भर्ती परीक्षा 2021 के तहत मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम भरना होगा। आयोग की वेबसाइट पर सेवावार पदक्रम तथा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। ऑफलाइन भरे गए आवेदन व सेवा प्राथमिकता क्रम को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि 19 सितंबर से 3 अक्टूबर 2022 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम भरने का लिंक उपलब्ध रहेगा। निर्धारित समय के बाद इसके लिए कोई अवसर नहीं दिया जाएगा। आयोग द्वारा मुख्य परीक्षा का आयोजन 20 व 21 मार्च 2022 को किया गया था। इसके परिणाम की घोषणा 30 अगस्त 2022 को की गई

- आरएएस परीक्षा 2021: 19 सितंबर से 3 अक्टूबर तक उपलब्ध रहेगा लिंक

थी। मुख्य परीक्षा परिणाम में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों द्वारा उनकी एसएसओ आईडी में रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर माय रिक्रूटमेंट के अंतर्गत उपलब्ध डिटेल्ड फार्म कम स्क्रूटनी लिंक के माध्यम से विस्तृत आवेदन-पत्र व सेवा प्राथमिकता क्रम भरे जा सकेंगे। विस्तृत आवेदन पत्र एवं सेवा प्राथमिकता क्रम ऑनलाईन भरने के बाद ही साक्षात्कार में प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र एवं सेवा प्राथमिकता प्रपत्र फाइनल सब्मिट किये जाने के बाद कोई संशोधन स्वीकार्य नहीं होगा।

एमकॉम के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्विधालय अजमेर विश्वविधालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रम एम कॉम स्नातकोतर के 2022-23 प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविधालय प्रवेश समिति के कन्वेनर प्रो नीरज भार्गव के अनुसार बीकॉम पार्ट तर्तीय का परीक्षा परिणाम जारी होने के कारण अब छात्र करा संकेगे ऑनलाइन फीस जमा साथ ही जिन छात्रों द्वारा पार्ट तृतीय के मार्क्स ऑनलाइन उपलोड नहीं कर सके है, वो छात्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। इस के लिए एडिट आप्शन दिया गया है।

फीस जमा करने से पहले विभागाध्यक्ष छात्रों के मेरिट बनायेगा और छात्रों को पोर्टल पर वेरीफाई करेगा जैसे ही विभागाध्यक्ष छात्रों को पोर्टल पे वेरीफाई करेगा छात्र के पास फीस जमा करने का मैसेज आ जायेगा। इसके बाद छात्र विश्विधालय की वेब साइट पर अपने रेफरेंस नंबर से लॉग इन करके फीस जमा करा सकेगा।

बजरी माफिया के झगड़े के बाद धुंधाडा में बाजार बंद

झगड़े में एक युवक की हत्या कर दी गई

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती लूणी तहसील के धुंधाडा गांव में गुरूवार की देर रात बजरी माफियाओं के झगडे में एक युवक की हत्या कर दी गई। बाद में हत्या के आरोपी भाग गए। बुरी तरह जख्मी युवक को देर रात मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया मगर उसकी मौत हो गई। इधर रात से ही धुंधाडा गांव में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया। आज सुबह परिजन और रिश्तेदार के साथ कई ग्रामीण एमडीएम अस्पताल में जमा हो गए। इधर धुंधाडा गांव में भी बाजार बंद रहे। दोपहर तक एक आरोपी को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जाना सामने आया है। अन्य आरोपियों की तलाश चल रही है।

पुलिस ने बताया कि गुरूवार की देर रात 11 बजे के आस-पास गाडियों में सवार कुछ लोगों ने ओमाराम पटेल नाम के व्यक्ति की कार को टक्कर मारी थी। फिल्मी स्टाइल में इनके बीच में टकराव हुआ था। बाद में ओमाराम की गाडी खनन

- पुलिस ने सोहनराम नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया

क्षेत्र नदी में गिर गई। मगर ओमाराम गाडी में ही फंसा रह गया था। उसके साथ वाले घटना के बाद भाग गए थे। वापिस आकर देखा तो वह गाडी में फंसा हुआ बुरी तरह जख्मी हालत में मिला था। घायल ओमाराम पटेल की देर रात एक बजे मौत हो गई।

घटना के विरोध में धुंधाडा गांव में ग्रामीणों ने प्रतिष्ठानों को बंद रखे। धुंधाडा गांव में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोहनराम नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया गया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। आरंभिक पडताल में सामने आया कि लूनी क्षेत्र में बजरी के खनन को लेकर विवाद होता रहा है। रात में भी विवाद का कारण यही बना था।

[See Regulation 33(2)]

FORM NO. 14

Notice under Rule 2 of Second Schedule to the Income Tax Act, 1961.

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - JAIPUR

First Floor, Sudharma-II, Lalkothi Shopping Centre, Tonk Road, Jaipur-302015

Dispatch No. DRT/JP/5357 Date 13.09.22
R.C. No. 381/2021 Next date: 28.09.2022
KOTAK MAHINDRA BANK LIMITED ....Certificate Holder
Versus
PUNSUMI INDIA LTD ...Certificate Debtor

DEMAND NOTICE

To, **1. M/S. PUNSUMI INDIA LIMITED,** having its registered office at D16, Meera Marg, Bani Park, Jaipur 302016(Raj.) AND-Plant at B-320, Industrial Area, Bhiwadi, District-Alwar (Raj.) through its Chairman and Managing Director. **2. VISHNU KUMAR BHARGAVA,** S/o. (Late) Shri G.G. Bhargava, R/o. D-165, Durga Bari, Kanti Chandra Road, Bani Park, Jaipur (Raj.) AND-C-177, Ahilya Marg, Hanuman Nagar, Jaipur 302021 **3. VINESH KUMAR BHARGAVA,** S/o. (Late) Shri G.G. Bhargava, R/o. D-165, Durga Bari, Kanti Chandra Road, Bani Park, Jaipur (Raj.) AND-C-177, Ahilya Marg, Hanuman Nagar, Jaipur 302021 **4. STATE BANK OF INDIA**, having its Industrial Finance Branch, at Vijaya Building, 5th Floor, 17, Barakhamba Road, New Delhi 110001 AND-Branch office at Sanganeri Gate, Jaipur 302005 **5. I.F.C.1. LIMITED,** having its office at BOB Building, 16 Sansad Marg, New Delhi OR-IFCI Tower, 61, Nehru Place, New Delhi 110019 **6. I.C.I.C.I BANK LIMITED,** (Erstwhile The Industrial Credit and In Vestment Corporation of India Limited) having its office at ICICI Tower, North Tower (East Wing), Bandra Kuria Complex, Backbay Reclamation, Mumbai. **7. INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA**, having its head office at-IDBI Tower, W.T.C. Complex, Cuffe Parade, Mumbai-400005 and one of its Branch at-Anand Bhawan, 1st Floor, Sansar Chandra Road, Jaipur 302001 (Raj.) **8. LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA,** having its office at Yogakshema Jeevan Bima Marg, Mumbai 400020. **9. RAJASTHAN STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INVESTMENT CORPORATION LIMITED (RIICO),** having its office at Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Schema, Jaipur 302005 (Raj.) **10. H.D.F.C.,** having its office at Raman House, 169, Backbay Reclamation, Mumbai 400020 OR- 0-19-A, Ashok Marg, C-Schema, Jaipur (Raj.) **11. TIMES GUARANTEE LIMITED,** having its office at 'The Times of India' Building, Ground Floor, Dr. D.N. Road, Mumbai 400020.

In view of the recovery Certificate issued in O.A. No. 100/2004 passed by the Presiding Officer, DRT, Jaipur for an amount of **Rs. 3,61,94,879/- (RC amount) in words Rs. Three Crore Sixty One Lacs Ninety Four Thousands Eight Hundred and Seventy Nine) Rupees Only)** along with pendentelite and future interest thereon as per recovery certificate is due against you

1. You are hereby called upon to deposit the above sum within 15 days of the receipt of the notice, failing which the recovery shall be made as per Rules.
2. You are, hereby ordered to appear before the undersigned on **28.09.2022** at 11:00 AM.
3. In addition to the sum aforesaid, you will be liable to pay;
   a). Such interest as is payable for the period commencing immediately after this notice of the execution proceedings.
   b). All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this. notice and other process that may be taken for recovering the amount due,..

DETAILS OF AMOUNT IN THE RECOVERY CERTIFICATE DUE AGAINST YOU.

1. Recovery Certificate Amount	Rs. 3,61,94,879/-
2. Cost of suit	Rs. 1,51,486/-
3. Interest @10% p.a from 23.08:2004 till realization	Rs. 6,51,50,782/-
4. Amount Recovered after RC issued (if any)	Rs. Nill
5. Total Dues as on 23.08.2022	**Rs. 10,14,97,147/-**

Recovery Officer-II
Debt Recovery Tribunal, Jaipur

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेंस लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022
संपर्क नम्बर-7230013999-9874702021 ई-मेल-abhishek.kumar30@idfcfirstbank.com

परिशिष्ट-IV-ए
(नियम 8 (6) का प्रावधान देखें)
अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री की सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम 2002 के साथ सहपठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) के अधीन अचल सम्पत्तियों की बिक्री करने के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद् द्वारा जनसाधारण को तथा विशेष रूप से कालम (ii) के अनुसार ऋण ग्रहिता(ओ) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) को सूचित किया जाता है कि कालम (iii) के अनुसार नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित रखी गयी है, तथा इन सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड जो पहले आईडीएफसी बैंक लि.के नाम से जाना जाता था, के प्राधिकृत अधिकारी ने ले लिया है। इन सम्पत्तियों की बिक्री 08.10.2022 को "जहाँ है जैसी है", "जो कुछ है यह है" तथा "जो कुछ है वहाँ है" के आधार पर, जेसा नीचे वर्णित है, कालम (i) के अनुसार ऋणग्रहिता (ओं) तथा सह-ऋणग्रहिता (ओं) के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड पूर्व में आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था (पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड) को बकाया राशी की वसूली के लिये की जायेगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये क्रमशः आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वेब साइट पर उपलब्ध कराये गये लिंक, अर्थात http://idfcfirstbank.auctiontiger.net/EPROC को देखें।"

क्रम संख्या	(i) डिमांड नोटिस तिथि व राशि	(ii) ऋणग्रहिता (ओं) और सह-ऋणग्रहिता(ओं) के नाम	(iii) सम्पत्ति का पता	(iv) आरक्षित मूल्य राशि	(v) ईएमडी राशि	(vi) ईएमडी तथा दस्तावेज जमा कराने का अंतिम समय व तिथि (ऑनलाइन) तब/पहले	(vii) निलामी की तिथि व समय	सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि व समय
1	30.07.2021 को रूपये 31,59,996.83/-	भूपेन्द्र सिंह किरना सिंह	प्लाट नं.10-ए, क्षेत्रफल 672.22 वर्गगज, स्कीम "नहरिया का वास ग्रुप हाउसिंग", खसरा नं.683 एवं 684, ग्राम-नहरिया का वास, तहसील-चाकसू, जयपुर राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-रोड 60' चौडी, पश्चिम-अन्य भूमि, उत्तर-प्लाट नं.10-बी, दक्षिण-प्लाट नं.9	रूपये 15,00,000/-	रूपये 150000/-	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक
2	24.01.2020 को रूपये 23,07,972.59/-	मीना देवी भोलानाथ सिंह	सम्पत्ति प्लाट न. 63-8 (क्षेत्रफल 83.33 वर्गगज) करनी विहार-बी, जयपुर, राजस्थान-302013 का पूरा व पूरा व प्रत्येक भाग	रूपये 29,58,000	रूपये 295800/-	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक
3	03.01.2022 को रूपये 22,30,402.4/-	संजीव कुमार हेमा गूजर	रिहायशी प्लाट नं.22, क्षेत्रफल 90 वर्गगज, अर्थात 75.25 वर्गमीटर, गोविन्द नगर एक्स, कलवाड रोड, हाथोज, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-अन्य प्लाट, पश्चिम-रोड 30 फिट, उत्तर-प्लाट नं.23, दक्षिण-प्लाट नं.21	रूपये 19,13,000/-	रूपये 191300/-	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक
4	15.04.2021 को रूपये 13,60,289.29/-	श्री शक्ति सिंह श्री लाखन सिंह श्रीमती नीलम सिंह	फ्लैट नं. जी-4, क्षेत्रफल 750 वर्गफिट, ग्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं. ई-10, मंगलम सिटी, ग्राम हाथोज, कलवाड रोड, जयपुर, राजस्थान-302012 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है-पूर्व-प्लाट नं. ई-11, पश्चिम-प्लाट नं.ई-9, उत्तर-प्लाट नं.ई-12, दक्षिण-रोड 100 फिट	रूपये 13,17,000/-	रूपये 131700	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक
5	25.10.2019 को रूपये 13,63,127/-	अभिषेक भटनागर मीनाक्षी राय	फ्लैट नं. एस-201, दूसरी मंजिल, बी-90- रायल सिटी ब्लाक बी, कलवाड रोड, विनायक आशियाना 8वां, जयपुर राजस्थान-302012	रूपये 11,24,000/-	रूपये 1,12,400/-	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक
6	16.04.2021 को रूपये 12,44,632/-	रघुवीर सिंह श्रीमती ओम कंवर	फ्लैट/यूनिट नं. जी-2, क्षेत्रफल 715 वर्गफिट, ग्राउन्ड फ्लोर श्री सांवरिया रेजीडेन्सी, प्लाट नं.1-110, मंगलम सिटी विस्तार, ब्लाक-1, ग्राम पीथावास एवं निवारू (हाथोज), कलवाड रोड, जयपुर, राजस्थान-302012 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें निम्न है- पूर्व-प्लाट नं.1-105, पश्चिम-रोड 30 फिट, उत्तर-प्लाट नं.1-109, दक्षिण-प्लाट नं.1-111	रूपये 12,23,000/-	रूपये 1,22,300/-	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक
7	10.07.2021 को रूपये 10,37,537.59/-	मुकेश कुमार शर्मा नेहा शर्मा	फ्लैट नं. जी-1, क्षेत्रपल 637.89, सुपर बिल्ट अप एरिया, तथा 159.47 बिल्ट अप एरिया, कुल एरिया 797.36 वर्ग फिट, ग्राउन्ड फ्लोर, 'विजय लक्ष्मी रेजीडेन्सी', प्लाट नं. ए-76, रायल सिटी, ए-ब्लाक, ग्राम माचवा, कलवाड रोड जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-रोड 40' चौडी, पश्चिम-प्लाट नं.ए-86, उत्तर-प्लाट नं.ए-71 दक्षिण-प्लाट नं.ए-69	रूपये 11,50,000/-	रूपये 1,15,000/-	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक
8	19.04.2021 को रूपये 5,17,089/-	अब्दुल सईद शबाना बानो	फ्लैट नं.203, दूसरी मंजिल, ब्लाक-ए, ओरिक सिटी होम्स जयसिंहपुरा, जयपुर का पूरा व प्रत्येक भाग, क्षेत्रफल कारपेट एरिया 252.81 वर्गफिट और सुपर बिल्ट अप एरिया, 365.94 वर्गफिट, सीमायें है-उत्तर-अन्य भूमि, दक्षिण-अन्य भूमि, पूर्व-रोड 9 मीटर, पश्चिम-अन्य भूमि	रूपये 8,25,000/-	रूपये 82500	07.10.2022 को सायं 5.00 तक	08.10.2022 को प्रातः 11.00 से दिन में 1.00 तक	01.10.2022 को प्रातः 11 से सायं 4.00 तक

अस्वीकरण- कृपया ध्यान दें कि यह नोटिस केवल अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए जारी किया गया है तथा आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को चल सम्पत्तियों को बेचने का अधिकार नहीं है, यदि कोई, अचल सम्पत्ति पर मौजूद हो।

दिनांक- 15.09.2022
स्थान- राजस्थान

ह./- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड, पूर्व में आईडीएफसी बैंक के नाम से जाना जाता था
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट होम फायनेन्स लिमिटेड तथा कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड)

कुछ टीमें उसे पावरप्ले में इस्तेमाल करने के बारे में सोच सकती है और इस साल की नीलामी में उसके पीछे जा सकती है, जब तक कि वह खुद लीग से बाहर नहीं निकलता। मुझे यकीन है कि कुछ टीम इस साल की नीलामी में उसके लिए मोटी रकम देगी। - आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

उमेश यादव

टीम इंडिया के एक और स्टार प्लेयर का इंजरी हुई है। जिसके चलते उन्हें मौजूदा सीजन मैच से बाहर हो गए हैं। जानकारी के अनुसार दाएं हाथ के फास्ट उमेश यादव के जांघ में इंजरी हुई है। जिसके चलते उन्हें काउंटी चैम्पियनशिप सीजन का बीच में ही छोड़ना पड़ा। उमेश यादव के क्लब मिडिलसेक्स ने ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी है। मिडिलसेक्स ने ट्वीट किया, हमें यह घोषणा करते हुए दुख हो रहा है कि उमेश यादव सत्र के अंतिम दो मैचों के लिए मिडलसेक्स टीम में लौट नहीं पाएंगे क्योंकि वह अभी भी जांघ की चोट से उबर रहे हैं। आप जल्दी ठीक हों।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट इतिहास के 1877 में सबसे पहले टैस्ट में खेलने वाले एडवर्ड ग्रेगरी, उनके पुत्र सिड ग्रेगरी और उनके भतीजे जैक ग्रेगरी ने अपने टैस्ट जीवन की शुरुआत शून्य (0) से की।

मार्क बाउचर होंगे मुंबई इंडियंस के मुख्य प्रशिक्षक

मुंबई, 16 सितंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सत्र के लिये मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर को अपना हेड कोच नियुक्त किया है। विकेट-कीपर के तौर पर बाउचर का

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक बल्लेबाजों को शिकार बनाने का रिकॉर्ड है। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से रिटायरमेंट के बाद बाउचर क्रिकेट फ्रेंचाइजी 'टाइटन्स' के कोच के रूप में काम कर रहे थे। उनके कोच रहते टीम ने पांच घरेलू खिताब जीते। वर्ष 2019 में दक्षिण अफ्रीका ने बाउचर को हेड कोच बनाया, जहां उनके नेतृत्व में टीम ने 11 टेस्ट, 12 एकदिवसीय मैचों और 23 टी20 मैचों में जीत हासिल की। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम. अंबानी ने कहा, मुंबई इंडियंस में मार्क बाउचर का स्वागत है।मैदान पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और एक कोच के रूप में उन्होंने अपनी टीम को कई जीत दिलाई हैं। बाउचर ने कहा, मुंबई इंडियंस के हेड कोच के रूप में नियुक्त होना एक सम्मान और सौभाग्य की बात है। मुंबई इंडियंस खिलाड़ियों की एक मजबूत इकाई है जिसमें मैं अपना योगदान देने को तैयार हूं।

भारत-दक्षिण अफ्रीका एकदिवसीय मैच के लिये टिकटों की बिक्री शुरू

लखनऊ, 16 सितंबर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच छह अक्टूबर को लखनऊ में खेले जाने वाले पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिये टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुक्रवार शाम से शुरू हो गयी। दोनों टीमों के बीच तीन एक दिवसीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला लखनऊ के अटल बिहारी इकाना अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर खेला जायेगा। लगभग 50 हजार दर्शक क्षमता वाले स्टेडियम में मैच को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही हैं। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चटर्जी ने बताया कि यूपीसीए के टिकटिंग पार्टनर पेटीएम के जरिये आज शाम छह बजे से आनलाइन टिकटों की बिक्री शुरू की गयी है, जबकि ऑनलाइन खरीद में रुचि न रखने वाले दर्शकों के लिये टिकट विशेष तौर पर इकाना स्टेडियम के गेट नम्बर दो स्थित काउंटर से टिकट दो और तीन अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम सात बजे तक उपलब्ध होंगे। गौरतलब है कि वन-डे सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका मेजबान भारत के साथ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी जिसमें 28 सितंबर को तिरवंथपुरम, दो अक्टूबर को गुवाहटी और चार अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर मैच खेले जायेंगे। लखनऊ में पहला वन डे खेलने के बाद भारतीय टीम नौ अक्टूबर को रांची में और 11 अक्टूबर को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से लोहा लेगी।

भारत ने टी-20 विश्वकप के लिए चार तेज गेंदबाजों को रखकर जोखिम लिया : मिशेल

नयी दिल्ली, 16 सितंबर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन का मानना है कि टी20 विश्व कप के लिए भारत का संयोजन थोड़ा जोखिम भरा है क्योंकि टीम ने उछाल भरी पिचों के लिए कम तेज गेंदबाजों का चयन किया है। अनुभवी मोहम्मद शमी को स्टैंडबाय में रखने के कदम से कुछ विशेषज्ञों आश्चर्यचकित है। भारतीय चयनकर्ताओं ने भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह के साथ जसप्रीत बुमराह की अगुआई वाली चौकड़ी पर भरोसा जताया है।

जॉनसन ने 'लीजेंड्स् लीग क्रिकेट (एलएलसी)' के इतर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अगर आपने टीम में एक ऑलराउंडर (तेज गेंदबाजी), दो स्पिनर और चार तेज गेंदबाज को रखा है तो यह

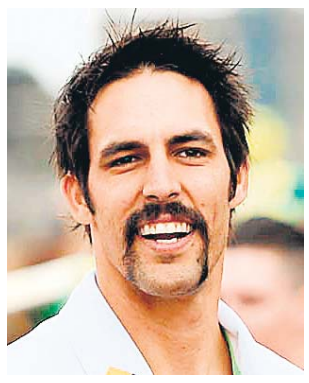

थोड़ा जोखिम भरा है। लेकिन भारत अंतिम एकदश में दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर (हार्दिक पांड्या) और दो स्पिनरों को खेलने पर विचार कर रहा है।" बायें हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, " ऑस्ट्रेलिया में आपको तीन तेज गेंदबाजों को टीम में रखना ही होगा। पर्थ की परिस्थितियों में चार तेज गेंदबाज रखने पड़ेंगे। मुझे लगता है उन्होंने योजना बनाकर टीम चुनी है लेकिन सिर्फ चार तेज गेंदबाजों के साथ जोखिम भरा हो सकता है।"

जॉनसन ने इस मौके पर किसी युवा को एकदिवसीय प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाने की मांग की। आरोन फिंच के एकदिवसीय से इस्तीफे के बाद टीम की कप्तानी को लेकर बहस छिड़ी है। गेंद से छेड़छाड़ के कारण प्रतिबंध झेल चुके स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर ने टीम का नेतृत्व करने की इच्छा जतायी है लेकिन जॉनसन ने कहा कि दोनों खिलाड़ी अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर है ऐसे में किसी युवा खिलाड़ी को टीम की कमान दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा, "पैट कमिंस (टेस्ट कप्तान) को सभी प्रारूपों की जिम्मेदारी देने से उनके काम का बोझ काफी बढ़ जायेगा। चयनकर्ताओं के मन में ग्लेन मैक्सवेल का नाम हो सकता है। अगर आप भविष्य को देखे तोकैमरून ग्रीन भी एक अच्छा विकल्प होगा। एक ऑलराउंडर के रूप में हालांकि उनके लिए पहले से काम का ज्यादा बोझ है। एक और विकल्प ट्रेविस हेड के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है।" उन्होंने कहा, "वॉर्नर और स्मिथ दोनों को कप्तान नहीं होना चाहिए। वह पहले की तरह अब भी टीम का मार्गदर्शन करना जारी रख सकते हैं। उनके कप्तान बनने से फिर से पुरानी चीजें (गेंद से छेड़छाड़ मुद्दा) पर चर्चा शुरू हो जायेगी।"

श्रीलंका ने विश्वकप टी-20 के लिये की टीम की घोषणा

कोलंबो, 16 सितंबर। आस्ट्रेलिया में अगले महीने खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप टूर्नामेंट के लिये श्रीलंका ने शुक्रवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। चोट की समस्या से जूझ रहे दुष्मांथा चामीरा और लहीरू कुमारा को टीम में जगह मिली है, हालांकि उन्हें टूर्नामेंट के लिये फिटनेस साबित करनी होगी। अशीन बंडारा, प्रवीण जयविक्रमा, दिनेश चांदीमल, बिनूरा फरनांडो और नुवांदू फरनांडो के नाम भी स्टैंडबाई खिलाड़ी के तौर पर शामिल किये गये है जबकि जयविक्रमा टीम के साथ आस्ट्रेलिया के लिये उड़ान भरेंगे।

हाल ही में संपन्न एशिया कप जीतने वाली श्रीलंका टीम के अधिकतर खिलाड़ियों को विश्व कप में खेलने का मौका दिया गया है। एशिया कप में पदार्पण करने वाले मथीशा पथिराना विश्व कप टीम में जगह बनाने से चूक गये हैं। एशिया कप टी-20 में अपनी छाप छोड़ने वाले बायें हाथ के गेंदबाज दिलशान मधुशंका ने विश्व कप टीम में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज चमीरा घुटने की चोट से अभी पूरी तरह नहीं उबर सके हैं और उनकी वापसी माह के अंत में होने वाले फिटनेस टेस्ट से तय होगी। इसी तरह चोटग्रस्त लहीरू कुमारा के भी खेलने को लेकर संशय बरकरार है।

श्रीलंका की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:- दासुन शनाका (कप्तान), दनुष्का गुणथिलका, पथुम निस्सांका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, भानुका राजपक्षे, धनंजया डी सिल्वा, वनिन्दु हसरंगा, महेश थीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, चमिका करुणारत्ने, दुष्मंथा चमीरा (फिटनेस के अधीन), लहीरू कुमारा (फिटनेस के अधीन), दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन स्टैंडबाई :- अशीन बंडारा, प्रवीन जयविक्रमा, दिनेश चांदीमल, बीनूरा फरनांडो, नुवांदू फरनांडो।

विश्व कुश्ती: ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया पदक की दौड़ से बाहर

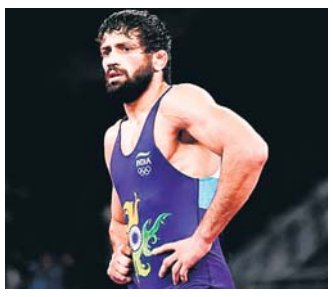

बेलग्रेड, 16 सितंबर। भारतीय ओलंपिक रजत पदक विजेता रवि दहिया शुक्रवार को यहां 57 किग्रा क्वालीफिकेशन दौर में उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुलाएव से हारकर कुश्ती विश्व चैम्पियनशिप में पदक की दौड़ से बाहर हो गये। वहीं नवीन ने 70 किग्रा के रेपेशाज के शुरूआती दौर में उज्बेकिस्तान के दुनिया के चौथे नंबर के सिरबाज तलगट को 11-3 से हराकर कांस्य पदक मैच में प्रवेश किया। दुनिया के दूसरे नंबर के पहलवान दहिया एकतरफा मुकाबले में अब्दुलाएव से तकनीकी श्रेष्ठता (0-10) से हार गये।

दहिया कांस्य पदक के रेपेशाज दौर में नहीं खेलेंगे क्योंकि अब्दुलाएव अल्बानिया के पहलवान जेलिमखान अबाकारोव से हार गये। वहीं नवीन की जीत ने सीधे उन्हें कांस्य पदक के मैच में पहुंचा दिया क्योंकि उनके अगले दौर का प्रतिद्वंद्वी इलियास बेकबुलातोव (उज्बेकिस्तान) चोट के कारण नहीं खेल सका। दहिया ने पहले दौर में रोमानिया के राजवान मरियन को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया था।

वह दुनिया के 30वें नंबर के अब्दुलाएव से बीते समय में भी कई बार हार चुके हैं। वहीं अब्दुलाएव ने फरवरी में इस्तांबुल में (यासर डोगू 2022) यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता में दहिया से मिली हार का बदला चुकता किया। उज्बेकिस्तान का पहलवान हालांकि अबाकारोव के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सका। राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन नवीन का सामना शुक्रवार रात को कांस्य पदक के मैच में अर्नाजार अकमातालिएव से होगा।

ट्रेवर बेलिसस होंगे पंजाब किंग्स के हेड कोच

मोहाली 16 सितंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले संस्करण में ट्रेवर बेलिस पंजाब किंग्स के हेड कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। अनिल कुंबले के फ्रेंचाइजी से अलग होने के करीब एक महीने बाद शुक्रवार को यह घोषणा की गयी। वर्ष 2019 में विश्व कप विजेता इंग्लैंड की जीत में बेलिस का अहम योगदान रहा है। वह 2012 और 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल खिताब दिलाने में भी सफल रहे थे। उस समय हालांकि वह सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा थे। इसके अलावा बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर की खिताबी जीत में बेलिस के योगदान को नजरअंदाज नहीं जा सकता। बेलिस सनराइजर्स हैदराबाद के कोच रह चुके है। वर्ष 2020 में उनके कोच रहते टीम ने आईपीएल में तीसरा स्थान हासिल किया था हालांकि पिछला साल उनके लिये सुखद नहीं रहा जब उनकी टीम 14 मुकाबलों में मात्र तीन में ही जीत हासिल कर सकी। अपनी नयी भूमिका के बारे में बेलिस ने कहा, पंजाब किंग्स का कोच नियुक्त होने पर मैं गर्व महसूस कर रहा हूं।

पांड्या के विकल्प के तौर पर

भारत 'ए' में हरफनमौला बावा को मौका

मुंबई, 16 सितंबर। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीन एक दिवसीय मैचों की श्रृंखला में चेन्नई में 22 सितंबर को खेले जाने वाले पहले मुकाबले में तेज गेंदबाज हरफनमौला राज अंगद बावा को संजू सैमसन की अगुवाई वाली भारत ए टीम में शामिल किया गया है।

भारत को अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले बावा कातिलाना गेंदबाजी और धाकड़ बैटिंग में माहिर हैं। उन्होंने चंडीगढ़ के लिए सिर्फ दो रणजी मैच खेले है लेकिन समझा जाता है कि चेतन शर्मा की अगुवाई वाली चयन समिति हार्दिक पांड्या के लिए विकल्प तैयार करना चाहती है क्योंकि पिछले लंबे समय से भारत तेज गेंदबाजी की समस्या से जूझ रहा है। फिरकी गेंदबाजी के हरफनमौला खिलाड़ियों की तुलना में भारतीय टीम में तेज गेंदबाजी में हस्त हरफनमौला खिलाड़ियों की कमी नजर आती है।

भारतीय टीम के पास अक्षर पटेल, रवि अश्विन जैसे बहुत सारे स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर विकल्प हैं, लेकिन अच्छे निचले मध्य क्रम वाले तेज गेंदबाजों की तलाश है। ऐसे में माना जा रहा है कि भारतीय चयनकर्ता राज अंगद बावा को आजमाना चाहते हैं। विजय शंकर और शिवम दुबे जैसे ऑलराउंडर पिछले लंबे वक्त से खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। शायद यही वजह है कि चयनकर्ता अब राज अंगद बावा पर दांव लगाने के मूड में हैं।

रिकी भुई का शतक, दक्षिण क्षेत्र ने 630 रन पर घोषित की पारी

सलेम (तमिलनाडु), 16 सितंबर। रिकी भुई के नाबाद 103 रन और बाबा इंद्रजीत के अर्धशतक से दक्षिण क्षेत्र ने शुक्रवार को यहां दलीप ट्राफी के सेमीफाइनल मैच के दूसरे दिन उत्तर क्षेत्र के खिलाफ पहली पारी आठ विकेट पर 630 रन के विशाल स्कोर पर घोषित की। इसके जवाब में उत्तर क्षेत्र ने स्टंप तक बिना किसी नुकसान के 24 रन बना लिये थे। प्रतिभाशाली युवा यश धुल आठ और मनन वोहरा 11 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण क्षेत्र ने रात के दो विकेट पर 324 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और उसके बल्लेबाजों ने जमकर रन बटोरे। कप्तान हनुमा विहारी ने रात के 107 रन को बढ़ाकर 134 रन किया और इंद्रजीत (65 रन) के साथ अपनी भागीदारी 105 रन की कर ली।

राजधानी

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को भाजपा सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी : डॉ. पूनिया

'सभी जिला, मंडल और बूथों पर जरूरतमंदों की सेवा के ऐतिहासिक कार्य होंगे'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को भाजपा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़े के रूप में मनाएगी। इस दौरान विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा के कार्य किए जाएंगे। भाजपा देशभर में संगठन की संरचना, सामाजिक सरोकार और लोकहित के मुद्दों पर जागरण इत्यादि प्रमुख विषयों पर निरंतरता के साथ कार्य करती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निर्देश पर भाजपा देशभर में सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने का संकल्प लिया है, नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी बापू के जन्मदिन 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़े के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए संकल्पित है। 17 सितंबर को प्रदेश के सभी जिलों में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन होगा, सर्वश्रेष्ठ जिलों के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के आयोजकों का सम्मान किया जाएगा, 18 सितंबर को सभी जिलों में दिव्यांगों को कृत्रिम अंग एवं उपकरणों को वितरित करने के कार्यक्रम रहेंगे और सर्वश्रेष्ठ आयोजकों को सम्मानित किया जाएगा। 19 सितंबर को टीकाकरण केंद्रों पर स्टाल लगाई जाएगी, सेवा के कार्यक्रम होंगे और

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने शुक्रवार को प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान सांसद रामचरण बोहरा भी मौजूद रहे।

आवश्यकतानुसार लोगों का टीकाकरण केंद्र तक लाने एवं ले जाने की व्यवस्था की जाएगी। मोदी सरकार ने 2025 तक भारत को टीवी मुक्त देश बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, इसको लेकर 20 सितंबर को पूरे देश में नि:क्षय मित्र कार्यक्रम के माध्यम से टीवी को पूरे देश से समाप्त करने का संकल्प लेंगे और जन भागीदारी के तहत इस बीमारी से ग्रसित व्यक्ति को प्रत्येक मंडल एवं वार्ड स्तर पर रोगी को गोद लेकर उनके भोजन, पोषण और आजीविका के संबंध में सेवा के कार्य होंगे। 21 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कृतित्व व्यक्तित्व पर प्रदेश एवं जिला स्तर पर प्रदर्शनी लगाई जाएंगी, यह प्रदर्शनी नमो एप पर भी उपलब्ध रहेगी। मोदी 20 पुस्तक सहित मोदी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व जुड़े प्रमुख साहित्य की पुस्तकें शामिल होंगी। प्रदेश में लंबी डिजीज का प्रकोप चल रहा है, ऐसे में 22 और 23 सितंबर को सभी मंडलों में गौ सेवा के रूप में गौ माता की सेवा, उनके स्वास्थ्य और टीकाकरण को लेकर सेवा कार्य होंगे, साथ ही वर्षा जल संरक्षण को लेकर पारंपरिक तरीके और नवाचारों को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा, सभी बूथों पर लक्ष्य निर्धारित कर प्रो प्लेनेट पीपल कार्यक्रम के तहत पौधारोपण के कार्य होंगे, जिनके वीडियो सोशल मीडिया और नमो ऐप पर साझा होंगे और सर्वश्रेष्ठ मंडलों को सम्मानित किया जाएगा, इस अभियान

- 'पूरे राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन होगा'

में विशेषकर पीपल के पौधारोपण कार्य होंगे। 24 और 25 सितंबर को प्रदेश एवं जिले के पदाधिकारी बूथों पर प्रवास करेंगे, एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल जी की 25 सितंबर को जयंती है, इस अवसर पर कमल उत्सव मनाया जाएगा।

इसी प्रकार 25 सितंबर को प्रत्येक बूथ पर पंडित दीनदयाल जी को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व पर चर्चा और झंडा एवं स्टीकर वितरण और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा। 26 सितंबर को सभी जिलों में एक भारत श्रेष्ठ भारत इस संदेश के रूप में उत्सव मनाया जाएगा, प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी अपने क्षेत्र व संस्कृति के साथ विविधता में एकता का उत्सव मनाएंगे। 27 सितंबर को आत्मनिर्भर भारत की सफलता की कहानी वोकल फॉर लोकल के माध्यम से पूरे देश और समाज तक पहुंचानी है, स्थानीय उत्पादों और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिला और मंडल पदाधिकारी एक अभियान के रूप में लोकल उत्पाद खरीदेंगे, और बेहतरीन कार्य करने वाले जिला अध्यक्षों को सम्मानित किया जाएगा। 28 से 30 सितंबर तक प्रत्येक जिले में प्रबुद्धजन एवं बुद्धिजीवी सम्मेलन होंगे।

पीडब्ल्यूडी मंत्री के अपने जिले की सड़कें टूटी हैं : शेखावत

जयपुर। राजस्थान की खस्ताहाल सड़कों को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सरकार पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि जहां पीडब्ल्यूडी मंत्री के अपने जिले की हजार किमी तक की सड़कें टूटी हों, वहां कहां-कहां नजरें दौड़ाएं। शुक्रवार को अपने बयान में शेखावत ने कहा कि सवालों पर राज्य सरकार अपनी सारी नाकामियां केंद्र पर डाल देती है, यह जनता की आंख में धूल झोंकना है। उन्होंने कहा कि मैं देखता हूं जोधपुर जिले की सड़कें दीपावली से पहले तक ठीक होती हैं या नहीं? नहीं तो जितने गड्ढे मिलेंगे, उतने सवाल उठाऊंगा।

कोटा में युवक के थाने में खुद को आग लगाने की घटना पर शेखावत ने कहा कि आत्महत्या का समर्थन किसी भी स्थिति-परिस्थिति में नहीं किया जा सकता, किंतु नयापारा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के आत्मदाह के प्रयास के पीछे कांग्रेस पार्षद का नाम सामने आना गंभीर जांच और शासन-प्रशासन के लिए चिंतन का विषय है। राज्य में साधु-संतों से लेकर आमजनमानस तक यह मानसिकता क्यों बनी है कि खुदकुशी की कोशिशें हो रही हैं?

विधेयक पारित करने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। वकीलों ने विधानसभा के आने वाले सत्र में अधिवक्ता कल्याण कोष संशोधन को पारित करने की मांग की है। बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विधि विभाग के निवर्तमान अध्यक्ष सुशील शर्मा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

अधिवक्ता सुशील शर्मा ने बताया कि विधेयक में जो भी कमियां व आपत्तियां थी, उस पर विधि सचिव के साथ बार कौंसिल की बैठक हो चुकी है।

संक्षिप्त

रामविलास निर्विरोध अध्यक्ष बने

लालसोट, (निसं)। किसान ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष पद पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य रामविलास खेमावास को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। लालसोट ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित रामविलास शर्मा खेमावास पहले पूर्व सरपंच रह चुके हैं एवं विगत चार दशकों से कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

गायों के लिए दवाई भेंट की

टोंक, (निसं)। सिर्फ व्हाट्सप पर गत 9 वर्षों से संचालित सेवाभावी मित्रों के ग्रुप 'मोदी फेन्स क्लब' द्वारा शुक्रवार को गांधी गौशाला में 4 इंजेक्शन सेट की 1 हजार 100 डोज गौमाता के लिए भेंट की। उल्लेखनीय है कि लम्पी रोग के प्रकोप को देखते हुए गौमाता के जीवन मरण का प्रश्न बन चुका है। ऐसी विषम परिस्थिति को देखते हुए 77 मित्रों के व्हाट्सप ग्रुप मोदी फेन्स क्लब टोंक ने 5 हजार 100 गौ माताओं के टीका लगवाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके तहत 1 हजार 100 गौ माताओं की पहली डोज गो शाला के संरक्षक अभय मल बम्ब एवं गो सेवक राम किशन कहालिया को सुपुर्द की गई। यह इंजेक्शन गांधी गो शाला समिति के निर्देशन में लगाये जायेंगे।

आज 4 घंटे बिजली बंद रहेगी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड श्रीमाधोपुर के सहायक अभियंता भावेश कुमार गुप्ता ने बताया की शनिवार को सुबह 7 से 11 बजे तक 132 केवी जीएसएस जालपाली श्रीमाधोपुर व 132 केवी जीएसएस थोई तथा इनके अधीन आने वाले जीएसएस तीजावाला जोहड़ा, श्रीमाधोपुर, डेरारामसागर, हॉसपुर, बस्सी, जोरावरनगर, कंचनपुर, तिवाड़ी की ढाणी, निमड़ावाली, खेड़ी, मऊ, बागरियावास, नांगल, पृथ्वीपुरा, होल्याकाबास व इनके आस पास के गांव व ढाणीयो की विधुत आपूर्ति मेंटेनेंस कार्य हेतु बंद रहेगी।

भजन संध्या आज

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा नगर पालिका के तत्वावधान में स्कूल खेल मैदान में लम्पी रोग का उपचार करने के लिए बनाए गए क्वॉरेंटाइन सेंटर पर गौवंश के स्वास्थ्य लाभ के लिए महिला मण्डल के द्वारा शनिवार को सायं 5 से 7 बजे तक हरिकीर्तन एवं भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। साथ ही मण्डल की ओर से गौ माता के स्वास्थ्य लाभ के लिए भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। उपरोक्त जानकारी गौ सेवक अमर चन्द सैनी के द्वारा दी गई।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम अनिता कुमारी जांगिड़ से बदलकर वैभवी प्रकाश रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम से ही जाना पहचाना जावे।

I, Harmon Singh Rohil S/o Mahendra Singh Rohil, R/o HE-720 Vishwamitra Marg, Hanuman Nagar Extension, Jaipur. Harmon Rohil and Harmon Singh Rohil is the same person. I shall be known as Harmon Singh Rohil in all official documents. Both have been recognized by Notary Public Affidavit dated 06.09.2022.

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-तृतीय **राजस्थान आवासन मण्डल**
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, दूरभाष संख्या : 0141-4901853
आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-13/1045 मालवीय नगर, जयपुर क्षेत्रफल 107.310 वर्ग मीटर का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र कमांक 4169 दिनांक 06.02.1999 श्री अनूप चन्द मंगल के पक्ष में जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 10.02.1993 जारी किया गया। श्री अनूप चन्द मंगल की मृत्यु दिनांक 17.12.2020 को हो जाने के कारण श्री अनुराग मंगल पुत्र स्व. श्री अनूप चन्द मंगल के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवास/फ्लैट का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- **श्री अनुराग मंगल पुत्र स्व. श्री अनूपचन्द मंगल** के पक्ष में उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

बुजुर्ग महिला फरियादी को सुनाई नहीं दिया तो कलेक्टर ने मौके पर लगवाई मशीन

अलवर, (निसं)। त्रि-स्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आज जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित हुई।

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनसुनवाई में आए सारे प्रकरणों का परीक्षण कर संबंधित अधिकारी यथाशीघ्र गुणात्मक निस्तारण करें। प्रकरणों को बिना वजह लंबित रखना पाया जाएगा तो संबंधित

■ **त्रि-स्तरीय जनसुनवाई में 236 व्यक्तियों ने परिवेदनाएं प्रस्तुत की**

अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जनसुनवाई के दौरान फरियादी को ससम्मान कुर्सी पर बैठाकर जिला कलक्टर ने उनकी परिवेदनाओं को सुना। जिला कलेक्टर के समक्ष जिलेभर से आए 236 फरियादियों ने अपनी परिवेदना प्रस्तुत की। जिनमें मुख्य रूप से राजस्व, नगर परिषद, यूआईटी, पंचायती राज, जलदाय विभाग, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चिकित्सा, रसद, श्रम विभाग आदि की परिवेदनाएं थी।

जिले के विभिन्न स्थानों से आने वाले फरियादियों की परिवेदना की संबंधित अधिकारी से सीधी बात कर परिवेदना की स्थिति जानने के लिए ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोडा गया। जनसुनवाई स्थल पर फरियादियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन की ओर से हैल्प डेस्क लगाई गई जिस पर फरियादियों को हाथों-हाथ रसीद दी गई। इसी प्रकार दिव्यांगजनों के लिए सक्षम हैल्प डेस्क लगाई गई तथा छाया, पेयजल एवं बैठने की माकूल व्यवस्था की गई। साथ ही फरियादियों को निःशुल्क मास्क उपलब्ध कराए गए तथा सैनेटाइजर की व्यवस्था की गई। इस मौके पर शाहजहांपुर निवासी 97 वर्षीय फरियादी मायादेवी ने पेंशन से संबंधित फरियाद जिला कलेक्टर दी।

जिला कलेक्टर ने मायादेवी से इस संदर्भ में बातचीत की तब फरियादी को सुनाई नहीं दिया, तो जिला कलेक्टर ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक को निर्देश दिये और कुछ समय में ही फरियादी मायादेवी को तत्काल कानों की मशीन उपलब्ध करा दी गई। इसके उपरान्त जिला कलेक्टर ने उनसे पूछा कि माताजी अब आवाज आ रही है तो फरियादी मायादेवी ने कहा कि हां अब आवाज आ रही है। फरियादी मायादेवी तत्काल कानों की मशीन मिलने पर अभिभूत नजर आई। फरियादी की पेंशन का प्रकरण की भी मौके पर जांच कराई जिससे फरियादी संतुष्ट नजर आई।

जनसुनवाई में शहर विधायक संजय शर्मा, नगर परिषद के सभापति धनश्याम गुर्जर तथा जिला परिषद की सीईओ डॉ. अर्तिका शुक्ला, यूआईटी की सचिव डॉ. मंजू, एडीएम प्रथम अखिलेश कुमार पिपल, एडीएम द्वितीय वन्दना खोरवाल, एडीएम शहर ओ.पी सहारण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश कुमार खिंची सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अलवर में जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी (दाएं) की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित हुई।

हत्या का तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने विगत 11 सितम्बर को ग्राम नांगडीवास निवासी एक 27 वर्षीय युवक की मोबाईल को लेकर हुई हत्या की वारदात का खुलासा करते हुए मामले में जहां पूर्व में दो जनों को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं उक्त घटनाक्रम में पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की है।

■ **नांगड़ीवास में मोबाइल को लेकर हुई हत्या का मामला**

आपको बता दें कि आरोपियों ने युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। जिसके बाद मृतक को निकटवर्ती बानसूर कस्बे के सरकारी अस्पताल में ले जाकर पटक दिया था। अस्पताल प्रशासन के बानसूर थाना पुलिस को सूचना दिये जाने पर पूरा मामला सामने आया था। इस सम्बंध में एसएचओ सवाई सिंह ने बताया कि घटनाक्रम के बाद बानसूर अस्पताल में ही मृतक के बडे भाई महेन्द्र पुत्र मातादीन गुर्जर निवासी कसानों की ढाणी, नांगडीवास ने रिपोर्ट पेश कर मामला दर्ज करवाया था। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए विशेष टीम का गठन कर जांच शुरू की विगत 13 सितम्बर को घटनाक्रम के दो मुल्जिम क्रमशः कसानों की ढाणी, नांगडीवास निवासी विक्रम पुत्र सुरेश चंद गुर्जर व राहुल पुत्र धोलाराम गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि घटना का तीसरा अभियुक्त कृष्ण गुर्जर जो घटनाक्रम वाले दिन ही बानसूर अस्पताल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उक्त आरोपी कृष्ण पुत्र विसराम उर्फ बसावन गुर्जर निवासी कसानों की ढाणी तन नांगडीवास को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है।

श्रीमाधोपुर में एस.बी.एन. महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ एस.के सामोता एवं सचिव इंजिनियर प्रदीप धायल के नेतृत्व में विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। इसी तरह महात्मा गांधी पीजी महाविद्यालय में सुशीला देवी एनएसएस प्रभारी यूनिट प्रथम व गोविंद कुमावत एनएसएस प्रभारी यूनिट द्वितीय के नेतृत्व में सभी संकाय के विद्यार्थियों ने प्रातः काल मानव श्रृंखला बनाकर पर्यावरण संरक्षण व ओजोन परत को बचाने का संदेश दिया।

अतिक्रमण के कारण नहीं हो रही नाले की सफाई

किशनगढ़ बास, (निसं)। सीएम अशोक गहलोत की बजट घोषणा में मंजूर किए गए किशनगढ़ बास में राजकीय कन्या महाविद्यालय के भूमि आवंटन और शहरी सड़क योजना के तहत बाजार की अधर झूल में अटकी सड़क को लेकर पीडब्ल्यूडी अभियंता और नगर पालिका ईओ में ठनी है।
दो विभागों के बीच सरकार के विकास को लेकर चल रहे पत्राचार में बात यहां तक पहुंच चुकी है कि सहायक अभियंता की ओर से लिखे गए पत्र पर पालिका अधिकारी ने यह टिप्पणी करते हुए वापस लौटा दिया की पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता का कार्यालय किशनगढ़ बास में है इसलिए अधिशासी अभियंता कार्यालय से पत्राचार करें।
पीडब्ल्यूडी सहायक अभियंता हितेश गुप्ता ने नगर पालिका अधिकारी को 6 सितंबर को पत्र भेजकर कहा मुख्यमंत्री योजना के तहत मुख्य बाजार में सड़क का निर्माण कराया गया है। बाजार में

■ **बजट घोषणा में आवंटित सड़क अधर झूल में लटकी**

सड़क के नीचे दबे 50 साल पुराने नाले के अवरुद्ध होने के कारण शहर के गंदे पानी निकासी अवरुद्ध हो रही है जिसको लेकर सड़क का कार्य बीच में अटका हुआ है। पूर्व में अवगत कराया जा चुका है कि सड़क निर्माण के साथ नाली निर्माण सम्मिलित नहीं है। इसके बाद भी नगर पालिका की ओर से सड़क के नीचे दबे नाले को नहीं खुलवाया जा रहा है।

पालिका अधिकारी ने समस्या का समाधान करने की बजाय पीडब्ल्यूडी अभियंता की ओर से भेजे गए मूल पत्र को ही वापस भेज दिया और मूल पत्र पर लिखा की किशनगढ़ बास में अधिशासी अभियंता कार्यालय स्थापित हो चुका है इसलिए पत्राचार अधिशासी अभियंता कार्यालय से करें। इसके जवाब में पीडब्ल्यूडी अभियंता ने 12 सितंबर को नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखकर कहा है अधीक्षण अभियंता खंड स्तरीय है और आप ब्लॉक स्तरीय अधिकारी हैं। कार्य में विलंब होता है तो उसके लिए आप पूर्णता जिम्मेदार रहेंगे तथा विभाग की ओर से कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों को लिखा जाएगा।

वहीं अभिभाषक संघ अध्यक्ष एवं पूर्व सरपंच अजय चौधरी की ओर से शहर में अतिक्रमण के चलते गंदे पानी की निकासी अवरुद्ध होने की समस्या को लेकर राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायत मामले में निकाय उप निर्देशक रेणु खंडेलवाल ने 9 सितंबर को ईओ नगर पालिका किशनगढ़ बास को पत्र भेजकर शिकायत का निस्तारण करते हुए की गई कार्रवाई से संबंधित दस्तावेज संपर्क पोर्टल पर अपलोड करने के लिए निर्देशित करते हुए शिकायत का निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।

डोटासरा के बयानों के निकल रहे कई सियासी मायने

लालसोट, (निसं)। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल कूद प्रतियोगिता के अवलोकन कार्यक्रम के बाद लालसोट में अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मैदान में आयोजित हुई आमसभा के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मौजूदगी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा के लिए मुख्यमंत्री पद के बाद दूसरे नंबर का सबसे बड़ा कद का संबोधन मौजूदा समय में सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पीसीसी चीफ डोटासरा के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा के पद को लेकर यह संबोधन एवं दिया गया वक्तव्य एवं बयानों से कई सियासी मायने निकल रहे हैं जो चर्चा का विषय बने हुए हैं। मौजूदा समय में सीएम गहलोत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मुख्यमंत्री के चेहरे की तलाश आम लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं पीसीसी चीफ डोटासरा के मुख्यमंत्री गहलोत की मौजूदगी में परसादी लाल मीणा के लिए दिया गया यह बयान कई मायनों से जोड़कर देखा जा रहा है। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा के लिए दिए गए इस बयान के मायने मुख्यमंत्री के संभावित चेहरे के रूप में भी निकाले जा रहे हैं।

वही पीसीसी चीफ डोटासरा के इस बयानों के बाद अगर अशोक गहलोत मुख्यमंत्री पद छोड़ते हैं तो किसी जाट एवं ब्राह्मण चेहरे को मुख्यमंत्री पद पर ताजपोशी हो सकती है यह भी चर्चा का विषय बना रहा। वहीं चर्चा का विषय रहा कि लंबे समय से मुख्यमंत्री पद के दावेदार सचिन पायलट को मुख्यमंत्री पद से दूर रखने के लिए भी गहलोत गुट प्रयासरत है। बहरहाल राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी कि अशोक गहलोत का मुख्यमंत्री पद छूटता है अगर छूटता है तो राजस्थान प्रदेश में मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे कौन से होंगे आने वाले समय में ही स्पष्ट हो पाएगा।

सहकारी संघ के पुष्पा मीणा अध्यक्ष व धीरसिंह उपाध्यक्ष बने

पावटा, (निसं)। सहकारी समिति पावटा के शुक्रवार को सहकारी संघ के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का चुनाव जोरदार टक्कर के बीच संपन्न हुआ। इस दौरान चुने सदस्यों ने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के उमीदवारों के लिए मतदान किये और सर्वसमति से उनका चयन किया। चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा।

पावटा सहकारी समिति निर्वाचन अधिकारी मुकेश स्वामी, सहायक व्यवस्थापक मुकेश सैनी की देखरेख में चुनाव हुआ। उन्होंने बताया कि सहकारी समिति पावटा से पुष्पा मीणा, मामराज, नरपत सिंह, राजेंद्र, बृजमोहन ने अध्यक्ष पद के लिए व उपाध्यक्ष पद के लिए धीरसिंह, सोणाराम, विवेक गोयल ने अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं जीते हुए कुल 12 सदस्यों ने मिलकर मतदान करते हुए जहां अध्यक्ष पद के लिए पुष्पा मीणा व नरपत सिंह के बीच टक्कर रही। जहाँ दोनों को 6-6 मत प्राप्त हुए। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए सोणाराम व धीरसिंह में टक्कर रही। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव टाई हो गया। जिस पर पर्ची डाली गई। जिसको एक 4 साल की बच्ची दिव्यांशी शर्मा ने पर्ची निकालकर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के भाग्य का फैसला करते हुए पुष्पा मीणा पत्नी कन्हैयालाल मीणा को अध्यक्ष व धीरसिंह को उपाध्यक्ष घोषित किया।

जीत के बाद पावटा सहकारी संघ के अध्यक्ष पुष्पा मीणा (बीच में) व उपाध्यक्ष धीरसिंह बाएं।

■ **4 साल की बच्ची ने पर्ची निकालकर किया फैसला**

■ **प्रायगपुरा सहकारी संघ के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह व उपाध्यक्ष नरसी यादव बने**

वहीं प्रागपुरा सहकारी समिति में अध्यक्ष पद के लिए उपेंद्र सिंह व दौलतराम सैनी के बीच टक्कर रही। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए नरसी यादव व श्याम सुंदर चावला के बीच टक्कर रही। जहां अध्यक्ष उपेंद्र सिंह व उपाध्यक्ष नरसी यादव को घोषित किया गया। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। परिणाम घोषित होने के बाद समर्थकों में जीत की काफी खुशी रही वही उन्होंने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुह मीठा करवाया।

अधेड़ का शव पेड़ में लटका मिला

नारायणपुर, (निसं)। शुक्रवार को एक 45 साल के व्यक्ति का शव पहाड़ियों में छीला के पेड पर प्लास्टिक की रस्सी से लटके हुए मिलने से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई। मृतक व्यक्ति की पहचान लट्टा राम गुर्जर पुत्र रामकुंवार जाति गुर्जर निवासी बीसा का बास तहसील थानागाजी के रूप में हुई है। वहीं परिजनों को मृतक के प्राइवेट पार्ट में खून निकलना मिला है। जिससे उन्होंने हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार लट्टा राम पिछले 20 वर्षो से मौजनाथ गौशाला निमडिया में गायों की सेवा में कार्य कर रहा था। सुबह जब उनका बेटा सचिन गौशाला की तरफ दौड़ करने गया तो गौशाला कर्मचारी के द्वारा उनके पिता लट्टा राम का शव पेड़ पर लटके होने की जानकारी दी। ग्रामीणों की सूचना के बाद थानागाजी सीओ आदित्य पुनिया ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। व्यक्ति की मौत की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने अलवर से मोबाइल फोरेनसिस यूनिट और डॉग स्क्वायड टीम को बुलाकर घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए। मृतक के बड़े बेटे ने हत्या का मुकदमा दर्जा कराया है।

सार-समाचार

'गायों की रक्षा करना सभी का धर्म'

विराट नगर, (निसं)। प्रदेश के गौवंश में लंपी वायरस के बढ़ रहे प्रकोप को रोकने के लिए आमजन के साथ ही विभिन्न समाजसेवी संगठन भी आगे आए हैं कोई उनकी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए औषधियों से बने लड्डू खिला रहा है तो कोई दवा का वितरण कर रहा है। इसी बीच विराटनगर में भाजपा नेत्री रत्नाकुमारी ने विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में 'एक कदम गौ माता की सुरक्षा की ओर' अभियान की शुरुआत की। रत्ना कुमारी ने बताया कि इस अभियान के तहत पूरे क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायत में लंपी से संक्रमित गायों के लिए औषधियों से बने लड्डू खिलाए जाएंगे। साथ ही नीम के पानी व फिटकरी के पानी से संक्रमित गायों को नहलाया जाएगा।

युवती ने फांसी लगाई

टोंक, (निसं)। कालीपलटन क्षेत्र में एक युवती ने घर पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार सुवालिया पुत्री शकील उम्र 18 साल ने अपने ही घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाल जितेन्द्रसिंह चारण मय दल के मौके पर पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपूर्द कर दिया।

गायों को खिलाये आयुर्वेदिक लड्डू

फागी, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर संचालित गो सेवा दल फागी व गौ नन्दी सेवा सुन्दर काण्ड मंडल के कार्यकर्ताओ ने गौ माताओं की सेवा करने का बीड़ा उठाया है।

इसी के दौरान कस्बे में शुक्रवार को लम्पी वायरस से ग्रस्त गायों के उपचार के लिए आयुर्वेदिक लड्डू बनाकर बीमार गौ वंश को खिला कर लंबी संक्रमण बीमारी से बचाने का प्रयास कर रहे हैं। गौ भक्तों एवं मंडल के कार्यकर्ता मुकेश कुमार जैन ने बताया कि रविवार को भी गौ सेवा के लिए आयुर्वेदिक लड्डू बनाए जाएंगे।

इस मौके पर गौ सेवा में लक्की शेखावत, विनोद चिन्दोला, नवरत्न गूजर मानहाला, पप्पू धोबी, योगेश सैन, सत्तार भाई समेत अनेक लोग उपस्थिति थे।

उल्लेखनीय है कि फागी कस्बे सहित समूचे उपखंड क्षेत्र में लम्पी रोग ने गोवंश को पूरी तरह से जकड़ लिया है। हजारों की संख्या में गोवंश लम्पी बीमारी से काल का ग्रास बन गए हैं।

न्यायालय अपर जिला जज एवं सत्र न्यायाधीश क्रमांक-2 हिण्डौन सिटी
बन्नेसिंह बनाम देवीलाल
मु.नं. 68/10 तारीख पेशी 22.09.2022
अपील
यह है कि देवीलाल पुत्र धन्नालाल जाति महाजन निवासी मोहन नगर हिण्डौन सिटी के विरूद्ध उक्त उनवानी अपील पेश कर रखी है जिसमें दौराने अपील देवीलाल (रेस्वौ नं. 1) का स्वर्गवास 14.12.2020 को हो गया है देवीलाल के वारिसान गीता पुत्री देवीलाल माया पुत्री देवीलाल, सरोज पुत्री देवीलाल, गुड्डी पुत्री देवीलाल उक्त चारो पुत्रीयां निवासी मोहन नगर हिण्डौन सिटी हाल निवासी जयपुर में निवास करती है जो मृतक देवीलाल के कायम मुकाम जायज हो इसलिए देवीलाल के स्थान पर पक्षकार बनाया जावे। लिहाजा वजरिये छात्रा वरगल जबाब देही दिनांक 22.09.2022 को सुबह 10.30 AM अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर कर आपके हाजीर न होने पर मुकदमा मैं आपकी गैर हाजिरी में सुनकर फैसला किया जाएगा। वरवक्त मेरे दस्तखत व मोहर अदालत के आज तारीख 16.09.2022 को जारी किया गया।
दिनांक 15.09.2022
मोहर **आज्ञा से, सीनीयर रीडर सैशन रीडर अपर जिला जज नं.-2 हिण्डौन सिटी जिला करौली राज.**

आम सूचना
सभी आम व खास को सूचित किया जाता है कि अचल संपति आवासीय फ्लैट नंबर 603, ब्लॉक ए, मेवाड अपार्टमेंट, हल्दी घाटी मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर । उक्त फ्लैट के मूल अलोटमेंट लेटर नंबर 3097 दिनांक 30.06.2011 गुम हो गया है, जिसकी मेरे द्वारा FIR 15.09.22 को दर्ज करवा दी गई है जिसका FIR NO 1575678/2022 है अतः मूल दस्तावेज प्राप्त होते ही मुझे सूचित करे। अतः दस्तावेज का कोई दुरूपयोग करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा। **विभूती रस्तोगी मो. 9529380408**

राजस्थान आवासन मण्डल वृत-तृतीय
जे.एल.एन.मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर दूरभाष 0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा आवास संख्या-1/898 मालवीय नगर जयपुर क्षेत्रफल 44.00 वर्गमीटर का आवंटन श्री मिर्चूमल पुत्र श्री रूपचन्द को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 14954 दि. 22.10.1982 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 09.01.1983 को प्राप्त कर लिया गया। श्री मिर्चूमल की मृत्यू दिनांक 25.05.2002 को हो जाने के पश्चात उनके पुत्र श्री चन्द कुमार रूपानी पुत्र स्व. श्री मिरचूमल रूपानी के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं मृत्यू प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तांतरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री चन्द कुमार रूपानी पुत्र स्व.श्री मिरचूमल रूपानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत तृतीय, रा. आ. मण्डल, जयपुर

न्यायालय उप तहसीलदार, बगरू जिला- जयपुर (राज.)
Email-srofficebagru@gmail.com
क्रमांक/भू.अ. /135 (2)/2022/ 1979
दिनांक 15.0922
विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कलवाड़ा तहसील सांगानेर जिला जयपुर के खाता संख्या 296 के खसरा नं.1158, खसरा नं. 1159, खसरा नं. 1160, खसरा नं.1162, खसरा नं. 1163/1, खसरा नं. 1165, खसरा नं. 1166, खसरा नं. 1167 किता 08 कुल रकबा 3.29 है 0 में हिस्सा 1/16 एवं खाता संख्या 373 के खसरा नं. 1070, खसरा नं. 1077, खसरा नं. 1078/2807 किता 3 रकबा 0.85 है । में हिस्सा 1/32 में मृतक खातेदार खाजूखों पुत्र लादूखों जाति पिनारा की विरासत का नामांतरण भू-राजस्व एक्ट की धारा 135 (2) में विचाराधीन है । यदि किसी व्यक्तिया संबंधित को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन होने की तिथि से 07 दिवस के अंदर इस कार्यालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे। अन्यथा प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा ।
उप तहसीलदार बगरू जिला जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत जगन्नाथपुरा
क्रमांक-154 पंचायत समिति सांगानेर, जयपुर (राज.) दिनांक-15.9.2022
ग्राम पंचायत जगन्नाथपुरा में प्राप्त पट्टा आवेदनो के आधार पर सभी ग्रामीणजन से आपत्ति प्राप्त कि जा रही है। निचे उल्लेखित आवेदकों द्वारा ग्राम पंचायत में आवेदन पेश कर पट्टा जारी करने हेतु आवेदन पत्रावली पेश करी है। उक्त आवेदकों द्वारा दोहरा पट्टा एवं किसी भी अन्य पडोसीयान के हक अतिक्रमित किया है, तो वह पक्षकार ग्राम पंचायत में विज्ञप्ति जारी होने कि 7 दिवस में अपनी आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ ग्राम पंचायत में स्वयं उपस्थित होकर पेश करें। किसी भी आवेदक द्वारा न्यायालय प्रकरण एवं कोई भी तथ्य ग्राम पंचायत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया हो तो वह व्यक्ति स्वयं इसके लिए उत्तरदायी होगा तथा ग्राम पंचायत सम्मस्त तथ्यों के प्रकटन के लिए आवेदक के विरुद्ध निमानुसार कार्यवाही करने हेतु बाध्य होगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पिता/पति का नाम	निवासी	क्षेत्रफल (वर्गगज में)
1.	कमला देवी	हनुमान सहाय	जगन्नाथपुरा	157.47
2.	हनुमान सहाय	कल्याण	जगन्नाथपुरा	158.17
3.	तेजपाल	लाडूराम	केश्यावाला	97.0
4.	कल्याणी देवी गोपाली देवी	नारायण लाल प्रभाती लाल	जगन्नाथपुरा	152.4

श्रीमती लाली जाट सरपंच, मो.8209631746 **ग्राम विकास अधिकारी पंचायत समिति सांगानेर, जयपुर**

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3722-23 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-13.09.2022
कमली, बीबी पत्नी स्व.श्री मोहम्मद जहुर निवासी वार्ड नं.03 गीता भवन की गली श्रीमाधोपुर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.03 गीता भवन की गली श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐं निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा में आम रास्ता, पश्चिम दिशा में दशरथ तिवाडी का मकान उत्तर दिशा में नाथु तिवाडी का मकान व दक्षिण दिशा में ओम प्रकाश ठठेरा का मकान अवस्थित है।	मकान आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम उत्तरी भुजा 77 फुट 2 इंच, दक्षिणी भुजा 83 फुट 6 इंच, उत्तर से दक्षिण पूर्वी भुजा 33 फुट 7 इंच, पश्चिमी भुजा 27 फुट कुल क्षैत्रफल 290 वर्गगज या 242.47 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 13.09.2022 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत बल्लुवास पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.
क्रमांक-SPL1 **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-12/9/22
राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 के तहत एवं राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	सीसी सडक निर्माण कार्य भानोत मोड से मुनपुर की ओर SFC VI (ZP)	20/9/22 11 AM तक	20/9/22 01 PM तक	20/9/22 03 PM तक	10.0 लाख	20000	200

उक्त कार्यों के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।
सरपंच ग्राम पंचायत बल्लुवास पं. समिति मुण्डावर (अलवर) राज. NIB N. ZAL2223A0689 UBN N. ZAL2223GSLB00957 **ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत बल्लुवास पं. समिति मुण्डावर (अलवर) राज.**

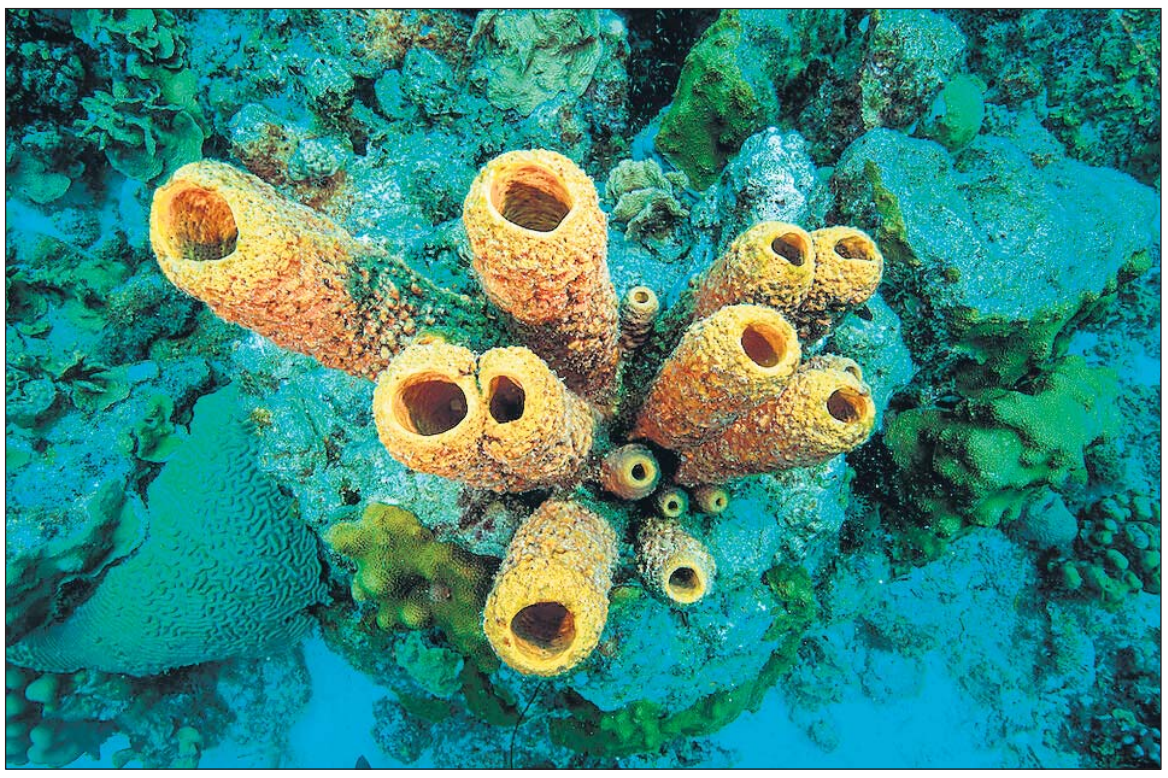

छींक जीवन को बदल सकती है, इस तीव्र प्रतिक्रिया से नाक से म्यूकस, पानी व अन्य दूषित तत्व निकल जाते हैं और सांस लेना आसान हो जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि सी स्पॉंज भी अपने आंतरिक फिल्टर सिस्टम को साफ करने के लिए छींकते हैं। स्पॉंज सबसे पुराने बहुकोशिकीय जीवों में से एक हैं, और अक्वैटिक इकोसिस्टम में पोषक तत्वों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में अहम् भूमिका निभाते हैं। छींकने से उन्हें, पानी से पोषक तत्व ग्रहण करने वाले अपने सिस्टम को साफ करने में मदद मिलती है। अभी तक वैज्ञानिकों को यही लगता था कि, वे अपने शरीर के कुछ भागों को खोलकर कचरा बाहर निकालते हैं। शोध लेखक और युनिवर्सिटी ऑफ एल्बर्टा, एडमॉन्टन में जीव विज्ञान की प्रोफेसर सैली लेज़ ने कहा कि, ''आमतौर पर आप सोच सकते हैं कि कचरा उस बड़े छिद्र (ऑस्कुलम) से बाहर निकाला जाता होगा, जिससे स्पॉंज पानी भी बाहर निकालते हैं, पर मेरे साथियों ने जब इसे गौर से देखा तो पाया कि ऑस्कुलम से ज्यादा कचरा बाहर नहीं निकल रहा है।'' शोधकर्ताओं ने करीबिअन ट्यूब स्पॉंज एप्लीसिना आर्चरी और एक इण्डो पैसिफिक प्रजाति के स्पॉंज के वीडियो बनाए और उनका विश्लेषण किया। वीडियो से पता चला कि स्पॉंज की सतह पर म्यूकस एकत्रित हो रहा था। वरिष्ठ शोध लेखक जैस्पर डे गोजी, जो युनिवर्सिटी ऑफ एम्सटर्डम में जीव वैज्ञानिक हैं, ने कहा, हमारे आंकड़े कहते हैं कि छींकना एक अनुकूलन है, जो स्पॉंज ने खुद को साफ रखने के लिए विकसित किया है। पर एक बात है, स्पॉंज इंसान की तरह नहीं छींकते, उन्हें छींकने में आधा घंटा लगता है। जर्नल करंट बायॉलजी में छपे इस शोध के प्रथम लेखक निकलस कॉर्नडर ने कहा, स्पॉंज जो म्यूक्स बाहर निकालते हैं वह मछलियों तथा अन्य जीवों का भोजन होता है। यह शोध इकोसिस्टम पर स्पॉंज के महत्व को दर्शाता है।

सफल राजनयिक थे राव इन्दरजीत सिंह मसूदा

- मसूदा के ठिकानेदार राव इन्दरजीत सिंह का शनिवार को जयपुर में अंतिम संस्कार किया जाएगा, उनका गुरुवार को निधन हो गया था।
- उनके पुत्र पार्थ सारथी सिंह अमेरिका में बैंकर हैं, उनके आने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।
- 81 वर्षीय राव इन्दरजीत सिंह मैडागास्कर, यू.ए.ई., ओमान और मोरॉक्को में भारत के राजदूत रहे थे तथा कला, संस्कृति, इतिहास व दर्शन शास्त्र के विद्वान थे।

-प्रकाश भण्डारी-

जयपुर। पूर्व राजनयिक और अजमेर जिले के मेड़तिया राठौड़ मसूदा ठिकाने के पूर्व राव इन्दरजीत सिंह का यहाँ गुरूवार को निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार जो शुक्रवार प्रात: होना था उनके पुत्र पार्थसारथी सिंह के विदेश से विलम्ब से पहुंचने के कारण अब कल प्रात: लाल कोठी श्मशान में प्रात: 10 बजे होगा। राव इन्दरजीत सिंह के पिता रावनारायण सिंह मसूदा कांग्रेस नेता और मोहन लाल सुखाड़िया और बरकतउल्ला खाँ मंत्रिमण्डल में मंत्री थे। उनकी माता उर्मिला देवी मसूदा राज्य समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष रहीं। राव इन्दरजीत सिंह भरापूरा परिवार छोड़ गए।

राव इन्दरजीत सिंह 81 वर्ष के थे और वह भारतीय विदेश सेवा में कार्यरत रहते हुए मैडागास्कर, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और मोरक्को में भारत के राजदूत रहे। वह आस्ट्रेलिया में भारतीय उच्चायोग के अन्तर्गत सिडनी में कंसल जनरल भी रहे।

मसूदा इस्तीमरारी ठिकाना की श्रेणी में आता था और सीधे अजमेर में ब्रिटिश सरकार के शासन में आता था। यह परिवार आजादी के बाद कांग्रेस में सक्रिय हो गया और राव नारायण सिंह अजमेर और तत्कालीन मेरवाड़ा के प्रमुख नेताओं में से एक थे। इसी परिवार में इन्दरसिंह का जन्म हुआ।

राव इन्दरजीत सिंह

उनकी शिक्षा अजमेर के मेयो कॉलेज में हुई जहाँ वह पढ़ाई के साथ-साथ नाटक और डिबेट में गहन रूचि रखते थे। इन्दरसिंह ने मेयोकॉलेज से सीनियर कैम्ब्रिज की पढ़ाई पूरी कर दिल्ली के प्रसिद्ध सेन्ट स्टीफन्स कॉलेज से कला में स्नास्तक की डिग्री हासिल की। इसके बाद वह 1964 में केन्द्रीय लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज परीक्षण में सफल शीर्ष अभ्यार्थियों में से एक रहे। उस समय जब भारतीय विदेश सेवा में प्रवेश बड़ी कठिनाई से हो पाता था, इन्दरजीत सिंह उदयपुर के शिक्षाविद् और पाकिस्तान तथा नीदरलैण्ड में भारत के राजदूत रहे मोहन सिंह मेहता के पुत्र जगत मेहता के बाद विदेश सेवा में चुने जाने वाले राजस्थान के दूसरे व्यक्ति थे। आगे चलकर जगत मेहता, विदेश सचिव बने।

इन्दरजीत सिंह को विदेश सेवा में रहते हुए अपनी राजनयिक चतुराई और मृदुल व्यवहार के कारण बहुत लोकप्रियता मिली। कोटा की भारतीय विदेश सेवा में भारत की फ्रांस, पेरू और बोलिविया के अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रही सावित्री कुन्हाड़ी ने कहा कि इन्दरजीत सिंह शुरू से ही कुशाग्र राजनीयिक रहे और वह जिस देश में भी राजदूत रहे उस देश के भारत से मजबूत सम्बन्ध बनाने उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संयुक्त अरब अमीरात में जब वह भारत के राजदूत थे तो दोनों देशों के बीच जिस मजबूत रिश्ते की उन्होंने नींव रखी, वह आज भारत को लाभ दे रहा है।

इन्दरजीत कला, संस्कृति, इतिहास और दर्शनशास्त्र के अलावा विभिन्न धर्मों के ज्ञाता थे। उन्होंने अपने पिता की भागवत गीता पर लिखी पुस्तक ''इन्ट्रोस्पेक्शन ऑन गीता'' का सम्पादन किया और यह पुस्तक गीता अध्यन के लिए उत्तम पुस्तकों की गिनती में आती है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे के अनुरोध पर उन्होंने जयपुर के अलबर्ट हॉल म्यूजिम की कायापलट करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसे निखारने और प्रोन्नत करने में सफल रहे।

वह स्थापत्य और वास्तुकला के भी जानकार थे। पूर्व मुख्य सचिव और आमेर धरोहर संवर्धन और प्रोन्नति प्राधिकरण (ए.डी.एम.ए) के पूर्व चेयरमैन सलाउद्दीन अहमद ने उनके निधन पर अमेरिका के मैम्फीस शहर से संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी प्राधिकरण को दिए गए मार्गदर्शन को प्रशंसा की।

पंजाब के पूर्व राज्यपाल और पूर्व सांसद तथा मंत्री वी.पी.सिंह बदनोर ने स्वर्गीय इन्दरजीत सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें एक योग्य राजनयिक और कई विधाओं का ज्ञाता बताया।

स्वर्गीय इन्दरजीत सिंह का विवाह दिल्ली की अमृता वर्मा से हुआ था। उनके पुत्र, पार्थसारथी सिंह, अमेरिका में बैंकर हैं और पुत्री मीरा कुमारी का विवाह बनारस राजपरिवार के कन्दर्प सिंह से हुआ है।

'पार्षदों को अयोग्य घोषित करने के लिए जारी नहीं करेंगे अधिसूचना'

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में अंडर टेकिंग दी

- हाई कोर्ट में ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ अभद्रता के आरोपी तीन पार्षदों के मुद्दे पर सुनवाई चल रही है।
- आरोपी पार्षदों ने कहा कि, उनके खिलाफ नियमानुसार जांच नहीं हुई और उन्हें दोषी करार दिया गया अब सरकार उनकी नियुक्ति रद्द करने के लिए अधिसूचना जारी कर सकती है।

जयपुर, 16 सितंबर (का.सं.)। ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञ मित्र सिंह देव से अभद्रता से जुड़े मामले में आरोपी तीन पार्षदों पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अंडरटेकिंग दी है। अदालत ने राज्य सरकार को इस मामले में जवाब पेश करने के लिए 13 अक्टूबर तक का समय दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने पार्षद अजय सिंह, शंकर शर्मा और पारस जैन के खिलाफ जारी उस सरकारी अधिसूचना पर भी अंतरिम रोक लगाई गई। जिसके तहत उनकी नियुक्ति को खारिज किया जाना है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता ने आग्रह किया कि अदालत उन्हें मौखिक आदेश दे दे कि याचिका पर अगली तारीख तक नगर पालिका अधिनियम की धारा 39 (7) के तहत आरोपी पार्षदों को अयोग्य घोषित करने के लिये अधिसूचना जारी नहीं की जाए। उन्होंने अदालत से जवाब दायर करने के लिये समय भी मांगा। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन. माथुर ने अदालत को कहा कि ऐसे मामलों में मौखिक आदेश नहीं दिये जा सकते क्योंकि राज्य सरकार किसी भी समय, अगली तारीख से पहले, इन पार्षदों को अयोग्य घोषित करने के लिये अधिसूचना जारी कर सकती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे ही मामलों में आदेश दिये हैं कि अदालत को लिखित में ही आदेश पारित करने चाहिये।

याचिकाओं में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ प्रारंभिक जांच के आधार पर की गई न्यायिक जांच में उन्हें दोषी माना गया था। जबकि प्रारंभिक जांच की नियमानुसार नहीं की गई। प्रारंभिक जांच के दौरान उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया और सिर्फ दो दिन में ही जांच पूरी कर ली गई, इसके अलावा प्रारंभिक जांच राजनीतिक द्वेष से प्रेरित थी।

याचिका में कहा गया है कि जब प्रारंभिक जांच ही गलत थी तो उसके आधार पर की गई न्यायिक जांच में उन्हें दोषी नहीं माना जा सकता। वहीं राज्य सरकार ने जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है। इस पर याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि राज्य सरकार इस अवधि में नए चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने के साथ ही उन्हें अयोग्य घोषित करने के लिए अधिसूचना भी जारी कर देगी। अदालत के पूछने पर एएजी ने कहा कि उन्हें मामले में धारा 39(7) के तहत अधिसूचना जारी करने के संबंध में जानकारी नहीं है। अदालत की ओर से मामले में स्टे देने की मंशा जताने पर एएजी ने कहा कि आगामी सुनवाई तक धारा 39(7) के तहत अयोग्यता को लेकर अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी।

मोदी और जिनपिंग के बीच समरकंद में दूरियाँ साफ नज़र आईं

दोनों नेताओं ने ना तो एक-दूसरे का अभिवादन किया और ना ही हाथ मिलाया

- गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच 2020 में हुई झड़प के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों नेता एक मंच पर आमने-सामने थे। लेकिन यह नजदीकी भी दिलों की दूरियां शायद नहीं मिटा पाई और दोनों नेता औपचारिक मुलाकात से भी बचते दिखे।
- एस.सी.ओ. समिट के मंच पर प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग अगल-बगल ही खड़े दिखे, लेकिन दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाए और न ही मुस्कुराए।

समरकंद, 17 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जब शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर दिखे तो दूरिया भी साफ नजर आईं। दोनों नेताओं न तो हाथ मिलाया और न ही चेहरे पर कोई मुस्कान थी। उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के राष्ट्रपति से उचित दूरी बनाते हुए दिखे। गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच 2020 में हुई झड़प के बाद यह पहला मौका था, जब दोनों नेता एक मंच पर आमने-सामने थे। लेकिन यह नजदीकी भी दिलों की दूरियां शायद नहीं मिटा पाई और दोनों नेता औपचारिक मुलाकात से भी बचते दिखे।

भारत और चीन के बीच लंबे समय से सीमा पर तनाव चला आ रहा है और इसका साफ असर एससीओ के मंच पर भी दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुरुवार को ही शंघाई समिट में पहुंचना था, लेकिन वह डिनर पर नहीं पहुंचे। वह शुक्रवार को समिट से ठीक पहले ही पहुंचे। सालाना समिट के मंच पर प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग अगल-बगल ही खड़े दिखे, लेकिन दोनों ने हाथ तक नहीं मिलाए और न ही मुस्कुराए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत कई देशों के नेता इस समिट में हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात नहीं की है।

पी.सी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नागर के बेटे विकास, विराट नगर से मनीष यादव और विधायक इंद्राज गुर्जर, शाहपुरा से बंजर भूमि विकास बोर्ड के अध्यक्ष संदीप चौधरी और निर्दलीय विधायक आलोक बेनीवाल की पत्नी सविता बेनीवाल, चाकसू से हरी चौधरी और विधायक वेद प्रकाश सोलंकी का नाम है। लेकिन सोलंकी का कहना है कि एक ब्लॉक से शिवप्रसाद हरसाना को पीसीसी डैलिगेट बनाया गया है। वहीं कोटपूतली से मंत्री, राजेंद्र यादव ने अपने पुत्र का नाम पीसीसी डैलिगेट के लिए दिया है।

टोंक जिले में देवली उनियारा से हरीश मीणा और राजेश चौधरी, निवाई से प्रशांत बैरवा और ब्रह्म प्रकाश गुर्जर, टोडारायसिंह से रामविलास चौधरी और सरोज गुर्जर तथा टोंक से सचिन पायलट और सईद सऊदी पीसीसी डैलिगेट बने हैं।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान गिरफ्तार

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया है।

एसीबी ने आप विधायक को दिल्ली वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार मामले में आज छापेमारी के दौरान उनके खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री और सबूतों की बरामदगी के आधार पर गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक, आप विधायक के खिलाफ वर्ष 2020 में मामला दर्ज किया गया था, जिसका एफआईआर नंबर 5/2020 है। उनके खिलाफ धारा 7/13 पीसी एक्ट 1988 (संशोधित 2018) धारा 409 तथा 120 बी आईपीसी पुलिस स्टेशन एसीबी है।

समरकंद में सबसे पहले मोदी से मिले पुतिन

- प्र.मंत्री मोदी ने यूक्रेन से संघर्ष खत्म करने की अपील की तो पुतिन ने कहा, हम आपकी सीख का पूर्ण सम्मान करते हैं और हम भी शांति स्थापित करने के प्रयास में हैं।

समरकंद, 16 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को शंघाई कॉरपोरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.)शिखर सम्मेलन की बैठक से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। यूक्रेन युद्ध के बाद दोनों नेताओं की यह आमने सामने होने वाली पहली मुलाकात रही। इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और व्लादिमीर पुतिन ने कई ज्वलंत मुद्दों पर बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से युद्ध खत्म करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है। यह वक्त वैश्विक चिंताओं (भोजन, उर्वरक और ईंधन सुरक्षा) पर गौर करने का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एससीओ के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा की स्थिति और व्यापार एवं संपर्क बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी और पुतिन की बैठक के दौरान यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी उठा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि वे भारत चिंताओं से अवगत हैं। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन संघर्ष को जल्द खत्म करना चाहते हैं।

क्वीन ऐलिज़बैथ के अंतिम दर्शन नहीं करने दिये जायेंगे चीन के संसदीय प्रतिनिधिमण्डल को

ब्रिटेन की सरकार ने यह कदम उठाया, इसके अलावा ब्रिटेन के सांसदों ने चीन को न्योता भेजे जाने पर भी कड़ी नाराजगी जाहिर की

लंदन, 16 सितंबर (वार्ता)। चीन सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल को ब्रिटेन संसद के वेस्टमिंस्टर हॉल में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है, जहां पर महारानी एलिजाबेथ (द्वितीय) का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है।

बीबीसी के अनुसार ऐसा माना जा रहा है कि हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर सर लिंडसे हॉयल ने चीन की ओर से पिछले साल ब्रिटेन के सात सांसदों समेत नौ नागरिकों के चीन में प्रतिबंध और उनकी संपत्ति सील करने के कदम की प्रतिक्रिया स्वरूप वेस्टमिंस्टर हॉल में प्रवेश के चीन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

स्पीकर के कार्यालय ने बीबीसी को बताया कि हॉयल ने सुरक्षा मामलों के कारण इस विषय पर टिप्पणी नहीं की। इस बीच, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने प्रतिबंध के बारे में कोई रिपोर्ट नहीं देखी है, जो पहली बार पोलिटिको वेबसाइट पर सामने आई थी।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, एक मेजबान के रूप में, ब्रिटेन निश्चित रूप से राजनयिक प्रोटोकॉल और मेहमानों को प्राप्त करने के उचित तरीके से परिचित है।

बीबीसी ने कहा, ब्रिटेन की ओर से चीन पर उइगर मुसलमानों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाने को लेकर पिछले साल चीन ने सात सांसदों सहित नौ नागरिकों की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था और उनकी संपत्ति जब्त कर दी थी। इसके कारण ब्रिटेन में चीन के राजदूत का संसद में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया। इसकी आंच अब एक प्रतिनिधिमंडल पर आ गयी जो है जो महारानी एलिजाबेथ का अंतिम दर्शन करके उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करना चाहता है।

ब्रिटेन और चीन के संबंध पहले से ही तनावपूर्ण हैं और इस प्रतिबंध से उनके संबंधों में कुछ नया नहीं होने वाला है। चीन के उपराष्ट्रपति के हालांकि सोमवार को महारानी के अंतिम संस्कार में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिटेन के कुछ सांसदों ने चीन को उइगर अल्पसंख्यक नरसंहार का 'जनक' करार देते हुए महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भेजे गये निमंत्रण को वापस लिए जाने की मांग की है और कहा है कि इस कम्युनिस्ट देश को आमंत्रित करना बेहद हैरान करने वाला कदम है।

यूरोप में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सबसे ज्यादा स्तंभित कर देने वाली बात यह रही कि नव-नाज़ी जड़ों वाली पार्टी स्वीडन डेमोक्रेट्स इन चुनावों पर दूसरे स्थान पर रही। न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि यह पार्टी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा तो नहीं रहेगी, लेकिन ऐसी आशा जरूर है कि इसका सत्तारूढ़ गठबंधन पर जबरदस्त प्रभाव रहेगा। अमांडा ताऊब ने ''द इन्टरप्रेटर'' में लिखा है, ''यह जीत हर देश का ध्यान खींचेगी, स्वीडन का ध्यान तो खासतौर से खींचेगी, जो समता मूलक सामाजिक लोकतांत्रिक देश है। यह जीत वर्तमान चलन का हिस्सा है। स्वीडन ऐसा ताजातरीन यूरोपीय लोकतंत्र है, जो फ्रांस, जर्मनी, फिनलैंड, डेनमार्क, ऑस्ट्रिया एस्टोनिया आदि की जमात में शामिल हो गया है, जिनकी धुर दक्षिणपंथी पार्टियों का निरन्तर मतदाताओं पर प्रभाव बढ़ रहा है। इटली में भी फासीवादी जड़ों वाली दक्षिणपंथी पार्टी की जॉर्जिया मैलोनी अगली प्रधानमंत्री बन सकती हैं।

तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक व तमिलनाडू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिल्ली में बैठे हैं, वे उनके खिलाफ झूठ फैला रहे है और इसके पीछे राजनैतिक कारण है। उन्होंने टी.वी. पर इस बात से भी इन्कार किया कि उसे ई.डी. से कोई सम्मन मिला है।

रोचक बात यह है कि कविता के पिता के.सी.आर. ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोला है और उन्होंने लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ मोर्चा बनाने के लिए विपक्षी नेताओं के साथ मेल मुलाकातें भी शुरु कर दी हैं। वे देश का दौरा कर रहे हैं और इस संबंध में अलग-अलग विपक्षी नेताओं से मिल रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के राजनैतिक हल्कों में हैरानी जताई गई है कि वाय.एस.आर.सी.पी. के रसूखदार सदस्य पर रेड क्यों की गई है क्या इसके पीछे कोई राजनीति है।

क्या यह फिल्म स्तर जूनियर एन.टी.आर. और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हुई मुलाकात का कोई नतीजा है। ज्ञातव्य है कि अमित शाह ने हालिया हैदराबाद यात्रा में जूनियर एन.टी.आर. के साथ आधा घंटा बात की थी।

भाजपा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में घुसने की भरसकर कोशिश कर रही है। जहां तेलंगाना में भाजपा ने चार सीटें जीती थी पर आंध्र में इसे कुछ नहीं मिला और वहां पार्टी संगठन भी नहीं है।

पर इस बार भाजपा का सर्वोच्च नेतृत्व आंध्र प्रदेश में भी कदम जमाने के गंभीर प्रयास कर रहा है और राजनैतिक विश्लेषक हैरान हैं कि क्या ई.डी. के एक्शन में सत्तारूढ़ वाय.एस.आर.सी.पी. के लिए कोई राजनैतिक संदेश है और क्या यह संदेश है कि भाजपा तेलगुदेसम पार्टी के साथ गठजोड़ कर सकती है।

संयोग वश तेलगुदेसम भाजपा की पूर्व में भी सहयोगी पार्टी रही है और 2018 में इसने एन.डी.ए. छोड़ा था तथा आंध्र में सत्तारूढ़ जगन मोहन रेड्डी का मुकाबला करने के लिए यह केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा से गठबंधन करने की संभावना तलाश रही है।

आंध्र के राजनैतिक विश्लेषक मानते हैं कि जूनियर एन.टी.आर. जो जाने माने फिल्म स्टार और तेलुगूदेशम के संस्थापक एन.टी.अर. के पौत्र हैं, इस तरह की व्यवस्था कर सकते हैं। उन्होंने पिछली बार राज्य में तेलुगूदेसम पार्टी का प्रचार भी किया था।

उपाध्याय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की संभावना है। याचिका में कहा गया है कि भारतीय संघ के प्रत्येक राज्य में वैधानिक वक्फ बोर्ड है, जो वक्फ की संपूर्ण संस्था मूल हैं तथा उनकी वर्तमान याचिका में की गई प्रार्थना का असर पूरे देश के वक्फ के स्थापित तंत्र में उथल-पुथल पैदा करने वाला हो सकता है। याचिका में आगे कहा गया है कि उपाध्याय ने यह कहकर अदालत को भी गुमराह किया है कि वक्फ एक्ट निरुद्देश्य एवं अकारण अस्तित्व में है, क्योंकि 1995 के एक्ट में ''उद्देश्यों एवं कारणों का कथन'' विस्तृत रूप से मौजूद है तथा 1995 का यह एक्ट इसकी पृष्ठभूमि, प्रयोजन तथा विशेषता पर पर्याप्त प्रकाश डालता है।

वैवाहिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जहां न्यायमूर्ति शकधर ने कानून की उस छूट को रद्द करने का पक्ष लिया था, जिसमें पतियों, उनकी पत्नियों के साथ गैर-सहमतिपरक सम्भोग करने पर अभियोग चलाये जाने से मुक्त रखा गया था, जबकि न्यायमूर्ति सी. हरिशंकर ने इसे असंवैधानिक मानने से इनकार कर दिया था।

आई.पी.सी. की धारा 375 में दी गई छूट के तहत, किसी पुरुष के उसकी पत्नी के साथ किया गया सम्भोग दुष्कर्म नहीं है, बशर्ते पत्नी नाबालिग न हो। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी तथा बी.वी. नागरत्ना की बैंच ने धारा 375 के अपवाद नं. 2 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केन्द्र को नोटिस भेज दिया। इस छूट में खासतौर से कहा गया है कि अपनी पत्नी के साथ गैर-सहमतिपरक सम्भोग करने वाले पति पर दुष्कर्म का आरोप नहीं लगाया जा सकता।

उच्च न्यायालय का फैसला एन.जी.ओ. ''आर.आई.टी. फाउन्डेशन'' तथा ''ऑल इन्डिया डेमोक्रेटिक वीमैन्स एसोसिएशन द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर आया था। इन याचिकाओं में ''भारतीय दुष्कर्म कानून'' के तहत पतियों को दी गई छूट को खत्म किये जाने की मांग की गई थी।

चीन व रूस के संबंधों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी यह स्थिति दिन पर दिन बढ़ रही है। रुस के साथ उसकी मित्रता यूरोपीय देशों के साथ उसकी नजदीकी सम्बंधों के मामले में उसे (चीन) बहुत महंगी पड़ी है।

इधर, भारत ने युद्ध को लेकर कभी भी रुस की आलोचना नहीं की थी, और न विभिन्न मुद्दों के समाधान में, भारत ने हिंसा और सैन्य शक्ति के उपयोग का समर्थन ही किया था। इस प्रकार भारत ने दोनों परस्पर विरोधी पक्षों - जिनमें एक तरफ पश्चिम एवं अमेरिका थे तथा दूसरी तरफ रुस - के साथ अपना संवाद बनाये रखने की स्थिति बना ली थी।

दूसरी तरफ, रुस को दिये गये पूर्ववर्ती समर्थन तथा दक्षिण चीन सागर एवं ताइवान और भारत के मिली सीमाओं पर उत्तरोत्तर बढ़ते आक्रामक रुख के कारण, चीन अपनी इच्छित पहुँच एवं सम्पर्कों को गंवा चुका है।

अपने कुछ तौर-तरीकों के चलते, चीन वैश्विक कूटनीतिक माध्यमों के अंदरुनी हल्कों से अलग-थलग बना रहा।

जिस तरह की स्थितियाँ बन गई हैं, वे चीनी राष्ट्रपति के अत्यधिक रुप से प्रतिकूल हैं। ज्ञातव्य है कि वे, पहले से स्थापित मानदंडों का उल्लंघन करते हुये, इस साल नवम्बर में पार्टी कांग्रेस में सर्वोच्च पद पर पुनर्नियुक्ति लेने की निर्णायक कोशिश कर रहे हैं।

अन्य बड़ी ताकतों के साथ अपने रिश्तों में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने, दक्षिण चीन सागर के विशाल क्षेत्र पर चीनी को काबिज करने, अपने देश की जनता को भारत से लगी हिमालयी सीमाओं पर विस्मयकारी जीत हासिल करने, यूक्रेन में स्पष्ट एवं जबरदस्त जीत पाने वाले रुस का समर्थन प्राप्त करने के चीन के वे सारे प्रयास निष्फल हो गये, जो ताइवान पर कब्जा करने के लिये ताकत के इस्तेमाल के मामले में चीन की स्थिति को बेहतर बना सकते थे।

चीन और रुस- दोनों ही देशों के सर्वोच्च नेता दलदल में फंसे हुये हैं, जिससे बाहर निकलने के लिये वे औचित्यपूर्ण तरीके तलाश करने के लिये हाथ-पैर मार रहे हैं। जहाँ तक भारत का प्रश्न है, समरकंद सम्मेलन से उसे मिलने वाले विकल्प निराशाजनक नहीं हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908